@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 6 नवंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 361 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी मदरसा एक्ट को बताया संवैधानिक

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 5 नवंबर। यूपी मदरसा एक्ट पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया है। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को रद्द करने वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने आज यानी 5 नवंबर को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से उच्च न्यायालय के इस फैसले को बदलते समय कई अहम टिप्पणियां की गईं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मदरसा एक्ट से संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता है। न ही ये धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों का किसी भी तरह से उल्लंघन करता है। न्यायालय ने कहा कि उच्च न्यायालय ने इस एक्ट को ठीक से समझे बिना ही रद्द कर दिया। 2004 में मदरसा शिक्षा को व्यवस्थित करने के लिए उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 लागू किया गया था। इसमें अरबी, उर्दू, फारसी, इस्लामिक अध्ययन, तिब्ब (पारंपरिक चिकित्सा) और अन्य निर्देशित शाखाओं में शिक्षा देना शामिल किया गया था। उत्तर प्रदेश में हजारों मदरसे हैं लेकिन इनमें से कुछ ही मदरसों को मदरसा एक्ट के तहत मान्यता प्राप्त है। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन इफ्तिखार अहमद जावेद के अनुसार, यूपी में 16,500 मान्यता प्राप्त, 560 अनुदानित (जिन्हें सरकार से वित्तीय सहायता मिलती है) और 8,500 गैर-मान्यता प्राप्त मदरसे हैं, जहां 2 लाख से ज्यादा छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अनुदानित मदरसों का बजट 900 करोड़ रुपये है। मदरसा शिक्षा बोर्ड स्नातक और स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान करता है जिन्हें क्रमश: कामिल और फाजिल के नाम से जाना जाता है। बोर्ड द्वारा जारी किए गए डिप्लोमा को कारी कहा जाता है और यह प्रमाण पत्र और अन्य शैक्षणिक सम्मान भी देता है। बोर्ड मुंशी और मौलवी (कक्षा ङ्ग) और आलिम (कक्षा ङ्गढ्ढ) जैसे पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षाएं आयोजित करने की काम भी करते है। मदरसा शिक्षा बोर्ड तहतानिया, फौक्वानिया, मुंशी, मौलवी, आलिम, कामिल और फाजिल जैसे पाठ्यक्रमों के लिए आवश्यक पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें और अन्य शिक्षण सामग्री भी तय करता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 22 मार्च 2024 को उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को असंवैधानिक घोषित करार दिया। इस फैसले के साथ ही हाईकोर्ट ने कहा था कि

ये भारत के धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता और उनके वकील ने तर्क दिया कि मदरसा अधिनियम धर्मनिरपेक्षता के मूल सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। कोर्ट के सामने ये तर्क रखा गया कि मदरसा एक्ट भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21-ए के अनुसार 14 वर्ष की आयु या कक्षा आठ तक उच्च गुणवत्ता वाली अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान को बाध्य करता है। कहा गया कि यह एक्ट मदरसों में नामांकित सभी बच्चों के लिए सार्वभौमिक और उच्च गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा की गारंटी नहीं देता है। इसके अलावा, ये तर्क भी दिया गया कि बोर्ड का डिग्री प्रदान करना यूजीसी के अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करती है। इस तर्क को भी हाईकोर्ट के द्वारा माना गया। आगे चलकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के 22 मार्च के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया। इसमें एनसीपीसीआर ने कहा कि मदरसे में बच्चों को दी जाने वाली शिक्षा व्यापक नहीं है और इसलिए यह शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई एक्ट), 2009 के प्रावधानों के खिलाफ है।

दिल्ली में छठ पर्व पर रहेगा एक दिन का अवकाश

नई दिल्ली, 5 नवंबर। राजधानी दिल्ली में छठ पर्व को लेकर सात नवंबर को अवकाश रहेगा। दिल्ली सरकार की तरफ से जल्द ही अवकाश को लेकर नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। सीएम अतिशी ने कहा कि छठ पर्व पर भव्य आयोजन किए जाएंगे। एलजी के प्रस्ताव को सीएम आतिशी ने हरी झंडी दिखा दी है। इससे पहले एलजी वीके सक्सेना ने सीएम आतिशी को एक चिट्ठी लिखी थी जिसमें छठ के दिन छुट्टी की मांग की गई थी। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर उनसे छठ के तीसरे दिन 7 नवंबर को पूर्णकालिक अवकाश घोषित करने का आग्रह किया है। अभी तक 7 नवंबर को प्रतिबंधित अवकाश घोषित किया गया है। इससे पहले दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर सात नवंबर को दिल्ली में सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का आग्रह किया था, इस पर मुख्यमंत्री आतिशी ने ट्वीट कर जानाकरी दी कि मुझे यह बताते हुए खुशी है कि दिल्ली सरकार ने फैसला लिया है कि सात नवंबर को छठ के त्यौहार की छुट्टी होगी, ताकि सभी पूर्वांचली भाई-बहन धूम-धाम से छठ का त्यौहार मना सकें। पत्र में उपराज्यपाल ने लिखा था, कुछ ही दिनों में हम छठ मना रहे होंगे। आस्था का यह महापर्व चार दिनों तक मनाया जाता है, जिसमें तीसरा दिन जब अस्ताचल सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित किया जाता है, सबसे महत्वपूर्ण है। इस साल सात नवंबर को पड़ने वाला यह दिन पहले से प्रतिबद्ध अवकाश के रूप में घोषित है।

अपनी हिलती कुर्सी की चिंता करें मुख्यमंत्री सुक्खू: जयराम ठाकुर

नरेश मल्होत्रा

शिमला, 5 नवंबर। मेरी चिंता छो? मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू अपनी हिलती कुर्सी की चिंता करें जो कभी भी गिर सकती है। झूठी गारंटियों पर अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन ख?गे जी से प?ी फटकार के बाद मुख्यमंत्री अब असहज हो गए हैं जिन्हें कभी भी कुर्सी छीन जाने का डर सता रहा है। मंडी में प्रेसवार्ता के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने पलटवार करते हुए कहा कि सत्ता में आने से पहले कांग्रेस ने जो गारंटियां दी थी, उसे वो पूरा नहीं कर पाई और नतीजतन आज प्रदेश सरकार का दो वर्ष का कार्यकाल पूरे देश भर में तमाशा बनकर रह गया है। अब तो इनके राष्ट्रीय अध्यक्ष भी इनकी झूठी गारंटियों से असहज हो गए हैं। सत्ता में आने से पहले कांग्रेस ने जो गारंटियां दी थी, उसे वो पूरा नहीं कर पाई है। जयराम ठाकुर ने कहा कि सीएम कह रहे हैं नेता प्रतिपक्ष अपनी गद्दी बचाने में लगे हुए हैं, जबकि प्रदेश सरकार में कुर्सी सीएम सुखविंद्र सिंह की ज्यादा हिलती हुई दिख रही है। भाजपा पर झूठ बोलने के आरोप लगाने वाले सीएम खुद रोजाना नया झूठ बोल रहे हैं। जिस कारण आज उनके मंत्री व विधायक अपनी ही सरकार से नाराज चले हुए हैं और विरोध स्वरूप अलग-अलग बैठकें कर रहें है। पिछले कल आनन-फानन में बैठक कर सीएम को मंत्रियों को अपने घर बुलाना पड़ा, जिससे प्रतीत होता है कि कुर्सी सीएम सुक्खू की हिलती दिखाई दे रही है। नोटिफिकेशन निकालने के बाद नित रो? फैसले बदलने वाली इस सरकार की अब देश भर में हो रही फजीहत के बाद मुख्यमंत्री ने भाजपा का जबाब देने के लिए मंत्रियों की खास तौर पर ड्यूटी लगा दी है ताकि किरकिरी से बचा जा सके लेकिन कोई मंत्री आगे आने का साहस ही नहीं कर पा रहा है कियूंकि उनको भी मुख्यमंत्री के ऐसे ?सलों से अपनी हार का डर सता रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आज मंत्रियों व उनके बीच उद्घाटन को लेकर भी लड़ाइयां चली हुई है। उन्होंने मंडी जिले के पंहोह में प्रदेश के पहले रोपवे का जिक्र करते हुए कहा कि 55 करोड़ की लागत से यह रोपवे नाबार्ड के सहयोग से बनकर तैयार हो गया है, लेकिन कांग्रेस नेताओं की आपसी लड़ाई के कारण अब इस रोपवे का उद्घाटन लटका हुआ है, क्योंकि इस रोप वे का श्रेय कांग्रेसी नेता खुद लेना चाहते हैं, जबकि पूर्व भाजपा सरकार यह प्रोजेक्ट लेकर आई है। मैं स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से दिल्ली में मिला था तो मैंने हिमाचल में कठिन भगौलिक परिस्थितियों को देखते हुए रोपवे को ज्यादा सुगम बताया था। ये देश का ऐसा पहला प्रोजेक्ट था जिसे नाबार्ड वित्त पोषित है लेकिन इसे हमारी सरकार ने तैयार करवाया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि सत्ता हासिल करने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा जनता को दी जाने वाली गारंटियों का दौर खत्म होना चाहिए। इसके लिए सभी राजनीतिक दलों व निर्दलीय चुनाव लड़ रहे नेताओं के लिए चुनाव आयोग को एक गाइडलाइन जारी करनी चाहिए। ऐसा उनका मानना है। चुनाव आयोग की इसी गाइडलाइन के तहत ही सभी नेता चुनाव लड़ने के बाध्य भी होने चाहिए। सत्ता में आने से पहले कांग्रेस ने जो गारंटियां दी थी, उसे वो पूरा नहीं कर पाई है। जिस कारण आज प्रदेश सरकार का दो वर्ष का कार्यकाल पूरे देश भर में तमाशा बनकर रह गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो गारंटी देते हैं वो उसे पूरी तरह लागू भी करते हैं यही भाजपा और अन्य दलों में अंतर है। कांग्रेस को लग रहा था कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर में उनकी गारंटियाँ काम कर जाएंगी लेकिन जब हमने इनकी गारंटियों की हकीकत सामने रखी तो इनको जीत के जश्न का रथ भी वापस लौटना प?ा। हरियाणा चुनावों से स्पष्ट हो गया है कि जनता अब सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की गारंटी पर भरोसा करती है। इस दौरान उनके साथ भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय राणा, प्रदेश उपाध्यक्ष पायल वैद्य, भाजपा जिलाध्यक्ष निहाल चंद शर्मा, नगर निगम मेयर विरेंद्र भट्ट उपस्थित रहे।

बदलाव के लिए लेने पड़ते कड़े फैसले: मुख्यमंत्री सुक्खू

देहरागोपीपुर (कांगड़ा), 5 नवंबर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हम सत्ता सुख के लिए नहीं आए हैं। बदलाव के लिए कड़े फैसले लेने पड़ते हैं। कड़े फैसलों से कई बार मंत्रियों और विधायकों में नाराजगी हो जाती है। जनता और समाज हित में जब फैसले लिए जाते हैं, तब थोड़े-बहुत विवाद होते हैं। हालांकि, कड़े फैसलों का स्वाद मीठा होता है। फिर दोहराया कि हिमाचल साल 2027 तक आत्मनिर्भर बनेगा और 2032 तक समृद्धशाली राज्य बनेगा। सीएम मंगलवार को देहरा में सीएम कार्यालय के उद्घाटन के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। हमारी सरकार हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रही है। आज हर महत्वाकांक्षी योजना का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रहा है। हम हर वर्ग के उत्थान के लिए मौजूदा जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ अन्य नई योजनाएँ बना रहे हैं ताकि हिमाचल सशक्त और समृद्ध बन सके। कहा कि पौंग बांध विस्थापित जो 40-50 सालों से सरकारी भूमि पर रह रहे हैं, उनकी समस्याओं को हल करने के लिए सरकार प्रयासरत है। बनखंडी में बन रहे जू में पानी की योजना के लिए साढ़े 4 करोड़ स्वीकृत कर दिए गए हैं। कांगड़ा को पर्यटन राजधानी के तौर पर विकसित कर रहे हैं। देहरा में एक बढ़िया होटल बनाने जा रहे हैं, जिसके लिए शीघ्र फंड स्वीकृत होगा। देहरा को पर्यटन की दृष्टि से भी संवारने के लिए 100 करोड़ का प्रोजेक्ट जल्द ही यहां शुरू किया जाएगा। पिछले दिनों केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिलकर मुबारिकपुर से रानीताल तक फोरलेन करने की बात की थी। इसके लिए उन्होंने कंसल्टेंसी बना दी है। जवाली विस क्षेत्र में एक 66 करोड़ के पुल की स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने एक सवाल के जवाब में कहा कि जब मंत्रियों की बैठक होती है तो कई सुझाव मिलते हैं और बजट की

लोक गायिका शारदा सिन्हा का 72 साल की आयु में निधन

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 5 नवंबर। लोक गायिका शारदा सिन्हा का 72 साल की आयु में निधन हो गया। शारदा सिन्हा ने दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली। उनके निधन के बाद बेटे अंशुमान सिन्हा ने कहा, आप सब की प्रार्थना और प्यार हमेशा मां के साथ रहेंगे। मां को छठी मईया ने अपने पास बुला लिया है। मां अब शारीरिक रूप में हम सब के बीच नहीं रहीं। शारदा सिन्हा के निधन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मैथिली और भोजपुरी में अपनी मधुर आवाज देकर शारदा सिन्हा ने अपार लोकप्रियता पाई। उन्होंने कहा, उनका सुमधुर गायन अमर रहेगा। मैं उनके परिवारजन एवं प्रशंसकों के प्रति गहन शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं। बिहार कोकिला के रूप

में प्रसिद्ध गायिका डॉक्टर शारदा सिन्हा जी के निधन का समाचार अत्यंत दुखद है। बिहारी लोक गीतों को मैथिली और भोजपुरी में अपनी मधुर आवाज़ देकर शारदा सिन्हा जी ने संगीत जगत में अपार लोकप्रियता पायी। आज छठ पूजा के दिन उनके मधुर गीत देश-विदेश में भक्ति का अलौकिकज शारदा सिन्हा के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत कई हस्तियों ने शोक जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि मैथिली और भोजपुरी के लोकगीत शारदा सिन्हा की आवाज में रिकॉर्ड किए गए, जो पिछले कई दशकों से बेहद लोकप्रिय रहे हैं। उनका जाना संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। सुप्रसिद्ध लोक गायिका शारदा सिन्हा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। उनके गाए मैथिली और भोजपुरी के लोकगीत पिछले कई दशकों से बेहद लोकप्रिय रहे हैं। आस्था के महापर्व छठ से जुड़े उनके सुमधुर गीतों की गूंज भी सदैव बनी रहेगी। उनका जाना संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। लोकप्रिय लोक और शास्त्रीय गायिका शारदा सिन्हा का नाम बिहार की संस्कृति और आकर्षण से बहुत जुड़ा हुआ है। अचानक तबीयत बिग? जाने पर उन्हें दिल्ली एम्स में लाइफ सपोर्ट के लिए वेंटिलेटर पर रखा गया था। शारदा सिन्हा को कला जगत में अभूतपूर्व योगदान के लिए देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से नवाजा गया था। पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित शारदा सिन्हा के बेटे अंशुमान ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे फोन पर बात कर मां की तबीयत के बारे में जानकारी ली।

बेहद खराब श्रेणी में राजधानी की आबोहवा

नई दिल्ली, 5 नवंबर। छठ पूजा के अवसर पर दिल्ली की हवा जहरीली रहेगी। मौसमी दशाओं के प्रतिकूल होने से अगले दो दिनों में प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में पहुंच सकता है। वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से पार जाने का अंदेशा है। उधर, मंगलवार को लगातार एक्यूआई 370 से ऊपर, बेहद खराब श्रेणी में रहा। हालांकि, सोमवार की तुलना में आठ अंक की कमी दर्ज की गई। सुबह के समय आसमान में स्मॉग की चादर छाई नजर आई। प्रदूषण का स्तर बढ़ने से लोगों को आंखों में जलन व सांस लेने तकलीफ महसूस की गई। इससे लोगों को दूर का देखने में दिक्कत हुई। इसके अलावा मंगलवार की सुबह 6~30 बजे सफदरजंग में दृश्यता 800 मीटर दर्ज की गई। वहीं, आनंद विहार समेत कई इलाकों में एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। एनसीआर में दिल्ली के बाद गुरुग्राम सर्वाधिक प्रदूषित रहा। दिल्ली की हवा समग्र रूप से बेहद खराब श्रेणी में बनी रही। मौसम विभाग के मुताबिक छठ पूजा पर हवा गंभीर श्रेणी में पहुंच सकती है। वहीं, चार नवंबर को दिल्ली में पीएम 2.5 की मात्रा में पराली जलाने से होने वाले रोजाना औसत योगदान लगभग 23.36 फीसदी रहा। विशेषज्ञों के अनुसार, तापमान में अधिक गिरावट होने से दिल्ली गैस चैंबर में तब्दील हो जाएगी। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक मंगलवार को हवाएं विभिन्न दिशा की ओर से चली। इस दौरान हवा की गति 4 से 8 किलोमीटर प्रतिघंटे से रही।

झामुमो-कांग्रेस का संयुक्त घोषणा पत्र जारी

सौरभ शर्मा

रांची, 5 नवंबर। झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के लिए मतदान दो चरणों में कराए जाने हैं। 13 और 20 नवंबर को मतदान होने हैं। ताजा घटनाक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा (छ्वरूरू), कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (ष्टक्करूरू) ने संयुक्त घोषणा पत्र जारी किया है। घोषणा पत्र में सरना धर्म कोड समेत कई बड़े वादे किए गए हैं। सीएम हेमंत ने दो चरणों में चुनाव कराए जाने पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, हमारी सरकार का कार्यकाल अभी एक महीना और बाकी था, लेकिन जाने कौन सी विकट परिस्थिति आ गई कि चुनाव एक महीना पहले ही करवाए जा रहे हैं। आज चुनाव आयोग के आदेशानुसार 2 चरणों में चुनाव हो रहे हैं, जो पहले 5 चरणों में हुआ करते थे। घोषणा पत्र जारी होने के मौके पर कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी मौजूद रहे। झारखंड मुक्ति मोर्चा की तरफ से खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के अलावा राष्ट्रीय जनता दल (क्रञ्जष्ठ), वाम दल और गठबंधन पार्टियों के सहयोगी नेता भी मौजूद रहे। चुनावी घोषणा पत्र को गठबंधन ने न्याय पत्र का नाम दिया है। इसमें सात गारंटियों का जिक्र किया गया है। घोषणा पत्र पर एक वोट सात गारंटी लिखा गया है। सामाजिक न्याय की गारंटी के तहत अनुसूचित जाति (स्ष्ट), अनुसूचित जनजाति (स्ञ्ज) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ह्रक्चष्ट) समेत अल्पसंख्यकों के हितों के संरक्षण का वादा।

पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्रालय के गठन का वादा। खाद्य सुरक्षा गारंटी के तहत सरकार प्रति व्यक्ति सात किलो राशन वितरण करेगी। राज्य के हर गरीब परिवार को 40 रुपये में गैस सिलिंडर दिया जाएगा। रोजगार और स्वास्थ्य सुरक्षा गारंटी के तहत 10 लाख युवक-युवतियों को नौकरी-रोजगार का वादा। 15 लाख रुपये तक पारिवारिक स्वास्थ्य बीमा की गारंटी। शिक्षा की गारंटी के तहत सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज खोले जाएंगे। जिला मुख्यालयों में इंजीनियरिंग-मेडिकल कॉलेज के साथ-साथ विश्वविद्यालयों की स्थापना का वादा। रोजगार के अवसर सुलभ कराने के मकसद से राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में 500-500 एकड़ के औद्योगिक पार्क स्थापित किए जाएंगे। किसान कल्याण गारंटी के तहत सरकार ने किसानों की फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूस्क्क) 2400 रुपये से बढ़ाकर 3200 रुपये करने का वादा। लाह, तसर, करंज, इमली, महुआ, चिरोंजी और साल जैसे बीजों के समर्थन मूल्य में 50 फीसदी बढ़ोतरी की गारंटी। घोषणा पत्र जारी होने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि गठबंधन में शामिल दलों की सरकार बनने पर सरना घर्म कोड, सामाजिक न्याय की गारंटी सुनिश्चित की जाएगी। सरना धर्म कोड के तहत स्थानीय नीति बनाने का वादा भी किया है। सात किलो प्रति व्यक्ति राशन वितरण और 450 रुपये में गैस सिलिंडर दिलाने का दावा भी किया है। बता दें कि इससे पहले भाजपा अपना घोषणा पत्र जारी कर चुकी है।

आतंकवादियों को शरण देने वालों के घरों को ध्वस्त कर दिया जाएगा: मनोज सिन्हा

तेजिन्दर कौर बब्बर

जम्मू, 5 नवंबर। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को चेतावनी दी कि जो लोग आतंकवादियों को शरण देंगे, उनके घर नष्ट कर दिए जाएंगे। उन्होंने लोगों से आतंकवादियों के खिलाफ खड़ा होने का आह्वान किया और कहा कि अगर सुरक्षा बल, केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और लोग एकजुट होकर काम करें, तो एक साल में आतंकवाद को इस क्षेत्र से समाप्त किया जा सकता है। बारामूला जिले में एक कार्यक्रम के दौरान उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा, मैंने बलों को निर्दोषों को नुकसान न पहुंचाने का निर्देश दिया है, लेकिन अपराधियों को किसी भी सूरत में नहीं बख्शा जाएगा। अगर कोई आतंकवादियों को शरण देता है, तो उसके घर को नष्ट कर दिया जाएगा। इस पर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग यह बयान देते हैं कि आतंकवादियों को शरण देने वालों के साथ अत्याचार हो रहे हैं, लेकिन यह अत्याचार नहीं, बल्कि न्याय की मांग है, और यह न्याय लगातार जारी रहेगा। सिन्हा ने कहा कि कुछ लोग जम्मू और कश्मीर में शांति को भंग करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारा पड़ोसी इस काम को बढ़ावा दे रहा है, लेकिन हमें इससे कोई चिंता नहीं है। समस्या उन लोगों से है जो यहां उसके निर्देशों पर काम कर रहे हैं। यदि सुरक्षा बल, प्रशासन और लोग एकजुट हो जाएं तो आतंकवाद यहां एक साल से ज्यादा समय तक नहीं रह सकता। लेकिन अगर लोग आतंकवादियों को शरण देंगे और फिर कहेंगे कि उनके साथ अन्याय हो रहा है, तो यह सही नहीं है। जम्मू और कश्मीर के लोगों से आतंकवाद के खिलाफ खड़ा होने की अपील करते हुए उन्होंने पूछा क्या किसी को यह अधिकार है कि वह उन लोगों को मारे जो इस क्षेत्र में संपर्कता को सुधारने के लिए काम कर रहे थे? वह 20 अक्तूबर को गगांगीर क्षेत्र में एक सुरंग निर्माण स्थल पर आतंकवादियों द्वारा एक स्थानीय डॉक्टर और छह गैर-स्थानीय मजदूरों की हत्या का संदर्भ दे रहे थे। अगर लोग ऐसे तत्वों के खिलाफ खड़े नहीं होते तो यह स्थिति कभी नहीं बदलेगी। मेरा मानना है कि जो लोग केवल औपचारिकता के लिए बयान देते हैं, वे आतंकवादियों से भी बदतर हैं।

कुछ लोगों ने सत्ता के लिए बाल ठाकरे के सिद्धांतों को त्यागा: सीएम शिंदे

मुंबई, 5 नवंबर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के सिद्धांतों को त्यागने के लिए उद्धव ठाकरे पर निशाना साधा और दावा किया कि महा विकास अघाड़ी सरकार लोगों की इच्छा के खिलाफ बनाई गई है। 20 नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों से पहले शंभूराज देसाई के समर्थन में सतारा में एक अभियान रैली में बोलते हुए सीएम शिंदे ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनावों में उनके नेतृत्व वाली शिवसेना की उच्च स्ट्राइक रेट ने साबित कर दिया है कि असली शिवसेना किसकी है। 2022 में शिवसेना को विभाजित करके भाजपा के समर्थन से सरकार बनाने वाले सीएम शिंदे ने कहा, पार्टी को बिक्री के लिए रखा गया था, शिवसेना कार्यकर्ताओं और पार्टी को दबाया गया था। यह देखकर कार्यकर्ता बेचैन हो गए। शंभूराज देसाई मुझसे पूछते थे कि हमें कब कार्रवाई करनी चाहिए। मैंने उनसे सही समय का इंतजार करने को कहा क्योंकि शिकार सामने आ जाएगा। एक बार जब वह आएगा, तो हम कार्रवाई करेंगे। सीएम शिंदे ने दावा किया कि शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की एमवीए सरकार लोगों की इच्छा के खिलाफ बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि शिवसेना और भाजपा ने 2019 के विधानसभा चुनाव एक साथ लड़े थे और अभियान के दौरान बाल ठाकरे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरें प्रमुखता से दिखाई गई थीं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन चुनाव के बाद, आप (उद्धव) कांग्रेस के साथ चले गए। बालासाहेब इसे कभी स्वीकार नहीं करते और इसलिए हमने यह कदम उठाया। सीएम शिंदे ने कहा कि उन्होंने और उनके समर्थकों ने शिवसेना नहीं छोड़ी।

'भारतीय-अमेरिकी वोटों से पड़ेगा फर्क', रिपब्लिकन हिंदू गठबंधन के संस्थापक शलभ शाली कुमार का बयान

एजेंसी

ब्रैम्पटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होने है। कई महीनों से चल रहे इस घमासान का आज खात्मा होने वाला है। मतदान के मद्देनजर व्हाइट हाउस की सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। इसी बीच अमेरिकी उद्योगपति और रिपब्लिकन हिंदू गठबंधन के संस्थापक शलभ शाली कुमार का बयान सामने आया है। जिसमें उन्होंने अमेरिकी चुनाव में भारतीय-अमेरिकी नागरिकों के वोटो के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन दिखाते हुए कहा कि अगर ट्रंप चुनाव जीतते है तो वो भारत और अमेरिका एक मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में भी काम करेंगे। शलभ शाली कुमार ने ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच की दोस्ती की भी सराहना करते हुए कहा कि अगर ट्रंप फिर से चुने जाते हैं, तो अगले चार साल शानदार होंगे। इसके साथ ही उन्होंने कमला हैरिस पर भी आरोप लगाया कि उनकी नीतियां भारत के खिलाफ हैं और कहा कि वे पाकिस्तान को समर्थन देने वाले हैं। कुमार ने अमेरिकी चुनावी में भारतीय-अमेरिकियों वोटरों की महत्व बताया।

हैरिस और ट्रंप ने प्रचार में झोंकी ताकत

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूरी ताकत झोंक दी। दोनों ने मतदाताओं को अपने-अपने तरीके से अपने पाले में खींचने की कोशिश की। अमेरिकी लोकतंत्र के इस महापर्व पर द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार हैरिस ने रविवार को मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में रैली को संबोधित किया। उन्होंने मतदाताओं से एकता बनाए रखने की अपील की। दिलचस्प यह रहा कि उन्होंने यहां अपने प्रतिद्वंद्वी ट्रंप का एक बार भी नाम नहीं लिया। उन्होंने गाजा में युद्ध को समाप्त करने का वादा किया। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया की तुलना में मैकॉन की रैली में सर्वेक्षणों पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने जॉर्जिया की रैली में उत्तरी कैरोलिना में आए तूफान हेलेन के लिए संघीय सरकार की आलोचना की। बाइडेन प्रशासन को प्रवासियों पर आपदा निधि खर्च करने पर घेरा। इस चुनाव में न्यूयॉर्क का 42 ब्रॉड-वे चर्चा के केंद्र में है। यहां निर्वाचन बोर्ड का दफ्तर है। पहले दिन करीब एक लाख 40 हजार लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। संयुक्त राज्य अमेरिका के विभिन्न प्रांतों में करोड़ों मतदाता वोट डाल चुके हैं। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के इलेक्शन लैब ट्रैकर के आंकड़ों के मुताबिक, 6.8 करोड़ से अधिक अमेरिकी अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके हैं।

हैरिस या ट्रंप...कोई भी आए, भारत बना रहेगा खास; अमेरिका के साथ हमारे रिश्ते साझा मूल्यों पर आधारित

ब्रिस्बेन। नाटकीय घटनाक्रमों से भरे इस चुनाव को दुनिया पर दूरगामी असर डालने वाला माना जा रहा है। जाहिर सी बात है भारत भी इस असर से अछूता नहीं रहेगा। ऐसे में सवाल उठता है कि डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस में से भारत के लिए कौन बेहतर हो सकता है। विशेषज्ञों का स्पष्ट मानना है कि कोई भी जीते, हिंद प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण एशिया में उसे अपनी स्थिति मजबूत रखनी है तो भारत के साथ बेहतर संबंध बनाकर रखने होंगे। भारत के लिए भी अमेरिका के साथ बेहतर रिश्ते उसके राष्ट्रीय के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय हितों के लिए अहम होंगे। भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र में सुधार की वकालत करता रहा है। ये तभी संभव है जब अमेरिकी उसके लिए तैयार हो। अमेरिका इसलिए भी अहम है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सबसे बड़ा दानदाता अमेरिका ही है। चाहे वो व्यापार हो, चाहे वो राजनयिक मामले हों, चाहे वो पर्यावरण का मामला हो, चाहे वो जलवायु परिवर्तन हो या चाहे वो आतंकवाद हो, इन सभी मुद्दों पर अमेरिका में जो भी फैसला होता है उसका भारत के साथ ही पूरे विश्व की राजनीति पर असर पड़ता है। सवाल है कि अमेरिका में अगर सत्ता परिवर्तन होता है तो उसका भारत पर क्या असर पड़ेगा। एक तरफ ट्रंप हैं जो भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों के पुराने पक्षधर हैं। उनकी और पीएम मोदी की दोस्ती जगजाहिर है। तो वहीं दूसरी तरफ कमला हैरिस हैं जिनके भारतीय मूल की वजह से भारत के लोग उन्हें ज्यादा करीबी मानते हैं। हालांकि, पिछले कुछ समय में कई चीजों को लेकर भारत और अमेरिका के बीच तल्खी आई है।

राष्ट्रपति चुनाव में व्यस्त हुआ यूएस तो गुर्राया उत्तर कोरिया, मिसाइल दागकर जापान-द. कोरिया को धमकाया

प्योंग्यांग । अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की सरगर्मियां तेज हैं। डेमोक्रेट पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को वोटिंग शुरू होने से पहले जोर-शोर से चुनाव प्रचार में जुटे हैं। इस बीच अमेरिका से करीब 10 हजार किलोमीटर दूर उत्तर कोरिया ने इस मौके के बीच अपने पड़ोसियों को धमकाना जारी रखा है। मंगलवार को ही उत्तर कोरिया की तरफ से छोटी रेंज की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं। इन मिसाइलों से किसी देश को निशाना नहीं बनाया गया, हालांकि यह सभी कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच समुद्र में गिरीं। इसके चलते जापान को अलर्ट तक जारी करना पड़ा। जापान के रक्षा मंत्री ने उत्तर कोरिया की इस हरकत पर बयान भी जारी किया है। उन्होने कहा कि उत्तर कोरिया की सात मिसाइलें करीब 100 किमी की ऊंचाई पाकर 400 किलोमीटर दूर तक गिरीं।

न्यूयॉर्क सिटी मैराथन 55,000 से अधिक फिनिशरों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी मैराथन है!

एजेंसी

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क सिटी मैराथन ने सबसे बड़ी मैराथन का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया, क्योंकि 3 नवंबर को 55,646 एथलीटों ने दौड़ पूरी की, जो बर्लिन मैराथन से आगे निकल गई, जहां सितंबर में 54,280 धावकों ने दौड़ पूरी की थी। आयोजकों ने एक्स पर पोस्ट किया, पहले फिनिशर से लेकर 55,646वें तक। 2024 न्यूयॉर्क मैराथन के फिनिशरों को बधाई, अब आप विश्व इतिहास में सबसे बड़ी मैराथन के रिकॉर्ड धारक हैं। न्यूयॉर्क रोड रनर्स के अनुसार, 56,012 लोगों ने दौड़ शुरू की, जिनमें से 55,646 ने दौड़ पूरी की, जिनमें से 30,795 पुरुष फिनिशर थे, 24,731 महिला फिनिशर और 120 नॉन-बाइनरी फिनिशर थे, जो अब तक की सबसे अधिक महिला और नॉन-बाइनरी फिनिशर हैं। अंतर्राष्ट्रीय धावकों का भी अच्छा प्रतिनिधित्व रहा, जिसमें 17,859 ने सेंट्रल पार्क में लाइन पार की। नीदरलैंड के 35 वर्षीय अब्दी नागीये ने 2:07:39 में अपनी पहली विश्व मैराथन मेजर रेस जीती, जो देश के पहले पुरुष ओपन डिवीजन विजेता बने। केन्या ने पोडियम पर

अपना दबदबा बनाया, जिसमें 2022 के चैंपियन इवांस चेबेट और 2021 के चैंपियन अल्बर्ट कोरिर की जोड़ी दूसरे और तीसरे स्थान पर रही, जिन्होंने 2:07:45 और 2:08:00 का समय लिया। महिलाओं के ओपन डिवीजन में, केन्या की शीला चेपकिरुई ने न्यूयॉर्क सिटी मैराथन में अपने पदार्पण के साथ 2:24:35 के समय के साथ केन्या को जीत दिलाई। 2024 पेरिस ओलंपिक मैराथन की कांस्य पदक विजेता हेलेन ओबिरी 2:24:49 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि हमवतन विवियन चेरुइयोट 2:25:21 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। 1978 के बाद यह पहला मौका था जब किसी एक देश ने महिला ओपन डिवीजन में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीता।

ज्वालामुखी लेवोटोबी फटा, 10 लोगों की मौत

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया में ज्वालामुखी लेवोटोबी के फटने से 10 लोगों की मौत हो गई है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी बीएनपीबी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत में रविवार देर रात ज्वालामुखी लेवोटोबी फट गया था, जिसमें 10 लोग मारे गए। अब्दुल मुहारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, इनमें से नौ शव बरामद किए गए हैं, जबकि एक शव मलबे में फंस गया है।समाचार एजेंसी ने मुहारी के हवाले से बताया कि ज्वालामुखी विस्फोट के कारण बड़े पैमाने पर लोगों को निकाला गया है, जिसमें सात गांवों से 10,000 से अधिक प्रभावित निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मुहारी ने बताया कि स्थानीय निवासियों को ज्वालामुखी के आसपास 7 किलोमीटर के खतरे वाले क्षेत्र में प्रवेश करने से मना किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि लापता व्यक्तियों की तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। हालांकि, उन्होंने लापता लोगों की संख्या नहीं

बताई। मुहारी ने जोर देते हुए कहा, ज्वालामुखी के 7 किलोमीटर के दायरे में सिर्फ बचाव कर्मियों को जाने की अनुमति है, जो लापता पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं। मुहारी ने कहा कि आपातकालीन राहत प्रयासों में मदद के लिए स्थानीय सरकार ने 4 नवंबर से 31 दिसंबर 2024 तक आपात स्थिति की घोषणा की है। इस बीच, बीएनपीबी के प्रमुख और कर्मचारियों के प्रभावित क्षेत्र में सोमवार रात तक पहुंचने की उम्मीद है, जहां वह आपदा प्रतिक्रिया समन्वय प्रयासों का नेतृत्व करेंगे। प्रांतीय आपदा प्रबंधन और मिटिगेशन एजेंसी के विश्लेषक रिचर्ड फेल्ट ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि विस्फोट के कारण रिहायशी इलाकों में आग लग गई है। माउंट लेवोटोबी इंडोनेशिया के 127 सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है।

खुफिया एजेंसियों ने दी जानकारी : अमेरिकी चुनाव में रूसी और ईरानी हस्तक्षेप की चेतावनी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी चुनाव में विदेशी हस्तक्षेप की कोशिशों को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की ओर से एक नई चेतावनी सामने आई है। राष्ट्रीय खुफिया निदेशक का कार्यालय, एफबीआई, और साइबर सुरक्षा और अवसंरचना सुरक्षा एजेंसी ने बताया कि रूस और ईरान, दोनों देश इस बार के चुनाव में हस्तक्षेप के प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए दोनों देश सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाकर अमेरिकी मतदाताओं के मन में संदेह और डर पैदा करने की योजना बना रहे हैं। रूस द्वारा चुनावी हस्तक्षेप का प्रमुख उद्देश्य रूस ने अमेरिका के स्विंग स्टेट्स में मतपत्रों में हेरफेर और साइबर हमलों के आरोपों को बढ़ावा देने के लिए झूठे वीडियो और भ्रामक पोस्ट का सहारा लिया है। इन पोस्टों का मकसद विभाजन को बढ़ावा देना और चुनाव की वैधता को लेकर संदेह पैदा करना है। यह जानकारी एजेंसियों ने जारी की गई चेतावनी में दी। उनके मुताबिक, रूस सोशल मीडिया पर झूठी जानकारी की बाढ़

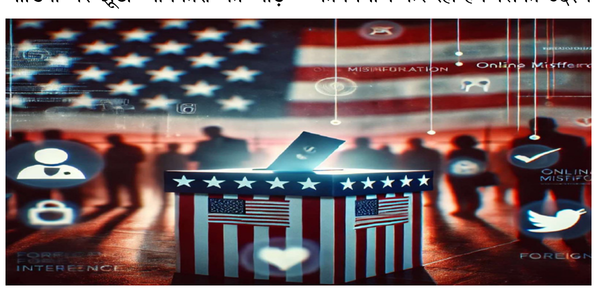

लाकर चुनाव के नतीजों में दखल देने का प्रयास कर रहा है, ताकि चुनाव के प्रति मतदाताओं के विश्वास को कमजोर किया जा सके।ईरान, जो वर्ष 2020 में जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के बाद से अमेरिका के प्रति गहरा असंतोष रखता है, ने भी अमेरिकी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की है। खुफिया एजेंसियों ने कहा कि ईरान, रूस की तरह, नकली मीडिया सामग्री का निर्माण कर रहा है जिसका उद्देश्य मतदान के प्रति अमेरिकी नागरिकों में डर और असमंजस फैलाना है। एजेंसियों के अनुसार, हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर कुछ भ्रामक वीडियो पोस्ट किए गए हैं जिनमें यह दावा किया गया है कि चुनावों में धोखाधड़ी हो रही है। उदाहरण के तौर पर एक वीडियो में झूठा दावा किया गया कि पेंसिल्वेनिया में मतपत्रों को नष्ट किया जा रहा है। एक अन्य वीडियो में यह आरोप लगाया गया कि डेमोक्रेट्स विदेश में रहने वाले एरिजोना के मतदाताओं के मतों में हेराफेरी कर रहे हैं ताकि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को जीत दिलाई जा सके। इसके अलावा, एक अन्य झूठे वीडियो में दावा किया गया कि हिप-हॉप कलाकार शॉन कॉम्ब्स ने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार सुश्री हैरिस और उनके पति को रिश्वत दी है। रूसी हस्तक्षेप का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस का झुकाव रिपब्लिकन उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर है। ट्रम्प द्वारा यूक्रेन को सैन्य सहायता देने पर संदेह और युद्ध को हल करने के उनके वादों ने रूस के लिए अमेरिकी चुनावों में हस्तक्षेप को और आकर्षक बना दिया है।

इमरान खान की जमानत याचिका पर एफआईए को नोटिस

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद हाई कोर्ट ने आज तोशाखाना द्वितीय केस में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जमानत याचिका पर संघीय जांच प्राधिकरण (एफआईए) को नोटिस दिया। अब हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार सुनवाई की अगली तारीख तय करेंगे। एआरवाई के अनुसार, इससे पहले विशेष न्यायाधीश सेंट्रल ने इमरान खान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जबकि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को उसी मामले में जमानत प्रदान की थी। कल एफआईए ने तोशाखाना द्वितीय केस में इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। एफआईए ने याचिका में कहा कि इस्लामाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश के कक्ष में जमानत दी गई और यह सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है।

चीन ने नेपाल के सीमावर्ती नागरिकों के लिए टाइम कार्ड किया अनिवार्य

एजेंसी

काठमांडू। चीन ने नेपाल की उत्तरी सीमा पर रह रहे कोरला नाका के स्थानीय नागरिकों के लिए सीमावर्ती शहर में जाने के लिए टाइम कार्ड की व्यवस्था लागू की है। इससे पहले नेपाली नागरिकों को तीन दिन से एक हफ्ते तक चीन की सीमा के पास के इलाकों में रहने की छूट दी जाती थी लेकिन अब सिर्फ 6 घंटे रहने की अनुमति दी गई है। करीब एक वर्ष पहले तामझाम के साथ नेपाल के मुस्तांग जिले में कोरला नाका का उद्घाटन किया गया था। उस समय चीनी पक्ष ने सिन्धुपलचोक जिला के तातापानी नाका के बाद चीन से व्यापार करने के लिए कोरला नाका को खोले जाने की घोषणा की थी। इस घोषणा के बाद यहां से कभी व्यापारिक कार्य नहीं हो पाया, बल्कि चीन ने स्थानीय लोगों के सीमा पार करने को लेकर पाबंदी को और कड़ा कर दिया है। चीनी पक्ष की ओर से टाइम कार्ड लागू किए जाने से स्थानीय लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

सशस्त्र प्रहरी सीमा सुरक्षा बल के एसपी मणिकर्ण राई ने कहा कि 1 नवंबर से चीनी प्रशासन ने टाइम कार्ड को अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब चीन के सीमावर्ती शहर में जानेवाले नेपाली नागरिकों को सुबह 9 बजे तक ही प्रवेश की अनुमति है और उन्हें हर हाल में दोपहर 3 बजे तक वापस सीमा पार करना होता है। मुस्तांग के कोरला नाका पर रहे नेपाली कस्टम विभाग के अधिकारी शोभकांत पौडेल ने कहा कि मुस्तांग जिले के सीमावर्ती नेपाली नागरिकों का व्यापार चीन के शहर पर ही आश्रित रहता है। ऐसे में सिर्फ 6 घंटे के लिए अनुमति देने से लोगों का काम पूरा नहीं हो पाता है। एक ही काम के लिए नेपाली नागरिकों को बार-बार सीमा पार जाना पड़ता है, जिस पर भी चीनी अधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ता है। लोमानतांग इलाका प्रशासन कार्यालय के प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत जीवन पौडेल ने कहा कि टाइम कार्ड होने के बावजूद नेपाली नागरिकों की सीमा पर कड़ी जांच की जाती है। पौडेल के मुताबिक यदि किसी व्यक्ति के मोबाइल में दलाई लामा की फोटो मिल जाए या कोई व्यक्ति दलाई लामा की तस्वीर वाली लॉकेट पहना मिल जाता है तो उसका टाइम कार्ड छीन लिया जाता है और आगे से चीन के प्रवेश पर प्रतिबंध भी लगा दिया जाता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में आ गई फैसले की घड़ी, हैरिस और ट्रंप का इम्तिहान

एजेंसी

वाशिंगटन/नई दिल्ली। संयुक्त राज्य अमेरिका में अगले चार साल की दिशा तय करने की बहुप्रतीक्षित घड़ी आ गई। यहां मंगलवार सुबह अगले राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए मतदान शुरू होगा। संभावना है देररात यह भी तय हो जाए कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ड्रंप में से कौन व्हाइट हाउस पहुंचेगा। अब देखना यह बाकी है कि अमेरिकी मतदाता अपना अगला पथ प्रदर्शक किसे चुनते हैं। कुल आठ उम्मीदवारों में मुख्य मुकाबला भारतीय मूल की डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस और रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप के बीच है। चुनाव की पूर्व संध्या पर डोनाल्ड ट्रंप ने आगाह किया कि हैरिस जीतीं तो तीसरे विश्वयुद्ध का खतरा है। प्रचार के अंतिम क्षणों में हैरिस ने अश्वेत और अरब मूल के मतदाताओं का दिल जीतने की कोशिश की। संयुक्त राज्य अमेरिका

में हुए ओपिनियन पोल के अनुसार, 60 वर्षीय कमला और 78 वर्षीय ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर है। मतदान की निर्धारित तिथि से पहले 7.7 करोड़ वोटर वैकल्पिक तरीकों से मतदान कर चुके हैं।

इस चुनाव पर नई दिल्ली की भी नजर है। मगर भारत के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु के गांव थुलसेंद्रपुरम में खास उत्साह है। कमला हैरिस के परिवार से गहरे जुड़ाव वाला यह गांव जश्न के माहौल में डूबा हुआ है। गांव को कमला हैरिस के पोस्टरों से सजाया है। उनकी जीत के लिए मंदिर में विशेष प्रार्थना की गई है। कमला हैरिस अगर जीतती हैं तो वह भारत और भारतीय मूल के लोगों के लिए गर्व का बड़ा विषय होगा। करीब 235 वर्ष के राष्ट्रपति चुनाव के इतिहास में पहला मौका होगा जब कोई महिला अमेरिका की राष्ट्रपति बनेगी। थुलसेंद्रपुरम कमला हैरिस के नाना पीवी गोपालन का मूल गांव है। हैरिस की मां श्यामला दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चली गईं। हैरिस कैलिफोर्निया के ओकलैंड में पली-बढ़ीं हैं।

कनाडा में मंदिरों पर हमलों के खिलाफ कनाडाई हिंदुओं ने निकाली विशाल रैली

एजेंसी

ब्रैम्पटन । कनाडा के ब्रैम्पटन स्थित हिंदू सभा मंदिर के बाहर हजारों कनाडाई हिंदू इकट्ठा हुए। उन्होंने कनाडा में हिंदू मंदिरों पर बार-बार हो रहे हमलों का विरोध किया। हाल ही में, इस मंदिर पर खालिस्तानी चरमपंथियों ने हमला किया था।

इस एकजुटता रैली के आयोजकों ने कनाडा के राजनेताओं और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से अपील की कि वे खालिस्तानियों का समर्थन न करें। उत्तर अमेरिका के हिंदुओं के संगठन ने इस घटना की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। संगठन ने बताया कि दीपावली के दौरान कनाडा के कई हिंदू मंदिरों पर हमला हुआ और कनाडा में बढ़ रहे हिंदू विरोध को रोकने की मांग की। एक्स पर एक पोस्ट में, संगठन ने कहा, हिंदू मंदिरों पर बढ़ते हमलों के विरोध में एक हजार से अधिक कनाडाई हिंदू ब्रैम्पटन में एकत्र हुए हैं। कल, पवित्र दीपावली सप्ताहांत के दौरान कनाडाई हिंदू मंदिरों पर हमले किए गए। हम

कनाडा से अब इस हिंदूफोबिया को रोकने के लिए कहते हैं टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में एक भारतीय वाणिज्यिक कैंप पर हिंसक हमले की घटना घटी, जिसमें महिलाओं और बच्चों पर भी हमला किया गया। इस हमले का वीडियो हिंदू कैनेडियन फाउंडेशन नामक संगठन ने साझा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हमले की कड़ी निंदा की और इसे कायराना प्रयास बताते हुए कहा कि भारत कनाडाई अधिकारियों से न्याय और कानून के पालन की उम्मीद करता है। उनके बयान में कहा गया कि ये हिंसक गतिविधियां भारत के दृढ़ संकल्प को कमजोर नहीं कर सकतीं। भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना पर चिंता जताई और कनाडा सरकार से आग्रह किया कि वे पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। भारत कई बार कनाडा में चरमपंथी और भारत विरोधी गतिविधियों पर गहरी चिंता व्यक्त कर चुका है और कनाडा से इन पर कार्रवाई की मांग करता रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर पर खालिस्तानी चरमपंथियों के हालिया हमले की निंदा की और कहा कि सभी कनाडाईयों को अपने धर्म का पालन स्वतंत्रता और सुरक्षा के साथ करने का अधिकार है। उन्होंने इसके लिए पील क्षेत्रीय पुलिस को भी धन्यवाद दिया। पुलिस ने इस हमले से जुड़े तीन संदिग्धों की पहचान की है, जिनमें मिसिसॉगा के 42 वर्षीय दिलप्रीत सिंह बौंस, ब्रैम्पटन के 23 वर्षीय विकास (पूरा नाम अज्ञात) और मिसिसॉगा के 31 वर्षीय अमृतपाल सिंह शामिल हैं।

जस्टिन ट्रूडो सामाजिक और राजनीतिक तौर पर एक 'मूर्ख' – पूर्व कनाडाई मंत्री

एजेंसी

वैंकूवर। ब्रिटिश कोलंबिया के पूर्व प्रीमियर उज्जल दोसांझ ने बढ़ते सिख चरमपंथ को नियंत्रित करने में नाकाम रहने के लिए जस्टिन ट्रूडो की तीखी आलोचना की की। उन्होंने कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री, देश के कुछ अन्य राजनेताओं की तरह, चुनावों में संतुलन बनाने के लिए 'सिख वोट' को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहे हैं।

दोसांझ ने कनाडा के नेशनल पोस्ट को दिए इंटरव्यू में कहा, ÷सामाजिक और राजनीतिक रूप से ट्रूडो एक मूर्ख हैं, और आप वास्तव में मुझे उद्धृत कर सकते हैं। मुझे परवाह नहीं है। वह यह समझने के लिए मूर्ख हैं कि राष्ट्रों का, देशों का निर्माण कैसे किया जाता है। यह इंटरव्यू उस दिन प्रकाशित हुआ, जिस दिन खालिस्तानी चरमपंथियों ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में हिंदू भक्तों पर हमला किया। पूर्व पीएम पॉल मार्टिन की लिबरल सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे दोसांझ ने

खालिस्तानी अलगाववादी आंदोलन को इस हद तक हवा देने के लिए ट्रूडो को दोषी ठहराया। उनके मुताबिक यह कनाडा की एक बड़ी समस्या बन गई है। दोसांझ ने कहा, ट्रूडो कभी नहीं समझ पाए कि सिख बहुसंख्यक काफी धर्मनिरपेक्ष है। खालिस्तानी बहुसंख्यक नहीं हैं। तथ्य यह भी है कि डर की वजह से कोई भी उनके खिलाफ नहीं बोलता। खालिस्तानी समर्थक कनाडा में कई गुरुद्वारों को नियंत्रित करते हैं। यह ट्रूडो की गलती है जिसकी वजह से कनाडाई अब खालिस्तानियों को सिखों के बराबर मानते हैं, जैसे कि अगर हम सिख हैं तो हम सभी खालिस्तानी हैं। पंजाब में जन्मे और वैंकूवर में बसे दोसांझ कहते हैं कि सिखों की साइलेंट मेजोरिटी खालिस्तान से कोई लेना-देना नहीं रखना चाहती।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

इजराइल के हमले से तबाह गाजा के मुद्दे पर हमास व फतह करीब आए

एजेंसी

गाजा। इजराइल के हमले से तबाह गाजा के मसले पर आतंकवादी संगठन हमास और फिलिस्तीन का राजनीतिक व सैन्य संगठन फतह करीब आए हैं। हमास ने मिस्र की राजधानी काहिरा में फतह के नेताओं के साथ गाजा से संबंधित मसलों के प्रबंधन के लिए एक समिति बनाने पर चर्चा की। चाइना डेली की खबर में यह जानकारी दी गई। खबर के अनुसार, हमास नेता ओसामा हमदान ने एक वीडियो संबोधन में सोमवार में कहा, विभिन्न फिलिस्तीनी गुटों से चर्चा के बाद हमने मिस्र के आह्वान पर फतह के अपने भाइयों के साथ बैठक की। हमदान ने कहा, इस दौरान गाजा में युद्ध और फिलिस्तीनी आम सहमति के आधार पर एकीकृत राष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया। हमास नेता हमदान ने कहा कि फिलिस्तीनी मामलों का प्रबंधन चाहे गाजा में हो या वेस्ट बैंक में, उसे राष्ट्रीय समझौते के माध्यम से निर्धारित किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि यह पहली बार है कि गाजा में युद्ध के बाद की व्यवस्था पर चर्चा के लिए हमास और फतह के बीच बैठक की आधिकारिक घोषणा की गई है। इससे पहले शनिवार को मिस्र के एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा था कि फतह और हमास के प्रतिनिधि काहिरा में बातचीत कर रहे हैं। फतह, अरब फिलिस्तीनियों का राजनीतिक और सैन्य संगठन है। इसकी स्थापना 1950 के दशक के

अंत में हुई। इसके माध्यम से यासिर अराफात और खलील अल-वजीर (अबू जिहाद) का उद्देश्य कम तीव्रता वाले गुरिल्ला युद्ध के माध्यम से इजरायल के नियंत्रण से फिलिस्तीन को छीनना था। बाद में अराफात व उनके साथी अब्बास जैसे लोग दूसरे संगठन में चले गए। शुरुआत में इस संगठन को जॉर्डन और लेबनान से सहयोग मिला। 1968 में यह संगठन फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन में मिल गया। फतह वेस्ट बैंक के 40 फीसदी हिस्से पर काबिज रहा है। आतंकवादी समूह हमास क्रूरता के लिए बदनाम है। यह संगठन इजराइल के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध और फिलिस्तीनी राज्य के निर्माण के लिए प्रतिबद्धता दोहराता है। यह समूह इजराइल के साथ कई दौर के हिंसक संघर्ष में शामिल रहा है। हालिया संघर्ष 7 अक्टूबर, 2023 से शुरू हुआ। हमास को करीब से देखने वाले मानते हैं हमास का दीर्घकालिक लक्ष्य फिलिस्तीन में अकेले राज करना है।

राष्ट्रपति चुनाव ही नहीं, अमेरिका में सांसद बनने की रेस में भी कई भारतवंशी

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान शुरू हो जाएगा। जहां पूरी दुनिया की नजरें इस वक्त अमेरिका में कमला हैरिस बनाम डोनाल्ड ट्रंप की जंग पर है, वहीं अमेरिकी नागरिकों को इन चुनावों में कई सांसदों को भी चुनना है। दरअसल, अमेरिका में हर दो साल में संसद के निचले सदन-हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और उच्च सदन- सीनेट की कुछ सीटों पर चुनाव होते हैं। 2024 में भी राष्ट्रपति चुनाव के साथ संसदीय चुनाव होने हैं। जहां राष्ट्रपति चुनाव में इस बार भारतीय मूल की कमला हैरिस मुकाबले में हैं, वहीं नौ से ज्यादा भारतवंशी संसदीय चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। अमेरिका में फिलहाल जिन नौ भारतीयों ने संसदीय चुनाव में दांव लगाया है, उनमें से अधिकतर हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में सीट के लिए मैदान में हैं।

भारत औपनिवेशिक मानसिकता त्याग रहा है: धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोक प्रशासन में प्रौद्योगिकी को अपनाने, इसे समावेशी बनाने और 'अंत्योदय' से प्रेरित होने पर जोर देते हुए कहा कि भारत औपनिवेशिक मानसिकता त्याग रहा है। श्री धनखड़ ने यहां भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की आम सभा की 70वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत तेजी से औपनिवेशिक मानसिकता को त्याग रहा है। औपनिवेशिक विचारों को चुनौती दी रही है। उन्होंने कहा, भारतीय लोक प्रशासन में भारतीय विशेषताएं होनी चाहिए जो औपनिवेशिक मानसिकता से दूर हो और स्वतंत्रता के बाद हमारी आकांक्षाओं के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि अब पहले के औपनिवेशिक विचारों और प्रतीकों को चुनौती दी जा रही है। उन्होंने कहा, 'किंग्स वे' अब 'कर्तव्य पथ' बन गया है और 'रेस कोर्स रोड' 'लोक कल्याण मार्ग' बन गया है। नेताजी अब उस छत्र पर खड़े हैं जहां कभी किंग जॉर्ज की प्रतिमा हुआ करती थी। भारतीय नौसेना के ध्वज में हमारा तिरंगा शामिल कर दिया गया। औपनिवेशिक काल के 1500 कानून अब कानून की किताब में नहीं हैं। नए आपराधिक कानून - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम - ने भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली को औपनिवेशिक विरासत से मुक्त कर दिया है।

प्रदूषण पर पर्यावरण मंत्री करेंगे समीक्षा बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रदूषण के खिलाफ सभी संबंधित विभागों द्वारा किए गए कार्यों को लेकर दिल्ली सचिवालय में समीक्षा बैठक बुलाई है। बैठक में विंटर एक्शन प्लान की घोषणा के बाद विभागों द्वारा अभी तक किये गए कार्यों की समीक्षा जायेगी। गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण से संबंधित ग्रीन दिल्ली ऐप पर मिली लगभग 88 प्रतिशत शिकायतों का निपटारा कर चुकी है। ऐप के माध्यम से अभी तक 81,418 शिकायतें आई, जिनमें से 71,558 से ज्यादा शिकायत दूर हुई हैं। ग्रीन दिल्ली ऐप के माध्यम से दिल्ली का कोई भी नागरिक प्रदूषण संबंधी शिकायत कर सकता है, जिसके आधार पर कार्रवाई की जाती है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि एंटी रोड डस्ट अभियान के सभी दर्ज आंकड़ों पर भी ग्रीन वॉर रूम की टीमें कड़ी निगरानी बना रही हैं, जिनके आधार पर सभी विभागों की तैनात टीमें उचित कदम उठा रही हैं। उन्होंने कहा कि ग्रीन दिल्ली ऐप पर आई शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के लिए सभी सम्बंधित विभागों को निर्देश दिए गए है। दिल्ली के सभी निवासियों से अपील है कि ज्यादा से ज्यादा इस ऐप को डाउनलोड कर, वह दिल्ली के प्रदूषण को कम करने कि मुहिम में सरकार के साथ जुड़े और दिल्ली को एक स्वच्छ शहर बनाने में सरकार की सहायता करें।

प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस में बदमाशों ने चलाई गोली

नई दिल्ली। दिल्ली में गैंगस्टर द्वारा आए दिन कहीं भी कभी भी व्यापारियों पर फायरिंग कर रंगदारी मांगने का सिलसिला जारी है। ताजा मामला दिल्ली के अलीपुर थाना इलाके के बूढ़पुर गांव का है। जहां पर बाइक सवार बदमाशों ने एक प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस में करीब 7 से 8 राउंड फायरिंग की और मौके से फरार हो गए। अलीपुर थाना पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है कि क्या यह फायरिंग भी किसी रंगदारी से जुड़ी हुई है या कोई आपसी रंजिश में यह फायरिंग करवाई गई है। पुलिस के मुताबिक सोमवार दोपहर करीब तीन बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक प्रॉपर्टी डीलर के ऑफिस पर बदमाशों ने गोली चलाई है। खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मौके से कारतूस के खाली खोल बरामद किए। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

बस मार्शलों और सिविल डिफेंस कर्मियों की बहाली की मांग को लेकर भाजपा ने किया सीएम आवास का घेराव

नई दिल्ली। दिल्ली में बस मार्शलों और सिविल डिफेंस कर्मियों की बहाली की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में आज पार्टी नेताओं ने मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया। इस प्रदर्शन में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता और भाजपा के अन्य नेता भी मौजूद रहे। इस अवसर पर वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आज हम दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी से एक सवाल पूछने आए हैं। उपराज्यपाल ने बस मार्शलों और सिविल डिफेंस कर्मियों को एक नवंबर से नियुक्त करने का निर्देश दिया है लेकिन आज चार तारीख हो गई है और आआपा सरकार उनकी बहाली नहीं कर रही है। इसलिए हमें मुख्यमंत्री आवास पर आना पड़ा।सचदेवा ने कहा कि हमारे पास अरविंद केजरीवाल के जिस आदेश से बस मार्शलों को बर्खास्त किया गया, उसकी कॉपी है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि केजरीवाल ने उन्हें क्यों हटाया? भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री आतिशी से हमारी केवल एक मांग है कि उपराज्यपाल के आदेश के बाद सभी मार्शल और सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स की बहाली का आदेश दिया जाए। सचदेवा ने कहा कि 10 हज़ार से ज़्यादा बस मार्शल्स एवं सिविल डिफेंस कर्मियों के घरों में इस बार दिवाली नहीं मनाई गई जबकि आतिशी मार्लेना अपने आकाओं के साथ दिवाली मना रही थीं।

कनाडा में हिन्दू मंदिर को निशाना बनाने की प्रधानमंत्री मोदी ने की निंदा, कहा- हिंसा भारत के संकल्पको कमजोर नहीं कर सकती

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कनाडा के ब्रैम्पटन में हिन्दू मंदिर पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि कनाडा सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी। साथ ही उन्होंने कहा है कि हिंसा के ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी उतनी ही भयावह हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं करेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि कनाडाई सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और कानून का शासन कायम रखेगी।इससे पहले भारत ने ओंटारियो (कनाडा) के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में रविवार को खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा की गई हिंसा की निंदा की और उम्मीद जताई है कि हिंसा करने वालों पर कार्रवाई होगी। भारत ने कनाडा में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है और कनाडा सरकार से सभी के पूजा स्थलों को

हमलों से बचाने का आह्वान किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने मीडिया के प्रश्नों के जवाब में कहा कि हम रविवार को ओंटारियो के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में चरमपंथियों और अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा की निंदा करते हैं। हम कनाडा सरकार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं कि सभी पूजा स्थलों को ऐसे हमलों से बचाया जाए। हम यह भी उम्मीद करते हैं कि हिंसा में शामिल लोगों पर कार्रवाई की जाएगी। हम कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित है। भारतीयों और कनाडाई नागरिकों को समान रूप से सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारे कांसुलर अधिकारियों की पहुंच को धमकी, उत्पीड़न और हिंसा से रोका नहीं जा सकता। उल्लेखनीय है कि टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के साथ मिलकर आयोजित वाणिज्य दूतावास शिविर के बाहर भारत विरोधी तत्वों ने रविवार (3 नवंबर) को हिंसक व्यवधान पैदा किया था। 2-3 नवंबर को वैंकूवर और सरे में आयोजित इसी तरह के शिविरों को भी बाधित करने का भी प्रयास किया गया था। हालांकि, रविवार को ब्रैम्पटन में एक हिंदू मंदिर में खालिस्तानी चरमपंथियों के हिंसक प्रदर्शन के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। विरोध प्रदर्शन के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जिससे एक अधिकारी को मामूली चोटें आईं। फिलहाल, स्थानीय पुलिस ने किसी की पहचान उजागर नहीं की है।

भारतीय दूतावास की ओर से जारी वक्तव्य में कहा गया था कि नियमित वाणिज्य दूतावास कार्य के लिए इस तरह के व्यवधानों को अनुमति देना बेहद निराशाजनक है। हम आवेदकों की सुरक्षा के लिए भी बहुत चिंतित हैं, जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं, जिनकी मांग पर इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। इसमें आगे कहा गया कि भारत विरोधी तत्वों के प्रयासों के बावजूद वाणिज्य दूतावास भारतीय और कनाडाई आवेदकों को एक हजार से अधिक जीवन प्रमाण-पत्र जारी करने में सक्षम रहा। दूतावास ने कहा कि अगर ऐसे व्यवधानों के कारण किसी शिविर का आयोजन करना संभव नहीं होता तो उन सेवाओं को प्रदान करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। यह दुर्भाग्य ही होगा कि इससे इन सेवाओं के स्थानीय उपयोगकर्ताओं को असुविधा पहुंच सकती है।

वायु सेना का मिग-29 विमान दुर्घटनाग्रस्त

एजेंसी

नई दिल्ली। वायु सेना का मिग-29 लड़ाकू विमान तकनीकी खराबी के कारण आगरा के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया जबकि विमान का पायलट समय रहते पैराशूट की मदद से सुरक्षित बच निकलने में सफल रहा।

वायु सेना के प्रवक्ता के अनुसार विमान नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था। पायलट को जैसे ही विमान में तकनीकी खराबी का पता चला उसने विमान को ऐसी जगह पर उतारने की सफल कोशिश की जिससे कि जमीन पर जानमाल का नुकसान न हो। इसके बाद पायलट पैराशूट की मदद से सुरक्षित बच निकलने में सफल रहा। प्रवक्ता ने कहा कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दिये गये हैं।

इस विमान ने पंजाब के आदमपुर वायु सेना स्टेशन से आगरा के लिए उडान भरी थी।

कनाडा सरकार को असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए - तारिक अनवर

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने बातचीत की। उन्होंने कनाडा के ब्रैम्पटन हिंदू मंदिर और श्रद्धालुओं पर हुए हमले सहित अन्य मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस सांसद ने कनाडा ब्रैम्पटन हिंदू मंदिर और श्रद्धालुओं पर हुए हमले पर कहा है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है खासकर कनाडा जैसे प्रगतिशील और विकसित देश में, यहां ऐसी घटनाएं देखना, खासकर ऐसे देश से जो धर्मनिरपेक्ष होने का दावा करता है। उन्होंने कहा, स्थानीय प्रशासन और वहां के प्रधानमंत्री ने इस हमले की निंदा की है। हमें उम्मीद है कि कनाडा सरकार इन मुद्दों पर ध्यान देगी और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने जमीयत प्रमुख अरशद मदनी की चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार से जेपीसी को लेकर की गई अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ÷मदनी साहब ने अपील की है, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि यह कितनी सफल होगी। हम यह भी मानते हैं कि यह उन लोगों के लिए परीक्षा की घड़ी है, जो खुद को धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दल कहते हैं। जेपीसी में उनका क्या रुख रहता है, उसके आधार पर उनकी असली मंशा सामने आ जाएगी।पीडीपी के एक विधायक द्वारा आर्टिकल 370 हटाने के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा में प्रस्ताव लेकर आए हैं। इस पर जब उनसे प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा, पीडीपी का तो शुरू से इस पर स्टैंड रहा है। हालांकि विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी से बहुत ही कम विधायक चुन कर आए हैं। उनकी पार्टी के तरफ से प्रस्ताव लाया गया है। बाकी सरकार पर निर्भर करता है और दूसरे दल पर निर्भर करता है कि वह इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं या फिर विरोध करते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा झारखंड में भाजपा की सरकार बनने के बाद बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर का रास्ता दिखाने और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा बांग्लादेश की प्रधानमंत्री को भारत में शरण देने के सवाल पर कांग्रेस सांसद ने कहा, सोरेन ने बिल्कुल सही कहा कि एक तरफ तो आप वहां के पूर्व प्रधानमंत्री को शरण दे रहे हैं, दूसरी तरफ बांग्लादेशियों को हटाने की बात करते हैं। अनवर ने कहा, गृहमंत्री से सवाल करना चाहते है।

भारत दुनिया में विश्वसनीय भागीदार 'विश्व-बंधु' के रूप में कार्य करने का इच्छुक : जनरल चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि भारत बदलती भू राजनीतिक परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारियों को समझता है और दुनिया में विश्वसनीय भागीदार 'विश्व-बंधु' के रूप में कार्य करने का इच्छुक है। जनरल अनिल चौहान ने 31 अक्टूबर से 03 नवंबर तक अल्जीरिया की आधिकारिक यात्रा पर एक उच्च स्तरीय भारतीय सैन्य प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। यात्रा के दौरान एक कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। यह यात्रा भारत-अल्जीरिया संबंधों को मजबूत करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा थी। हाल के वर्षों में विशेषकर व्यापार, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और रक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ता देखा गया है।एक महत्वपूर्ण कदम में, जनरल अनिल चौहान और उनके समकक्ष अल्जीरियाई सेना के प्रमुख जनरल सईद चनेग्रिहा ने भारत और अल्जीरिया के बीच रक्षा सहयोग में एक महत्वपूर्ण ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह ज्ञापन न केवल द्विपक्षीय सैन्य सहयोग में एक कदम आगे बढ़ने के साथ साथ विभिन्न क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग की नींव भी रखता है। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष अल्जीरिया की गौरवशाली क्रांति की 70वीं वर्षगांठ पर 01 नवंबर की सैन्य परेड और कार्यक्रमों में भी शामिल हुए। जनरल चौहान ने हायर वॉर कॉलेज के निदेशक के साथ बातचीत की और वहां की सेना के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित किया। उन्होंने समान मूल्यों और सिद्धांतों पर आधारित बंधन को बढ़ावा देते हुए दोनों देशों के साझा इतिहास को रेखांकित किया। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने अपनी वैश्विक आकांक्षाओं में अल्जीरिया और भारत दोनों के भूगोल के लाभ पर प्रकाश डाला और कहा, ÷ किसी राष्ट्र का मुख्य रणनीतिक दृष्टिकोण उसके भूगोल और ऐतिहासिक अनुभव से आकार लेता है। उन्होंने वैश्विक संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान करते हुए कहा, भारत हमेशा वैश्विक संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करता है। भारत ने अल्जीरिया में अपनी रक्षा विंग को फिर से स्थापित किया है और भारत में अल्जीरिया की रक्षा विंग को फिर से ...

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुव्वकिल श्री बुद्धि नायक पुत्र अजीब नायक निवासी मकान नं0 एस-180/221, भीम बस्ती, जौनापुर, दिल्ली, आया नगर, साऊथ दिल्ली, दिल्ली-110047, ने अपने पुत्र अतुल नायक, पुत्रवधू श्रीमति योगिता नायक तथा पोते हर्ष नायक को उनके उनके गलत आचरण, दुर्व्यवहार करने व नियंत्रण से बाहर होने के कारण उनसे अपने सभी पारिवारीक सम्बन्ध विच्छेद करते हुए उपरोक्त तीनों पुत्र व पुत्रवधू एवं पोते को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है आज के बाद मेरे मुव्वकिल उनके किसी भी अच्छे-बुरे कार्य के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Rashmita Nayak Advocate
Chamber No.317 Lawyers Block Saket Court Complex New Delhi-110017

NAME CHANGE

I, PIRAJI father of NO-15330667F Rank-HAV Name-S NAGNATH residing at VPO-PALSI, TEH-MUDHOL, DIST-NIRMAL, TELANGANA-504103 have changed my name from PIRAJI to PIRAJI SILEWAR for all future purposes, in my son□s service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1948 vide affidavit dated 05/11/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, TARA JAIN /TARA MANI W/O SHRI PARAS MAL DOSHI R/O D-225, JHILMIL COLONY, NEAR COMMUNITY CENTER, DELHI-110095 have changed my name to TARA MANI DOSHI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Vasundhra Singh Bhati W/O Rutajeet Mukherjee D/O Ravinder Singh Bhati R/O- C-3/11, FLAT NO-2, S.D.A. HAUZ KHAS, SOUTH DELHI-110016 have changed my name to Vasundhara Singh Bhati for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

I, PRIYANKA DABHI W/o KULDEEP SOOD R/o 1130/2, Sector 3D, Gandhi Nagar, Gujarat - 382006 has embraced Sikhisam and renounced Hinduism on 03.11.2024. In future my name will be considered as PRIYANKA KAUR and not PRIYANKA DABHI.

NAME CHANGE

I, Asha Singh W/O Tripurari Prasad Singh R/O H. No-55, Savitri Nagar,Savitri Nagar, South Delhi, Delhi - 110017, have Changed the name of my minor Son namely Ayush Anand aged 14 years and he shall hereafter be known as Ayush Singh

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I,Rajendra Kumar Dwivedi, S/O Shiv Prasad Dwivedi, R/O C-184, Pocket VII, Kendriya Vihar II, Sector 82, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201304, declare that name of mine and my father has been wrongly written as 'Rajendra Kumar' and 'Shiv Prasad' in my 12th class educational document,The actual name of mine and my father are 'Rajendra Kumar Dwivedi' and 'Shiv Prasad Dwivedi.which maybe amended accordingly.

NAME CHANGE

I, No-4592519P Rank-SEP Name-ANURAG K T K residing at VILL-AYANCHERI, PO-PONMERI PARAMBIL, TEH-VADAKARA, DIST-KOZHIKODE, KERALA-673542 have changed my father□s name from REMESAN K T K to RAMESAN for all future purposes vide affidavit dated 05/11/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Rajendra Kumar Dwivedi, S/O Shiv Prasad Dwivedi, R/O C-184, Pocket VII, Kendriya Vihar II, Sector 82, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201304, declare that name of mine and my father has been wrongly written as 'Rajendra Kumar' and 'Late Shiv Prasad' in my graduation degree documents, The actual name of mine and my father are 'Rajendra Kumar Dwivedi' and 'Shiv Prasad Dwivedi .which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Sheeba Rahman W/O Sami Ur Rahman D/O Taufiq Ahmad R/O- K-405 Express Park View -2, Sector Chi V, Greater Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttarpradesh - 201310 have changed my name to Sheeba Taufiq for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Tehsina Parveen W/o Aminuddin R/o 3085, Third Floor, Partap Street, Darya Ganj, Delhi-110002 have changed my name to Taseena.

NAME CHANGE

I, ALAUDDIN SARKAR S/o ABDUL AJIJ SARKAR R/o 347, Gali No.22, Zakir Nagar, Jamia Nagar, New Delhi-110025, declare that name of mine, my wife and my minor son has been wrongly written as MOHD ALAUDDIN, SHABINA YASMEEN and MOHD SHAKIB SYHAB in my minor son MOHD SAQIB SHIHAB SARKAR aged 13 years in his school records. The actual name of mine, my wife and my minor son are ALAUDDIN SARKAR, SABINA YASMIN and MOHD SAQIB SHIHAB SARKAR, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्री किशन लाल मुंजाल, कृष्णा पार्क, देवली रोड, खानपुर, नई दिल्ली-110062 में स्थित, खसरा नंबर 584 में से 160 वर्ग गज की फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति संख्या ए-30-31 के मालिक हैं, जो दिनांक त्याग विलेख के आधार पर है। 18.03.2024 दस्तावेज़ संख्या 2024/7/I/2114, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 6452, पृष्ठ संख्या 61-80 पर, दिनांक 23.03.2024, एसआर-साउथ हौज़ खास, नीचे उल्लिखित श्रृंखला दस्तावेजों में उपलब्ध नहीं है यानी एसएमसी स्वर्गीय श्री नारायण दास मुंजाल की अब हमारे ग्राहक घोषणा कर रहे हैं कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्रीमती बबली के नाम से बिकने जा रही है और वही संपत्ति पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा सेक्टर -2 द्वारा वित्तपोषित है नोएडा, उत्तर प्रदेश। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारऋस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE

I, Sudhir S/o Dharambir R/o House Number-930, Sector-45, Gurgaon, Haryana-122001 Have Changed My Name To Sudhir Bihan for all Future Purpose.

NAME CHANGE

I, JESSY RAJAN ABRAHAM wife of RAJAN ABRAHAM residing at E-2, TOWER-2, TYPE-4, N B C C, KIDWAI NAGAR, DELHI-110023 have changed my name to JESSY RAJAN for all future purpose

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that Mrs. Kalpana Devi is the owner of Land area measuring 60 sq. yards., i.e., 50.166 sq. meters., out of Khasra no. 227Ka situated at village Noornagar, Ghaziabad Tehsil & Distt. Ghaziabad through Sale Deed dated 10.11.2020 regd. as doc. No. 9229 executed by Mr. Vinod Kumar in favour of Mrs. Kalpana Devi in respect of said Property. Mrs. Kalpana Devi is in the process of mortgaging the said property with SMFG India Credit Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Credit Co. Ltd.). Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting.

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at
Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683, E-mail: accounts@lvnorth.in

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Ramesh Kumar Sharma S/O Bansi Lal Sharma R/O T-418/1, Third floor, Near Hil Marg , Baljeet Nagar, Patel Nagar, West Central Delhi, Delhi - 110008, declare that name of my mine and my wife has been wrongly written as Ramesh Sharma and Usha Sharma in my minor daughter namely Khushi Sharma aged 17 years in her 10th class educational documents. The actual name of mine and my wife are Ramesh Kumar Sharma and Usha Devi Sharma

PUBLIC NOTICE

THE PUBLIC AT LARGE TAKE NOTICE THAT MY CLIENTS SMT. KRISHNA DEVI AND SH. RAMESH KUMAR, R/O E-35/36, VILLAGE MANGLAPURI, PALAM COLONY, NEW DELHI-110045 HEREBY DISINHERIT HER SON YOGESH KUMAR AND DAUGHTER-IN-LAW YASHODHA W/O SH. YOGESH KUMAR FROM ALL THEIR PROPERTIES MOVABLE AND IMMOVABLE BECAUSE OF THEIR BAD CHARACTER AND UNCONTROLLABLE BEHAVIOR. THE SAID PERSONS WOULD THEREFORE. BE NO LONGER SON & DAUGHTER-IN-LAW OF MY CLIENTS, THE SAID SON & DAUGHTER-IN-LAW WILL NOT INHERIT ANY PROPERTY OF MY CLIENTS WHILE ALIVE OR AFTER THE DEATH OF MY CLIENTS, MY CLIENTS SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY QUARREL, CRIMINAL/CIVIL CASE, OR OTHER ACTS OF HIS FAMILY MEMBERS AND RELATIVES OR FOR ANY DEBTS INCURRED BY THEM

KAMAL SINGH Advocate
CHAMBER NO. 628, 6TH FLOOR LAWYER'S CHAMBER BLOCK, DWARKA DISTRICT COURT, SEC-10, DWARKA, NEW DELHI-75

NAME CHANGE

I Suresh Kumar Luthra S/O Chanan Lal R/O C-154, Near Clock Tower, Hari Nagar, North West Delhi - 110064 have changed my name to Suresh Kumar for all future purposes

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री जितेश भगत, श्री किशन भगत, और श्रीमती रजनी भगत निर्मित फ्लैट संख्या 378 प्रथम तल, श्रेणी-SFS, स्थित ब्लॉक-B, पॉकेट-5 सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली में स्थित है को श्री संदीप रावड़ से खरीदने का इरादा रखते हैं। उक्त संपत्ति को श्रीमती कमलेश रावड़ ने DDA से कन्वेयेंस विलेख (Conveyance Deed) के माध्यम से 26.10.2012 को खरीदा था। इसके बाद, श्रीमती कमलेश रावड़ का निधन 26.08.2019 को हुआ, और उनके पति श्री सूर्या प्रकाश रावड़ का निधन पहले ही 26.01.2010 को हो चुका था । जिसके बाद उनके वैध उत्तराधिकारी (1) श्रीमती पूनम सहाई (बेटी) और (2) श्री संदीप रावड़ (पुत्र) हैं। इसके बाद, श्रीमती पूनम सहाई ने 19.05.2022 को एक त्याग पत्र (Relinquishment Deed) के माध्यम से उक्त संपत्ति अपने हिस्से को श्री संदीप रावड़ के पक्ष में छोड़ दिया। यह संपत्ति/फ्लोर ऋब्बरबैंक, शाखा त्तक्क 3, त्तस्त्र पिटामपुरा रोड, दिल्ली-110034 द्वारा वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE

This is to inform the general public that Smt. Vandana Shrivastav is the owner of Property Bearing No. SC-308 area measuring 153.45 Sq. Mtrs., Situated at Block- C, Shastri Nagar, Ghaziabad Tehsil & Distt- Ghaziabad U.P. through Gift Deed Dated 06.11.2009 regd. as doc. No. 4459 executed by Smt. Shanti Devi Shrivastav in favour of Smt. Vandana Shrivastav in respect of the said Property. The above-said owner has misplaced the (1) Original Allotment Letter and Possession Letter issued by GDA in favour of Sh. Avinash Chandra in respect of the said property. (2) Original GPA, ATS and Will Dated 20.02.1991 executed by Sh. Avinash Chandra in favour of Sh. Daya Shankar Parshad in respect of the said property. (3) Original Sale Deed Dated 19.04.2000 executed by GDA in favour of Sh. Avinash Chandra Through GPA Sh. Daya Shankar Parshad in respect of the said Property No. SC-308 area measuring 153.45 Sq. Mtrs. (4) Original Sale Deed Dated 25.04.2000 executed by Sh. Daya Shankar Parshad in favour of Smt. Shanti Devi Shrivastav in respect of the said Property No. SC-308 area measuring 153.45 Sq. Mtrs. Application No.- 20240000880545, also registered at P.S. Police Computer Center, Technical Services, HQ Lucknow on dated 05.11.2024. Anyone who finds the above-mentioned documents, kindly handover the same to the Manager of Tata Capital Ltd., F12 1st Floor| Dasmesh Niwas| Preet Vihar Vikas Marg| New Delhi| 110092. Smt. Vandana Shrivastav is in the process of mortgaging the said property with Tata Capital Ltd. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 07 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 07-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client. If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 07-days period by contacting.

Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at
Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683, E-mail: accounts@lvnorth.in

नाइजीरिया के एनएसए ने अजीत डोभाल से की मुलाकात

नई दिल्ली, 5 नवंबर। नाइजीरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नुहू रिबाडू ने चार और पांच नवंबर को भारत का दौरा

किया। इस दौरान उन्होंने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। दोनों अधिकारियों के आतंकवाद के खिलाफ भारत और नाइजीरिया के सहयोग को लेकर बात की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि नाइजीरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नुहू रिबाडू भारत के एनएसए अजीत डोभाल के निमंत्रण पर ही दिल्ली आए थे। इस दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने आतंकवाद, उग्रवाद, कट्टरपंथ, साइबर स्पेस के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय अपराध, हथियारों और नशीली दवाओं की तस्करी को रोकने को लेकर बात की। साथ ही इन मुद्दों पर भारत-नाइजीरिया साझेदारी के तहत मिलकर काम करने पर चर्चा की। इसके अलावा दोनों अधिकारियों ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई को बढ़ाने के लिए सहयोग को लेकर बात की। दोनों ने कहा कि किसी भी रूप या अभिव्यक्ति में आतंकवाद को उचित नहीं ठहराया जा सकता। वे द्विपक्षीय क्षमता निर्माण में सहयोग बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए। इसके बाद नाइजीरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने मानेसर स्थित राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के परिसर का भी दौरा किया। हाल ही में अमेरिका के सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भारत के एनएसए अजीत डोभाल से फोन पर बात की थी। इस दौरान दोनों ने क्षेत्रीय सुरक्षा विकास और रक्षा सहयोग समेत द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की थी। व्हाइट हाउस ने बताया था कि दोनों देशों के सुरक्षा सलाहकारों के बीच भारत-प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक स्तर पर स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अन्य प्रयासों पर भी चर्चा हुई। भारत ने द्विपक्षीय साझेदारी में विकास का स्वागत किया। इसमें क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (आईसीईटी) इंटरसेशनल और हिंद महासागर संवाद पर आगामी पहल पर भी बात हुई। उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला और रक्षा सहयोग समेत प्रमुख क्षेत्रों में निकट सहयोग के अवसरों पर भी चर्चा की।

NAME CHANGE

I hitherto known as JHAMAI KASHYAP alias GAJADHAR S/O RAM DAYAL KASHYAP R/O 280, Gali No.- 2, Sewa Nagar, Ghaziabad Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as GAJADHAR

NAME CHANGE

I hitherto known as UMITA alias ANITA D/O SHIV DUTT R/O H.No.-176-B, Nyay Khand -2, Indirapuram POST Office Shipra Sun C, District Ghaziabad Uttar Pradesh-201014, have changed my name and shall hereafter be known as ANITA.

NAME CHANGE

I, Rohtas Singh S/o Rattan Singh R/o Plot No-684, Sector-64-A, Ballabgarh, Faridabad, Haryana-121004 Have Changed My Name To Rohtas Singh Rawat for all Future Purpose.

PUBLIC NOTICE

This is to inform all concerned parties that Sh. Hardeep Singh Bisht and Smt. Shashi Devi have agreed to create a mortgage over the property described below, in favor of my client, Aadhar Housing Finance Limited (AHFL), Branch-Uttam Nagar, Delhi, following the execution of a sale deed in their favor. The sellers, Sh. Rohit Mahajan and Sh. Deepanshu Kharbanda, have agreed to sell the property described as "Second floor without roof rights (backside portion and left-side portion) on Plot No. 16, area measuring 50 sq. Yds., out of Khasra No. 18/23, situated in the revenue estate of Village Matiala, Delhi, in the area known as Colony New-T-Block, Phase-II, Uttam Nagar, New Delhi-110059." Accordingly, any co-sharers, previous owners, or any other interested parties-including but not limited to banks, financial institutions, NBFCs, HFCs, government or semi-government authorities, and any other persons or entities—having any claims, interests, or rights in or against the above-mentioned property, whether by way of sale, exchange, mortgage (equitable or title deed deposit), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement, or any other legal or equitable right, are hereby requested to submit written notice of their claim, along with supporting documentary evidence, to the undersigned within 7 days from the date of this notice. Failure to respond within the stipulated time will result in such claims being deemed waived or abandoned. In such an event, my client, AHFL, will proceed with the disbursement of the loan and the creation of the mortgage on the above-mentioned property.

Dated : 05-11-2024
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

PUBLIC NOTICE

This is to inform that Smt. Shalindri Bhatt has agreed to create mortgage the described property in favour of my client Aadhar Housing Finance Limited, Delhi Pushp Vihar Branch, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely 1.Sh. Amrik Singh Flora 2.Sh. Rakesh Sharma as SPA holder of Sh. Seetal Singh and Sh. Harjit Singh have agreed to sell their property "Entire Upper Ground Floor on House no. XVII/3013/9C, area measuring 100 sq. yds., out of Khasra no.52, situated in the area of Village Shadipur, colony known as Ranjeet Nagar Gali no. 18, New Delhi-110008". Hence any other co- sharer(s)/or any other legal heir(s) of namely Smt. Swarn Kaur alias Smt. Sardarni Sawran Kaur or any previous owner(s) of the above-mentioned property or any other concerned parties (including but not limited to Banks, Financial institutions, NBFCs, HFCs, Govt. Authorities or Semi-Govt. Authorities/bodies) having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange, mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise, how/who-soever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned any my client AHFL shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the above-mentioned property.

Dated : 05-11-2024
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

PUBLIC NOTICE

This is to inform that Smt. Jyoti Singh has agreed to create mortgage the described property in favour of my client Aadhar Housing Finance Limited, Delhi Pushp Vihar Branch, after execution of sale deed in her favour. Seller(s) Namely 1.Sh. Amrik Singh Flora 2.Sh. Rakesh Sharma as SPA holder of Sh. Seetal Singh and Sh. Harjit Singh have agreed to sell their property "Entire Second Floor without roof rights., on House no. XVII/3013/9C, area measuring 100 sq. yds., out of Khasra no.52, situated in the area of Village Shadipur, colony known as Ranjeet Nagar Gali no. 18, New Delhi-110008". Hence any other co- sharer(s)/or any other legal heir(s) of namely Smt. Swarn Kaur alias Smt. Sardarni Sawran Kaur or any previous owner(s) of the above-mentioned property or any other concerned parties (including but not limited to Banks, Financial institutions, NBFCs, HFCs, Govt. Authorities or Semi-Govt. Authorities/bodies) having any claim against or in respect of the said property or any part thereof by way of sale, exchange, mortgage (equitable or deposit of title deed otherwise) gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, Sub-lease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise, how/who-soever are hereby requested to notify the same in writing to the Undersigned with supporting documentary evidence at the address mentioned herein below within 7 days, from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person(s) shall be considered to have been waived and/or abandoned any my client AHFL shall proceed with the disbursement of loan and creation of mortgage on the above-mentioned property.

Dated : 05-11-2024
Place : Delhi

Advocate Ghanshyam Singh, Ch. E-713 Karkardooma Courts, Delhi-110032; Ph-8810212071

SMFG Grihashakti
Nayi Asha. Naya Vishwas.
एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड
(पूर्व में फुलर्टन इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड)
पंजीकृत कार्यालय: तीसरी मंजिल, 165 मेघ टावर्स, पीएच रोड, मदुरावॉयल, चेन्नल-600095
कॉर्पोरेट कार्यालय: 503-504, लेवल 5, इंस्पायर बीकेसी, मेन रोड जी ब्लॉक, बीकेसी,
बांद्रा ईस्ट, मुंबई-40005 I **सीआईएन:** U65922TN2010PCL076725922
grihashakti@grihashakti.com www.grihashakti.com
जो कोई भी इससे संबंधित है उसके लिए
यह सूचित किया जाता है कि हम 7 फरवरी, 2025 से परिचालन आवश्यकताओं के लिए निम्नलिखित शाखा के संचालन को स्थानांतरित कर रहे हैं।
शाखा का नाम: दिल्ली | **पत्राचार पता:** ऊपरी तल (पूरी मंजिल), डब्ल्यूजेड 115ए, मीनाक्षी गार्डन, ओप। मेट्रो पिलर नंबर 485, सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन के पास, तिलक नगर, नई दिल्ली-110018।
हमने इस शाखा से जुड़े ग्राहकों और अन्य लोगों के लिए 7 फरवरी, 2025 से नीचे उल्लिखित शाखा द्वारा सेवा प्रदान करने की वैकल्पिक व्यवस्था की है।
शाखा का नाम: दिल्ली | **पत्राचार पता:** एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, प्लॉट नंबर 35, दूसरी मंजिल, डीएलएफ औद्योगिक क्षेत्र, कीर्ति नगर, नजफगढ़ रोड, मोती नगर, नई दिल्ली-110015
एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (पूर्व में फुलर्टन इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड) के लिए
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

SMFG Grihashakti
Nayi Asha. Naya Vishwas.
एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड
(पूर्व में फुलर्टन इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड)
पंजीकृत कार्यालय: तीसरी मंजिल, 165 मेघ टावर्स, पीएच रोड, मदुरावॉयल, चेन्नल-600095
कॉर्पोरेट कार्यालय: 503-504, लेवल 5, इंस्पायर बीकेसी, मेन रोड जी ब्लॉक, बीकेसी,
बांद्रा ईस्ट, मुंबई-40005 I **सीआईएन:** U65922TN2010PCL076725922
grihashakti@grihashakti.com www.grihashakti.com
जो कोई भी इससे संबंधित है उसके लिए
सूचित किया जाता है कि हम 7 फरवरी, 2025 से परिचालन आवश्यकताओं के लिए निम्नलिखित शाखा के संचालन को स्थानांतरित कर रहे हैं।
शाखा का नाम: नोएडा | **डाक पता:** एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, 10वीं मंजिल, कार्यालय संख्या 1016, वेव स्लिवर टॉवर, सेक्टर -18, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301
हमने इस शाखा से जुड़े ग्राहकों और अन्य लोगों के लिए 7 फरवरी, 2025 से नीचे उल्लिखित शाखा द्वारा सेवा प्रदान करने की वैकल्पिक व्यवस्था की है।
शाखा का नाम: नोएडा | **डाक पता:** एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, ए-45, पहली मंजिल, ब्लॉक ए, सेक्टर 4, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201301
एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (पूर्व में फुलर्टन इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड) के लिए
अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने संभाला कार्यभार

एजेंसी

हिसार। जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने अपना कार्यभार संभाल लिया। वह भारतीय पुलिस सेवा 2015 बैच के अधिकारी हैं और झज्जर से स्थानांतरित होकर यहां आए हैं। इससे पहले वे जिला कैथल, पानीपत, करनाल व रेवाड़ी में पुलिस अधीक्षक और गुरुग्राम व झज्जर में पुलिस उपायुक्त के पद पर रहे हैं। कार्यभार ग्रहण करने उपरांत नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिला हिसार में अपराध पर रोक लगाने के लिए प्रभावशाली प्रयास किए जाएंगे। जिले में नशा उन्मूलन, सड़क दुर्घटनाओं को रोकने सहित साइबर अपराध नियंत्रण करने तथा महिला विरुद्ध अपराध सहित सभी तरह के अपराधों पर रोक लगाने पर उनकी प्राथमिकता रहेगी। नशीले पदार्थों व साइबर क्राइम पर अंकुश लगाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे और पुलिस द्वारा नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण तथा हिसार में सुगम यातायात प्रवाह के लिए प्रयास किए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस उप अधीक्षकों और थाना प्रभारियों को अभियोगों में त्वरित जांच के निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही थाना या पुलिस चौकी में शिकायत मिलते ही केस दर्ज करने व लंबित मामलों के जल्द से जल्द निपटान के लिए आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। जिले में होने वाली अवैध गतिविधियों की पुलिस द्वारा प्रभावी निगरानी की जाएगी।

अब खुद ही हार के कारण तलाशेगी कांग्रेस, करण दलाल की अध्यक्षता में बनाई कमेटी

चंडीगढ। हरियाणा में कांग्रेस अब खुद ही अपनी हार के कारण तलाशेगी। हाईकमान द्वारा गठित फैक्ट फांइडिंग कमेटी की रिपोर्ट अभी तक आई नहीं है और अब प्रदेश अध्यक्ष ने सोमवार को एक नई कमेटी का गठन कर दिया है। पूर्व मंत्री करण सिंह दलाल की अध्यक्षता में आठ सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान की ओर से गठित की गई इस कमेटी में पार्टी के लीगल सेल के चेयरमैन एडवोकेट केसी भाटिया, नूंह विधायक आफताब अहमद, पार्टी के राष्ट्रीय सचिव वीरेंद्र राठौर, पूर्व विधायक जयवीर सिंह वाल्मीकि, बडखल से उम्मीदवार रहे विजय प्रताप सिंह, पानीपत सिटी से उम्मीदवार रहे वीरेंद्र सिंह 'बुल्ले शाह' तथा चरखी दादरी की उम्मीदवार मनीषा सांगवान को बतौर सदस्य शामिल किया है। यह समिति पार्टी के सभी उम्मीदवारों के साथ बातचीत करेगी। कमेटी एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट तैयार करके पार्टी प्रदेशाध्यक्ष को देगी। इतना ही नहीं, यह कमेटी दूसरे दलों के नेताओं के साथ भी बातचीत करेगी। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सरकार ने चुनावों में धांधली की। उम्मीदवारों के साथ बातचीत करके विस्तृत रिपोर्ट कमेटी तैयार करेगी। उल्लेखनीय है कि 8 अक्टूबर को चुनावी नतीजों की घोषणा हुई थी। नब्बे सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 48 सीटों पर जीत हासिल की थी, वहीं कांग्रेस को 37 हलकों में जीत प्राप्त हुई। इसके अगले ही दिन कांग्रेस के शिष्टमंडल ने भारतीय चुनाव आयोग को शिकायत दी। इसमें कहा गया कि ईवीएम मशीनों में गड़बड़ी थी।

समाधान शिविर में ज्यादातर सीवरेज, सडक़, ड्रेनेज की समस्याएं लेकर पहुंचे लोग

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सराहनीय पहल पर नगर निगम गुरुग्राम द्वारा कार्य दिवस के दौरान सुबह नौ बजे से 11 बजे तक समाधान शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। दीपावली के बाद आयोजित हुए समाधान शिविर में कुल 29 शिकायतें आईं। इनमें से अधिकतर सीवरेज, सडक़, ड्रेनेज आदि से संबंधित रही। मौके पर इनका समाधान करने की समय सीमा निर्धारित की गई तथा शिकायतकर्ताओं को इस बारे में अवगत कराया गया। जोन-1 क्षेत्र में संयुक्त आयुक्त प्रदीप कुमार ने पुराना निगम कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में जन शिकायतों को सुना तथा मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे निर्धारित की गई समय सीमा के भीतर शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करें। जोन-1 क्षेत्र में आयोजित समाधान शिविर में कुल 14 शिकायतें आई। वहीं, जोन-2 क्षेत्र में कुल 7 शिकायतकर्ता पहुंचे। समाधान शिविर सेक्टर-42 स्थित निगम कार्यालय में भी लगातार जारी रहा।इसमें जोन-3 की संयुक्त आयुक्त सुमन भांखड़ प्रतिदिन शिकायतें सुन रही हैं। जोन-3 क्षेत्र में कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई। इसी प्रकार, संयुक्त आयुक्त अखिलेश यादव व चीफ इंजीनियर मनोज यादव ने सेक्टर-34 स्थित निगम कार्यालय में जोन-4 क्षेत्र से संबंधित शिकायतें सुनीं। जोन-4 में कुल 8 शिकायतें प्राप्त हुई।

समाधान शिविर में आई शिकायतों का निपटारा

नारनौल। हरियाणा सरकार के निर्देश अनुसार लगाए जा रहे समाधान शिविर में जिले में कुल नौ शिकायतें आई। इनमें चार खंड कार्यालयों में तथा पांच शिकायतें नप कार्यालयों में प्राप्त हुई। बीडीपीओ रेनू लता ने अपने कार्यालय में नागरिकों की शिकायतें सुनी। इसी प्रकार अन्य खंड कार्यालय में भी संबंधित अधिकारियों ने नागरिकों की शिकायतें सुनी। इसी कड़ी में नगर परिषद व नगर पालिकाओं में अधिकारियों ने नागरिकों की शिकायतें प्राप्त की। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री के आदेश अनुसार जिला महेंद्रगढ़ में कार्य दिवस पर हर रोज सुबह 9:00 से 11:00 तक समाधान शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र की शिकायतों के लिए खंड कार्यालय तथा शहरी क्षेत्र की शिकायतों के लिए नगर पालिका तथा नगर परिषद कार्यालय में अधिकारी शिकायतें सुन रहे हैं।

राजभवन में हरियाणा दिवस हमेशा की तरह उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा दिवस आज राजभवन में हर वर्ष की तरह उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया, जिसमें राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से दर्शाया गया। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, लेडी गवर्नर बंडारू वसंथा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, मुख्यमंत्री की पत्नी सुमन सैनी भी इस अवसर में उपस्थित रहे। कलाकारों द्वारा हरियाणवी संस्कृति और लोक गीतों के साथ-साथ कार्यक्रम में हरियाणा का रसिया, पंजाब का भंगड़ा, राजस्थान का काल बेलिया, हिमाचल प्रदेश का गद्दी नवाला नृत्य की झलक भी देखने को मिली। सभी शानदार लोक नृत्यों की प्रस्तुति मनमोहक और लाजवाब रही। जिससे उन्हें राज्य के समृद्ध इतिहास, जीवंत संस्कृति और गतिशील प्रगति की याद आ गई। दत्तात्रेय ने कहा कि हरियाणा दिवस राज्य की अनूठी संस्कृति, परंपराओं और विरासत का उत्सव है।

राज्यपाल दत्तात्रेय ने समारोह के उपरांत मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि देश की हरित क्रांति में अहम भूमिका निभाने वाला हरियाणा आज सभी क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी-2020) के विभिन्न प्रावधानों को लागू करने में भी हरियाणा काफी आगे है। राज्यपाल श्री दत्तात्रेय ने कलाकारों को पांच लाख रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की।

इस अवसर पर राज्य के लोगों को बधाई देते हुए दत्तात्रेय ने कहा कि राज्य का गहरा ऐतिहासिक महत्व है, जिसमें महाभारत महाकाव्य से जुड़े कुरुक्षेत्र जैसे स्थल इसे एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक स्थल बनाते हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने कई शीर्ष स्तर के एथलीट दिए हैं, जिन्होंने ओलंपिक सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का नाम रोशन किया है। हरियाणा दिवस कार्यक्रम के समापन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा ने तेजी से प्रगति की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बने। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में हरियाणा अहम भूमिका निभाएगा। हरियाणा की जनता को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि हम हरियाणा की चहुंमुखी प्रगति के लिए और अधिक मेहनत करेंगे।

हमने हरियाणा में बेहतर खेल नीति दी है, ताकि राज्य के युवा खेलों में आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा हरियाणा दूध-दही वाला प्रदेश है। हरियाणा के कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हरियाणा व देश का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, ऊर्जा मंत्री अनिल विज, विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण पंवार, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा तथा सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं अंत्योदय (सेवा) मंत्री कृष्ण कुमार बेदी भी उपस्थित थे। इनके अलावा, विधानसभा उपाध्यक्ष कृष्ण लाल मिड्ढा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर तथा युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता राज्य मंत्री गौरव गौतम भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य सचिव विवेक जोशी, राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

सुरजेवाला का मानसिक संतुलन बिगड़ा,डॉक्टर को दिखाएं : अत्री

जींद। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को एक्सीडेंटल सीएम बताए जाने के बाद से कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सुरजेवाला अब भाजपा नेताओं के निशाने पर आए गए हैं। उचाना से भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने सोमवार को जुबानी हमला बोलते हुए कहा कि रणदीप सुरजेवाला जिस तरह से बयान दे रहे हैं, उससे लगता है कि उनका मानसिक संतुलन खो गया है इसलिए वो किसी अच्छे डॉक्टर को खुद को चेक करवाएं। पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में पत्रकारों से बातचीत में अत्री ने कहा कि चुनाव हारने के बाद कांग्रेस हाशिये पर है। चुनाव हारने के बाद कांग्रेस के नेता दिमागी संतुलन खो बैठे हैं। मुझे लगता है कि रणदीप सुरजेवाला खुद को अच्छे डॉक्टर से दिखाए। नेता विपक्ष अब तक न चुने जाने पर भाजपा विधायक ने कहा कि कांग्रेस हाशिये पर है। कांग्रेस के आचरण का सबको पता है।

ट्रांसफर-पोस्टिंग और प्रमोशन के लिए राजनीतिक दबाव डलवाना पड़ेगा भारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में अब ट्रांसफर-पोस्टिंग और प्रमोशन आदि कामों के लिए मंत्रियों अथवा विभागाध्यक्षों पर राजनीतिक दबाव डलवाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को भारी पड़ेगा। इसके लिए हरियाणा सिविल सेवाएं (सरकारी कर्मचारी आचरण) नियम 2016 के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। इसके तहत संबंधित कर्मचारी की नौकरी भी जा सकती है। इस संबंध में हरियाणा के महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं की ओर से हाल ही सभी सिविल सर्जन और प्रधान चिकित्सा अधिकारियों को एक परिपत्र जारी किया गया है। इसमें सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों से आचरण नियमों का सख्ती से पालन करवाने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि अधिकतर अधिकारी और कर्मचारी अपनी मनचाही जगह और सीट पर पोस्टिंग लेने के लिए अक्सर क्षेत्रीय विधायकों और अन्य जन प्रतिनिधियों से मंत्रियों तथा विभागाध्यक्षों पर राजनीतिक दबाव डलवाते हैं। ऐसे मामलों में अक्सर भ्रष्टाचार की शिकायतें आती भी हैं तो मजबूरन उन्हें नजरअंदाज करना पड़ता है। इससे जनता में भाजपा सरकार के प्रति गलत संदेश जाता है।

प्रदेश में डीएपी खाद की नहीं कोई कमी: श्याम सिंह राणा

एजेंसी

चंडीगढ। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा है कि प्रदेश में डीएपी खाद की कोई कमी नहीं है। उन्होंने चंडीगढ़ में डीएपी खाद की उपलब्धता बारे में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसके बाद उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि राज्य में डीएपी की कोई कमी नहीं है और घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को पर्याप्त डीएपी उपलब्ध कराने के प्रति प्रतिबद्ध है।

श्याम सिंह राणा ने बैठक के बाद बताया कि मंत्रालय से प्रदेश सरकार को जानकारी दी गई है कि जहां अक्टूबर 2023 के रबी सीजन में डीएपी की कुल खपत 1,19,470 मीट्रिक टन थी, इस साल अक्टूबर 2024 में यह खपत 1,14,000 मीट्रिक टन दर्ज की गई है। वर्तमान में राज्य में 24,000 मीट्रिक टन डीएपी का स्टॉक उपलब्ध है और प्रतिदिन किसानों के लिए डीएपी की आपूर्ति

सुनिश्चित करने हेतु रेक योजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि 2023 के रबी सीजन में नवंबर माह में डीएपी की खपत 72 हजार 697 मीट्रिक टन रही थी। राज्य सरकार के प्रयासों से इस बार केंद्र ने नवंबर के लिए एक लाख दस हजार मीट्रिक टन डीएपी खाद का आवंटन किया है। इसके तहत नवंबर के पहले सप्ताह में 41,600 मीट्रिक टन, दूसरे सप्ताह में 40,000 मीट्रिक टन और तीसरे सप्ताह में 20,000 मीट्रिक टन डीएपी की आपूर्ति रेक द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। अधिकारियों ने मंत्री को जानकारी दी कि विभिन्न जिलों में डीएपी खाद की आपूर्ति के लिए रेक योजना बनाई गई है। इसके तहत 3 नवंबर को भिवानी, दादरी, रोहतक, महेंद्रगढ़, करनाल, पानीपत, कुरुक्षेत्र और जींद में तथा 4 नवंबर को हिसार, फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र, झज्जर, सोनीपत और रोहतक में रेक पहुंच चुकी है। अब 5 नवंबर को कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, पलवल, टोहाना और सिरसा में, 6 नवंबर को खोरी और सिरसा में, 7 नवंबर को कैथल और कुरुक्षेत्र में, 8 नवंबर को भट्टू, टोहाना, सिरसा और धूलकोट में , 9 नवंबर को भट्टू, टोहाना और हिसार में,10 नवंबर को भिवानी, कैथल, कुरुक्षेत्र और जींद में तथा 11 नवंबर को गोहाना और जींद में डीएपी की रेक पहुंचेगी। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे यूरिया खाद की उपलब्धता का भी जायजा लें।

एडीजीपी ममता सिंह ने जींद के पूर्व एसपी के खिलाफ शुरू की जांच

एजेंसी

जींद। आईपीएस अधिकारी के खिलाफ सोशल मीडिया पर वायरल किए गए कथित पत्र के मामले में आरोपों की जांच को लेकर एडीजीपी ममता सिंह जींद पहुंची। जिला पुलिस ने पत्र वायरल तथा शिकायत मामले में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हुए हैं। जिसमें सोशल मीडिया का एक प्लेटफार्म भी है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म मामले की जांच हिसार पुलिस द्वारा की जा रही है।

वहीं शहर थाना पुलिस ने फर्जी मेल आईडी बना शिकायत को पोस्ट करने तथा बाद में आईडी को तत्काल डिलीट करने पर भी मामला विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया हुआ है। पूरे मामले की जांच तीन स्तर पर अलग-अलग चल रही है। जिन पर कर्मियों पर आरोप लगे, उन्हें तबादला कर जिले से बाहर कर दिया गया है ताकि जांच प्रभावित न हो और निष्पक्ष हो सके। एडीजीपी के नेतृत्व में लगभग साढ़े तीन घंटे चली जांच के बारे में एडीजीपी ममता सिंह ने मीडिया से दूरी बनाए रखी और कुछ नही बोली। जिस समय पुलिस लाइन में जांच चल

रही थी, उस दौरान किसी बाहरी व्यक्ति तथा मीडिया कर्मियों के पुलिसलाइन में जाने पर रोक लगा दी गई। बताया जाता है कि जांच के दौरान काफी अधिनस्थ कर्मियों से पूछताछ की गई और विभिन्न तथ्यों का खंगाला गया। जिसके बाद उन्होंने रेस्ट हाऊस में जांच कर रहे अधिकारियों के साथ विस्तृत बातचीत की और जांच प्रगति रिपोर्ट की जानकारी ली। इस दौरान फतेहाबाद की एसपी आस्था मोदी तथा एसपी राजेश कुमार भी उनके साथ मौजूद रहे।

हरियाणा में 48 कोस के तीर्थों पर गूंजेगी गीता वाणी

एजेंसी

चंडीगढ़। महाभारत धरा के 48 कोस के तीर्थों पर गीता वाणी की गूंज सुनाई देगी। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की 48 कोस तीर्थ कमेटी तीर्थों पर गीता महोत्सव के आयोजन की तैयारियों का रोडमैप तैयार कर रही है। यही नहीं, 48 कोस के तीर्थों के जीर्णोद्धार को लेकर भी केडीबी ने रूपरेखा तैयार की है। लुप्त हो चुके तीर्थों को भी नई पहचान दिलाने के लिए 48 कोस तीर्थ कमेटी कवायद में जुटी हुई है। इसी सिलसिले में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड की 48 कोस तीर्थ कमेटी के चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की। उन्होंने भाजपा की प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनने पर आभार जताया। इसके साथ ही नायब सैनी को दूसरी बार मुख्यमंत्री बनने का बधाई दी। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण-अर्जुन रथ स्मृति चिन्ह के तौर पर भेंट किया। 48 कोस तीर्थ कमेटी के चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा ने मुख्यमंत्री नायब सैनी ने तीर्थों के जीर्णोद्धार को लेकर को लेकर विशेष रूचि और श्रद्धा पर आभार जताया। मदन मोहन छाबड़ा ने बताया कि 48 कोस के अंतर्गत 182 तीर्थ हैं, जिनमें से 100 तीर्थों पर जीर्णोद्धार काम चल रहा है। कई तीर्थों पर जीर्णोद्धार का काम पूरा हो

चुका है, जल्द ही उनका उद्घाटन विधिवत रूप से मुख्यमंत्री करेंगे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि ब्रह्मसरोवर के साथ 48 कोस के विकास के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। तीर्थों के जीर्णोद्धार को लेकर केडीबी रोडमैप तैयार करेगी। पर्यटकों को तीर्थों की महत्ता बारे अवगत कराने के लिए विशेष कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि ब्रह्मसरोवर पर अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के आयोजन के साथ सभी तीर्थों पर कार्यक्रमों का आयोजन जरूरी है, जिससे आमजन का गीता के साथ भावनात्मक जड़ाव बढ़ेगा। 48 कोस के तीर्थों के संत महात्माओं के साथ आमजन की भागेदारी भी सुनिश्चित की जाए। 48 कोस तीर्थ कमेटी के चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा ने बताया कि 28 नवंबर से लेकर 15 दिसंबर तक ब्रह्मसरोवर के तट पर अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन होगा। 5 से 11 दिसंबर तक गीता महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम होंगे।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र बहुत जल्द आयोजित किया जाएगा : मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि विधानसभा का शीतकालीन सत्र बहुत जल्द आयोजित किया जाएगा। इसके लिए सरकार की तरफ से राज्यपाल को पत्र भेज दिया गया है। मुख्यमंत्री पंचकूला में पुस्तक मेले के उद्घाटन अवसर पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा के एक दिवसीय सत्र में विधायकों के शपथ ग्रहण तथा स्पीकर व डिप्टी स्पीकर का चुनाव हो चुका है। अब विधिवत रूप से विधानसभा का नियमित सत्र बुलाया जाएगा, जिसमें सभी विधायकों को अपने-अपने हलकों की बात रखने का अवसर मिलेगा। सैनी ने कहा कि अभी कोई तिथि निर्धारित नहीं हुई है लेकिन प्रयास किया जा रहा है कि लोकसभा के सत्र से पहले-पहले विधानसभा सत्र का आयोजन किया जाए। प्रदेश में पराली को लेकर चल रहे विवाद पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में पिछले तीन वर्षों में पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है। पिछले वर्ष के मुकाबले

इस साल प्रदेश में पराली जलाने के 38 फीसदी कम मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में किसानों ने धान की खेती को छोड़कर वैकल्पिक खेती को अपनाना शुरू कर दिया है वहीं पराली प्रबंधन में भी सरकार के साथ आकर खड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को पराली प्रबंधन के लिए दी जाने वाली मशीनों पर सब्सिडी बढ़ाने को लेकर भी विचार किया जा रहा है। आने वाले समय में हरियाणा पराली प्रबंधन के मामले में भी टॉप करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में डीएपी की कोई कमी नहीं है। विपक्ष इस मामले में नकारात्मक नेरेटिव सेट करने का प्रयास कर रहा है।

हरियाणा में 28 नवम्बर से 15 दिसम्बर तक होगा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। आगामी 28 नवंबर से 15 दिसम्बर तक कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव धूमधाम के साथ आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 5 दिसंबर से 11 दिसम्बर तक आयोजित होंगे। यातायात की दृष्टि से व्यापक प्रबंध किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 से प्रदेश सरकार ने गीता महोत्सव को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने की शुरुआत की थी। इस बार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में तंजानियां पार्टनर देश होगा तथा उड़ीसा पार्टनर राज्य होगा। उन्होंने यह भी बताया कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर क्राफ्ट और सरस मेले का भी आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि 48 कोस की परिधि में आने वाले स्थलों पर गीता महोत्सव से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यकर्ता अपने और पराए को पहचानें, नगर परिषद चुनाव की तैयारी करें : अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा की अम्बाला छावनी में जो शानदार जीत हुई है आज उस जीत को मनाने का दिन है। जीत मनाने के लिए बहुत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता यहां इकट्?ठा हुए है और जुड़े हुए हैं। विज आज अम्बाला छावनी के बीपीएस प्लेनेटेरियम में विधानसभा चुनाव के उपरांत आयोजित भाजपा कार्यक्रम धन्यवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह चुनाव कई मायनों में अलग चुनाव है और सभी ने देखा होगा कि इस चुनाव में हमारे साथ कुछ लोगों ने गद्दारी करके हमें नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। ऐसे लोग दस साल मंत्री बनकर रहे और मौका आने पर कूदकर दूसरी तरफ चले गए। उन्होंने अपनी पहली मीटिंग में कह दिया था कि जिसने जाना है जाओ, बाहर मंडी लगी है, दाम भी अच्छे मिलेंगे, पर वह किसी को मनाने नहीं जाएंगे और कोई भी कार्यकर्ता किसी को मनाने नहीं जाएगा। उन्होंने कहा उनके साथ अगर दस सच्चे कार्यकर्ता रह जाएंगे तो वह चुनाव जीत जाएंगे। जिस

प्रकार भट्टी में धातु पिघलाने से केवल असली सोना रह जाता है उसी प्रकार अब उनके साथ जो कार्यकर्ता हैं वह खरा सोना है जो विधानसभा चुनाव में उनके साथ डटे रहे। विज ने इस दौरान बड़े अंतर से जीत दर्ज करने वाले बूथ, वार्ड और जोन प्रधानों को सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान हजारों की संख्या में उमड़े कार्यकर्ताओं के साथ मंत्री अनिल विज ने जीत का जश्न मनाया।

इस अवसर पर भाजपा नेता संजीव सोनी, राजीव डिम्पल, किरणपाल चौहान, संजीव सोनी, जसबीर जस्सी, कपिल विज, रामबाबू यादव, नरेंद्र राणा, श्याम सुंदर अरोड़ा, फकीरचंद सैनी, बीएस बिंद्रा, सुदर्शन सिंह सहगल, बलविंद्र सिंह, संजीव वालिया, ललता प्रसाद, मदनपाल राणा, रवि सहगल, सुरेंद्र बिंद्रा, अजय बवेजा के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। इससे पहले कार्यक्रम में पहुंचे कैबिनेट मंत्री अनिल विज का जोरदार स्वागत कार्यकर्ताओं ने किया

खुद भी सतर्क रहकर पुलिस का सहयोग करे आमजन: कुलदीप सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस-पब्लिक के बीच सामंजस्य बनाने, कानून व्यवस्था मजबूत करने को लेकर सेक्टर-5 थाना प्रभारी ने क्षेत्र के मौजिज लोगों के साथ बैठक की। बैठक की अध्यक्षता आरडब्ल्यूए के पूर्व प्रधान दिनेश वशिष्ठ ने की। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने हका कि अगर किसी के साथ साइबर फ्रॉड होता है तो सीधे 1930 फोन नम्बर डायल करें, जिससे आपको तुरंत पुलिस विभाग द्वारा मदद मिलेगी। पीड़ित के बैंक से लेनदेन तुरंत रोक दिया जाएगा। आप इस तरह से साइबर अपराध से बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि खुद भी सतर्क रहकर आम नागरिक पुलिस का सहयोग करें। किसी अनजान व्यक्ति को अपने बैंक अकाउंट व मोबाइल पर आए ओटीपी की जानकारी ना दें। साइबर अपराध से जानकारी ही बचाव है। पुष्कर राज शर्मा सेक्टर-5 ने कहा कि हम थाना प्रभारी कुलदीप

सिंह व उनकी टीम का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने शीतला माता मंदिर के बाहर बैरिकेड लगवाए जिसकी वजह से दिवाली पर मंदिर के सामने जाम देखने को नही मिला। कुलदीप सिंह ने आए सभी लोगों से अपील की कि अपने अपने इलाके में किसी भी किरायेदार, घरेलू नौकर व ड्राइवर रखते समय पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवाएं। अपने घर व गली में सीसीटीवी कैमरा जरूर लगवाएं। सभी मिलकर अपनी-अपनी गली में पूरे दिन के लिए चोकीदार रखें। गुरुग्राम को अपराध मुक्त बनाने में पुलिस की मदद करें। क्षेत्रवासी सुरेश अनेजा ने कहा कि पुलिस पब्लिक मीटिंग में बिजली व एमसीजी, एच.एस.वी.पी और जीएमडीए के अधिकारियों को भी सामिल किया जाए, जिससे कुछ समस्याओं का तुरंत समाधान हो। सेक्टर के आसपास अवैध फल व दूसरी रेहड़ियां लगती हैं, जिससे सुरक्षा को खतरा है।

सेल ने एएससीआई हैदराबाद के साथ शैक्षणिक सहयोग के लिए समझौता किया

नई दिल्ली। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने शैक्षणिक सहयोग के लिए एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई) हैदराबाद के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू पर सेल के निदेशक (कार्मिक) केके सिंह और एएससीआई, हैदराबाद के निदेशक डॉ. निर्मल्या बागची की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।इस्पात मंत्रालय के मुताबिक़ सेल और एएससीआई हैदराबाद के बीच आज नई दिल्ली स्थित कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यालय में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता ज्ञापन सेल के नए पदोन्नत अधिकारियों के लिए अनुकूलित प्रबंधन विकास कार्यक्रमों के संचालन की सुविधा प्रदान करेगा। मंत्रालय के कहा कि सेल और एएससीआई के बीच ये समझौता प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ सहयोग सेल की समग्र शिक्षण एवं विकास (एलएंडडी) रणनीति का हिस्सा है, ताकि कंपनी के अधिकारियों को और अधिक शैक्षणिक अनुभव प्रदान किया जा सके, जिससे उन्हें अपने नेतृत्व पदों पर आगे बढ़ने में मदद मिल सके।

सरकार ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर पद के लिए आवेदन मांगे, माइकल देवव्रत पात्रा की जगह होगी नियुक्ति

नई दिल्ली। सरकार ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने डिप्टी गवर्नर पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। ये नियुक्ति मौजूदा डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा के स्थान पर होगी, जिनका विस्तारित कार्यकाल 14 जनवरी 2025 को समाप्त हो रहा है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक आरबीआई के डिप्टी गवर्नर का ये पद अर्थशास्त्रियों के लिए है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक चयनित उम्मीदवार मौद्रिक नीति विभाग की देख-रेख करेगा और दर निर्धारण समिति 'मौद्रिक नीति समिति' का सदस्य भी होगा। उम्मीदवारों की आयु 15 जनवरी, 2025 को 60 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। यह नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए है तथा व्यक्ति पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र होगा। इस पद के लिए मासिक वेतन 2.25 लाख रुपये (स्तर-17) होगा। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग में आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 30 नवंबर है। रिजर्व बैंक में चार डिप्टी गवर्नर के पद होते हैं। मौद्रिक नीति विभाग की देखरेख के लिए एक अर्थशास्त्री, एक वाणिज्यिक बैंकर तथा दो बैंक से लिए जाते हैं।

सोना-चांदी में तेजी जारी रहने का अनुमान, अगली दिवाली तक मिल सकता है शानदार रिटर्न

नई दिल्ली। जियो पॉलिटिकल टेंशन और ग्लोबल इकोनॉमी में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के कारण गोल्ड मार्केट में लगातार तेजी बनी हुई है।दिवाली को आमतौर पर हिंदू कारोबारी कैलेंडर की शुरुआत माना जाता है। पिछली दिवाली से लेकर इस दिवाली तक सोने की कीमत में करीब 31 प्रतिशत से अधिक की तेजी दर्ज की गई। माना जा रहा है कि अगले साल यानी 2025 की दिवाली तक सोने की कीमत में 18 से 22 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है। इसी तरह चांदी की कीमत भी 30 प्रतिशत तक उछल सकती है। सोने की कीमत में आई तेजी की सबसे बड़ी वजह जियो पॉलिटिकल टेंशन को माना जा रहा है। इसके साथ ही कई देशों के केंद्रीय बैंकों की ओर से ब्याज दरों में कमी करने, ग्लोबल इकॉनमी में उतार-चढ़ाव होने और दुनिया के ज्यादातर स्टॉक मार्केट में गिरावट आने के कारण भी वैश्विक स्तर पर सोने को सपोर्ट मिला है।जानकारों का कहना है कि सोना और चांदी को परंपरागत रूप से इन्वेस्टमेंट का सेफ इंस्ट्रूमेंट माना जाता है। इसीलिए कभी भी तनाव होने या वैश्विक अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव होने पर सोने में निवेश बढ़ जाता है। पिछली दिवाली से लेकर इस दिवाली के बीच भी दुनिया भर में तनाव की स्थिति बनी रही।

कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने 50 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सहायक कंपनी एनसीएल के निगाही क्षेत्र में 50 मेगावाट के ग्राउंड-माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। मध्य प्रदेश के सिंगरौली में स्थित यह सौर ऊर्जा संयंत्र अपने पहले वर्ष में औसतन 94 मिलियन यूनिट बिजली पैदा करेगा, जिससे सालाना 78,000 टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी। कोलकाता में आयोजित सीआईएल के 50वें स्थापना दिवस समारोह पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने स्वर्ण जयंती लोगो लॉन्च किया। इसके साथ ही उन्?होंने शुभंकर अंगारा का अनावरण भी किया। ये लोगो भारत के ऊर्जा क्षेत्र की रीढ़ के रूप में सीआईएल की महत्वपूर्ण भूमिका का प्रतीक है, जो नवाचार, प्रगति और स्थिरता के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शुभंकर कोयला खनिकों की ताकत और लचीलेपन का प्रतीक है, जो उनके साहस और समर्पण को दर्शाता है। शुभंकर रॉयल बंगाल टाइगर से प्रेरित है। किशन रेड्डी ने इस अवसर पर कोयला और लिग्नाइट अन्वेषण पर रणनीति रिपोर्ट भी जारी की। इसके साथ ही माइन क्लोजर पोर्टल का उद्घाटन किया और नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की निगाही परियोजना में 50 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र के विकास की घोषणा की।

एसीएमई सोलर का आईपीओ 06 नवंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 275–289 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। अक्षय ऊर्जा कंपनी एसीएमई सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूरी तरह तैयार है। एसीएमई सोलर का आईपीओ निवेशकों के लिए बुधवार, 06 नवंबर को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 275-289 रुपये प्रति शेयर तय किया है।

कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि एसीएमई सोलर होल्डिंग्स का आईपीओ बुधवार, 06 नवंबर को खुलेगा, जो 8 नवंबर को बंद होगा। एंकर निवेशकों इसके लिए 5 नवंबर को बोली लगा सकते हैं। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 2,900 करोड़ रुपये जुटाने की है। एसीएमई सोलर ने इसके लिए मूल्?य का दायरा 275-289 रुपये प्रति शेयर तय किया है। एसीएमई सोलर होल्डिंग्स के आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 51 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 51 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी का आईपीओ 2,395 करोड़ रुपये के नए शेयरों के निर्गम और एसीएमई क्लीनटेक सॉल्यूशंस के द्वारा 505 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। गुरुग्राम स्थित कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 1,795 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग अपने कर्ज के भुगतान के लिए करेगी, तथा इसका एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग में लाएगी। उल्लेखनीय है कि एसीएमई सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड भारत की एक अक्षय ऊर्जा कंपनी है, जिसके पास सौर, पवन, हाइब्रिड और फर्म और डिस्पैचेबल अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं का पोर्टफोलियो है। इस कंपनी की स्थापना 2015 में एसीएमई समूह के नवीकरणीय ऊर्जा व्यवसाय को समेकित करने और भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा उद्योग में अवसरों का लाभ उठाने के लिए की गई थी। इसने भारत में एक एकीकृत अक्षय ऊर्जा कंपनी बनने के लिए सौर ऊर्जा परियोजनाओं से अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाई और विस्तार किया है।

वैश्विक अनिश्चितता और घरेलू मोर्चे की कमजोरी से टूटा शेयर बाजार, छोटे निवेशकों को बाजार से दूर रहने की सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज एक बार फिर बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने 1,490 अंक से अधिक का गोता लगाया। इसी तरह निफ्टी भी 485 अंक से अधिक अंक तक लुढ़क गया। सेंसेक्स 79 हजार अंक के स्तर से नीचे फिसल गया तो निफ्टी भी 24 हजार अंक के नीचे आ गया। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी आज इंट्रा-डे में करीब 1.50 प्रतिशत तक टूट गए। हालांकि, बाद में निफ्टी और सेंसेक्स दोनों सूचकांकों की स्थिति में काफी सुधार भी हुआ। माना जा रहा है कि आज की गिरावट के लिए वैश्विक हालात प्रमुख रूप से जिम्मेदार रहे। इसके साथ ही घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों ने भी बाजार की चाल पर प्रतिकूल असर डाला। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी के अनुसार दुनिया भर के ज्यादातर स्टॉक मार्केट्स में अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सतर्क मुद्रा में कारोबार हो रहा है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। माना जा रहा है कि अगर कमला हैरिस चुनाव जीतती हैं, तो अमेरिका में उदार आर्थिक नीतियों को बढ़ावा मिल सकता है। डोनाल्ड ट्रंप की जीत होने पर ब्याज दरों को लेकर कड़ाई का रुख जारी रह सकता है। ट्रंप और कमला हैरिस की परस्पर विपरीत आर्थिक नीति की वजह से दोनों में से किसी की भी जीत वैश्विक अर्थव्यवस्था पर अपना असर डालेगी।

एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर को लिस्टिंग वाले दिन ही मिला 1000 करोड़ रुपये का आर्डर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। शापूरजी पल्लोनजी समूह की प्रमुख कंपनी एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को शेयरों की लिस्टिंग वाले दिन ही भोपाल मेट्रो फेज वन के BH-05 पैकेज के निर्माण का टेंडर मिला है। यह प्रोजेक्ट करीब 1006.74 करोड़ रुपये का है, जिसे EPC मोड के तहत 36 महीनों में पूरा किया जाना है। एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर इश्यू प्राइस के मुकाबले 8 फीसदी की गिरावट के साथ शेयर बाजार के दोनों प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी का शेयर 463 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले 426 रुपये पर लिस्ट हुआ, जबकि बॉम्?बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर शेयर सात फीसदी की गिरावट के साथ 430 रुपये पर खुला।

शापूरजी पल्लोनजी समूह की प्रमुख एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने अपने आईपीओ के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए मूल्य का दायरा 440 से 463 रुपये तय किया था। कंपनी की योजना इसके जरिए करीब 5430 करोड़ रुपये जुटाना था। एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर का यह इश्यू टोटल 5,430 करोड़ रुपये का था। इसके लिए कंपनी ने 4,180 करोड़ रुपये के 90,280,778 फ्रेश शेयर जारी किए है, जबकि कंपनी के मौजूदा निवेशकों ने ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए 1,250 करोड़ रुपये के 26,997,840 शेयर बेचे हैं। उल्लेखनीय है कि एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड एक भारतीय समूह की कंपनी है। इसका इतिहास छह दशकों से ज्यानदा पुराना है। इस कंपनी के पास घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जटिल और चुनौतीपूर्ण इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाओं की एक विस्तृत शृंखला को सफलतापूर्वक पूरा करने का ट्रैक रिकॉर्ड है। इसके अलावा एफकॉन्स का समय से पहले परियोजनाओं को पूरा करने का इतिहास है, जिसमें जम्मू-उधमपुर राजमार्ग प्रोजेक्ट, नागपुर मेट्रो रीच-3 और आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे जैसी उल्लेखनीय परियोजनाएं शामिल हैं।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर कारोबार, सोना और चांदी की कीमत में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सपाट स्तर पर कारोबार की शुरुआत हुई है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज भी 80,540 रुपये से लेकर 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 73,840 रुपये से लेकर 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच ही बना हुआ है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर स्थिर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,740

रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सपाट स्तर पर ही कारोबार हो रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज भी 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

वित्त मंत्री से मिले सीआईआई अध्यक्ष और महानिदेशक, कई मुद्दों पर हुई बातचीत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष संजीव पुरी और सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कई अहम मुद्दों पर वित्त मंत्री से बातचीत की। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से यहां भारतीय उद्योग परिसंघ के अध्यक्ष संजीव पुरी और सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने कई अहम मुद्दों पर बातचीत की।

हालांकि, इस बातचीत का विस्तृत ब्योरा अभी मिल पाया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) सलाहकारी और परामर्श प्रक्रियाओं के माध्यम से उद्योग, सरकार और नागरिक समाज के साथ साझेदारी करके भारत के विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने और बनाए रखने के लिए काम करता है।

छठ पूजा पर 12 हजार करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान : कैट

एजेंसी

नई दिल्ली। आस्था का पर्व छठ पूजा 5 नवंबर को नहाय-खाय से शुरू होकर 8 नवंबर तक चलेगा। इस चार दिवसीय छठ पूजा के दौरान बिहार एवं झारखंड के अलावा देश के अन्य राज्यों में बसे पूर्वांचल के लोग बेहद उत्साह एवं उमंग के साथ छठ पूजा करने को तैयार हैं। एक अनुमान के मुताबिक देशभर में लगभग 15 करोड़ से अधिक लोग इसमें शामिल होंगे जिससे 12 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और दिल्ली की चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि इस वर्ष छठ पूजा 96 घंटे (4 दिनों) में देशभर में करीब 12 हजार करोड़ रुपये का व्यापार होने की संभावना है। खंडेलवाल ने कहा कि कपड़े, फल, फूल, सब्जी, साड़ियों एवं मिट्टी के चूल्हे सहित छोटे उत्पादों के व्यापार में बड़ा उछाल देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि एक अनुमान के अनुसार

देशभर में करीब 15 करोड़ से अधिक लोग छठ पूजा में शामिल होंगे, जिनमें स्त्री, पुरुष युवा के अलावा बच्चे शामिल हैं।

खंडेलवाल ने कहा कि राजधानी नई दिल्ली के सभी भागों में भी बड़ी संख्या में पूर्वांचली लोग रहते है। उन्?होंने कहा कि विगत कई वर्षों से नई दिल्ली में भी छठ का त्यौहार बड़े उत्साह से मनाया जाता है। राजधानी के सैंकड़ों स्थानों पर छठ की पूजा पूर्ण विधि विधान से की जाती है। उन्?होंने कहा कि दिल्ली में चांदनी चौक, सदर बाज़ार, मॉडल टाउन, अशोक विहार, आदर्श नगर, आज़ादपुर, शालीमार बाग, पीतमपुरा, रानी बाग, पश्चिम विहार, उत्तम नगर, तिलक नगर, कालकाजी, ग्रेटर कैलाश, प्रीत विहार, शाहदरा, लोनी रोड, लक्ष्मी नगर, विकास मार्ग, यमुना विहार, आनंद विहार आदि बाजारों में लोगों के छठ पूजा का सामान ख़रीदने की रौनक़ दिख रही है। खंडेलवाल ने कहा कि ÷छठ पूजा केवल एक धार्मिक आयोजन ही नहीं बल्कि यह भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा भी है, जो सामाजिक एकता और समर्पण का प्रतीक है। इससे व्यापार और स्थानीय उत्पादकों को भी सीधा लाभ पहुंचता है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को और मजबूत करेगा। छठ पूजा के दौरान इस्तेमाल होने वाले अधिकांश उत्पाद बड़े पैमाने पर स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों द्वारा बनाये जाते हैं जिससे उन्हें रोजगार के नए अवसर प्राप्त हुए हैं। सांसद खंडेलवाल ने कहा कि छठ पूजा में प्रयुक्त होने वाली सामग्री, जैसे बांस के सूप, केले के पत्ते, गन्ना, मिठाई, फल विशेष रूप से नारियल, सेब, केला और हरी सब्जियां शामिल है। छठ पूजा के अवसर पर महिलाओं के पारंपरिक परिधानों, जैसे साड़ी, लहंगा-चुन्नी, सलवार कुर्ता और पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा, धोती आदि की बड़ी खरीददारी हुई है, जिससे स्थानीय व्यापारियों को लाभ हुआ है और लघु एवं कुटीर उद्योग को भी बल मिला है। वहीं, घरों में छोटे पैमाने पर बनाये जाने वाले सामान की बड़ी बिक्री हो रही है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.76 प्रतिशत उबलकर 70.71 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 1.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 74.28 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

एनटीपीसी और ओएनजीसी ने संयुक्त उद्यम कम्पनी बनाने के लिए मिलाया हाथ

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कम्पनियों नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एनटीपीसी) और तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) ने संयुक्त उद्यम कंपनी बनाने के लिए हाथ मिलाया है।

विद्युत मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि दोनों कंपनियां अपनी संबंधित सहायक कंपनियों के माध्यम से एक संयुक्त उद्यम (संयुक्त उद्यम) बनाएंगी। मंत्रालय के मुताबिक महारत्न पीएसयू एनटीपीसी और ओएनजीसी ने नवीकरणीय और नवीन ऊर्जा क्षेत्र में अपनी रुचि को और बढ़ावा देने के लिए अपनी हरित ऊर्जा सहायक कंपनियों (एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और ओएनजीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड) के जरिए एक संयुक्त उद्यम कंपनी (जेवीसी) बनाने के लिए सहयोग किया

है।मंत्रालय ने बताया कि 07 फरवरी को भारत ऊर्जा सप्ताह 2024 के दौरान संयुक्त उद्यम समझौते पर हस्ताक्षर करने और दीपम और नीति आयोग से आवश्यक वैधानिक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद एनजीईएल ने ओजीएल के साथ 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी के निगमन के लिए कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय को एक आवेदन भी प्रस्तुत किया है। यह संयुक्त उद्यम विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा (एनआरई) और नई ऊर्जा के अवसरों में प्रवेश करेगा, जिसमें सौर, पवन, ऊर्जा भंडारण, ई-मोबिलिटी, कार्बन क्रेडिट और ग्रीन क्रेडिट शामिल हैं। इसके अलावा ये नवीकरणीय ऊर्जा संपत्तियों के अधिग्रहण के अवसरों की तलाश करेगा और तमिलनाडु और गुजरात में आने वाली ऑफशोर पवन टेंडरों में भागीदारी पर विचार करेगा। उल्लेखनीय है कि एनटीपीसी भारत की सबसे बड़ी पॉवर यूटिलिटी कंपनी है जिसकी कुल स्थापित क्षमता 76475.68 मेगावाट (संयुक्त उद्यम सहित) है। 1975 में स्थापित एनटीपीसी देश की एकीकृत बिजली कंपनी बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है, जिसका लक्ष्य 2032 तक 130 गीगावाट की कंपनी बनना है। वहीं महारत्न का दर्जा प्राप्त ओएनजीसी देश की सबसे बड़ी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस कंपनी है, जो भारतीय घरेलू उत्पादन में लगभग 71 फीसदी का योगदान देती है।

निवा बूपा का आईपीओ सात नवंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 70–74 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वास्थ्य बीमा कंपनी निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस लिमिटेड अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूरी तरह तैयार है। निवा बूपा इंश्योरेंस का आईपीओ निवेशकों के लिए गुरुवार, 07 नवंबर को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 70-74 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस लिमिटेड का आईपीओ 07 नवंबर को खुलेगा, जो सोमवार 11 नवंबर, 2024 को बंद होगा। इसमें एंकर निवेशक आईपीओ खुलने से एक दिन पहले 6 नवंबर को बोली लगा सकते हैं। कंपनी की योजना इस आईपीओ के माध्?यम से 2200 करोड़ रुपये जुटाने की है। इसके लिए मूल्य दायरा 70-74 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय है। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस लिमिटेड के आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 200 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 200 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। यह आईपीओ 800 करोड़ रुपये तक के नए निर्गम और बूपा सिंगापुर होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड, फेटल टोन एलएलपी द्वारा 1,400 करोड़ रुपये तक की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण है। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त इनकम का उपयोग 1,500 करोड़ रुपये की सीमा तक पूंजी आधार को बढ़ाने, शोधन क्षमता के स्तर को बनाए रखने, मजबूत करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस लिमिटेड एक भारतीय स्वास्थ्य बीमा कंपनी है, जिसकी स्थापना 2008 में हुई थी। इस कंपनी का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थि?त है। निवा बूपा वित्त वर्ष 2023-24 में 54.94 अरब रुपये के समग्र स्वास्थ्य जीडीपीआई के आधार पर देश की तीसरी सबसे बड़ी और दूसरी तेजी से बढ़ती एसएएचआई है। ये कंपनी धोखाधड़ी के दावों की पहचान करने के लिए मशीन लर्निंग आधारित एल्गोरिदम और लॉजिस्टिक्स रिग्रेशन मॉडल का उपयोग करती है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 10 नवंबर

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी इस योजना के लिए आधिकारिक वेबसाइट https://pminternship.mca.gov.in/login पर 10 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं। इस योजना के तहत 21-24 वर्ष की आयु के उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र हैं। योजना के तहत भारत की टॉप 500 कंपनियों में 12 महीने तक इंटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि पीएम इंटर्नशिप योजना के लिए आवेदन करने का मौका न चूकें! अंतिम कॉल का इंतजार न करें! इच्छुक और योग्य कैंडिडेट्स को सलाह दी जाती है कि वे आधिकारिक पोर्टल पर जाकर इस योजना के लिए आवेदन कर दें, क्योंकि इस योजना के लिए आवेदन की प्रक्रिया 10 नवंबर को बंद हो जाएगी। अपने भविष्य को आकार देने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं!

मंत्रालय के मुताबिक करीब 800 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस योजना की शुरुआत 2 दिसंबर से पायलट प्रोजेक्ट्स के तहत इंटर्नशिप के लिए होगी। इसकी घोषणा केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 में की थी।

कॉर्पोरेट मंत्रालय द्वारा विकसित https://pminternship.mca.gov.in/login/ पोर्टल डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू. पीएमइंटर्नशि.एमसीए.जीओवी.आईए न के जरिए इस योजना को लागू किया गया है। प्राप्?त जानकारी के मुताबिक पहली बार शुरू हुई इस योजना के तहत अभी 280 कंपनियों की ओर से 1,27,000 इंटर्नशिप के ऑफर दिए गए हैं। इस योजना के पायलट प्रोजेक्ट के लिए सवा लाख इंटर्नशिप देने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत 25 नवंबर से चयनित युवाओं को ऑफर लेटर भेजा जाएगा, जबकि 2 दिसंबर से चुने गए युवाओं की इंटर्नशिप शुरू हो जाएगी। यह पोर्टल उम्मीदवारों के पंजीकरण के लिए अभी खुला है। उम्मीदवार https://pminternship.mca.gov.in के माध्यम से पोर्टल पर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना शुरू की है। इसके तहत देश के उन सभी नागरिकों को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करने के लिए जिन्होंने अपनी शिक्षा पूरी कर ली है और वर्तमान में बेरोजगार हैं। योजना के तहत प्रशिक्षु को 12 महीने तक 5 हजार रुपये मासिक वित्तीय सहायता और 6 हजार रुपये का एकमुश्त अनुदान भी दिया जाएगा। ये योजना 12 महीनों के लिए भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप करने और सर्वश्रेष्ठ से सीखने का अवसर प्रदान करेगी।

एलोवेरा-विटामिन ई का कैप्सूल ऐसे लगाएं, मिलेगा कई स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा

विटामिन ई और एलोवेरा दो ऐसे इनग्रेडिएंट्स हैं जो आपको कई स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा दिला सकते हैं तो चलिए जान लेते हैं इसे लगाने का सही तरीका और क्या मिलेंगे फायदे.

एलोवेरा ज्यादातर घरों में मिल जाता है और ये एक ऐसा फ्री का इनग्रेडिएंट है जो स्किन के लिए कुदरत के वरदान से कम नहीं है. इसमें मौजूद प्रॉपर्टीज त्वचा को हाइड्रेट करती हैं साथ ही कई स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा दिलाने में भी कारगर हैं. यहां तक कि अगर थोड़ी बहुत स्किन जल जाए तो जलन से भी एलोवेरा तुरंत राहत दिलाने का काम करता है. इसके अलावा विटामिन ई स्किन को हेल्दी बनाए रखने के लिए जरूरी होता है. इसलिए डाइट में विटामिन ई से भरपूर फूड्स को शामिल करने की सलाह दी जाती है. विटामिन ई के कैप्सूल भी आते हैं जो स्किन पर अप्लाई किए जा सकते हैं. एलोवेरा और विटामिन ई का कॉम्बिनेशन स्किन के लिए कमाल होता है.

एलोवेरा की पत्तियां लेकर उसका जेल निकाल लें और इसमें एक विटामिन ई का कैप्सूल एड करें. दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करके चेहरे से गर्दन तक अप्लाई करें. इसके बाद कम से कम 20 से 25 मिनट लगाएं और चेहरा धो लें. इस पैक को रात में लगाने से काफी फायदा मिलेगा. तो चलिए जान लेते हैं कि इससे किन स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा पाया जा सकता है.

ड्राई स्किन बनेगी स्मूद

एलोवेरा और विटामिन ई के कैप्सूल को मिलाकर हफ्ते में दो बार अप्लाई करने से आपको काफी जल्दी इसका रिजल्ट देखने को मिलेगा. ड्राई स्किन वालों के लिए ये एक बेहतरीन पैक है. सर्दियों के दिनों में भी स्किन में रूखापन बढ़ जाता है. ऐसे में ये पैक स्किन को हाइड्रेट करके मुलायम बनाए रखने में मदद करेगा.

दाग-धब्बों का होगा सफाया

विटामिन ई का कैप्सूल और एलोवेरा जेल मिलाकर लगाने से चेहरे के दाग-धब्बे धीरे-धीरे कम होने लगते हैं. इससे चेहरा क्लीन होता है और साथ ही डलनेस दूर होती है और स्किन पर नेचुरल ग्लो बढ़ने लगता है. इस पैक को आंखों के नीचे लगाने से काले घेरों से छुटकारा भी मिलता है.

डैमेज स्किन रिपेयर होगी

स्किन डैमेज की वजह से चेहरे काफी रूखा और मुरझाया हुआ तो दिखता ही है, इसके अलावा महीन लाइने भी पड़ने लगती हैं. एलोवेरा और विटामिन ई का मिश्रण चेहरे की खोई रौनक लौटाने और त्वचा में कसाव लाने में सहायक है. इससे चेहरे की खोई चमक लौट आती है और स्किन यंग नजर आती है.

पिंपल का होगा सफाया

विटामिन ई और एलोवेरा का पैक लगाने से चेहरे पर होने वाली पिंपल्स की समस्या से भी निजात मिलती है. इसके अलावा स्किन पर होने वाले रैशेज, खुजली और जलन आदि समस्याओं से भी ये दो इनग्रेडिएंट छुटकारा दिलाने में कारगर हैं.

नेहरू का साइंटिफिक टेंपर और कमला हैरिस की साइंटिस्ट मां!

अब चाहे वह कमला हैरिस की मां हों या इंग्लैंड के प्रधानमंत्री रहे ऋषि सुनक के पूर्वज सब 2014 के पहले ही भारत में पैदा हुए। और उन्हें आशावाद, प्रगति का वह माहौल मिला कि वे और ज्यादा तरक्की करने के लिए बाहर निकले। और राजनीति के अलावा बहुत सारे दूसरे क्षेत्रों में तो हजारों लोगों ने उच्च स्तर पर काम किया। कर रहे हैं।

भारतीय मूल की कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी ने देर से और सेंकड च्वाइस में अपना उम्मीदवार बनाया। मगर उन्होंने रिपब्लिक डोनाल्ड ट्रंप को उस घबराई स्थिति में पहुंचा दिया कि वह कचरा उठाने वाले की ड्रेस पहनकर कचरे का ट्रक चलाने लगे। अगर कमला हैरिस जीत गई तो यह हो जाएगा वह हो जाएगा कह कर डराने लगे। यह पढ़कर आपको हमारे यहां के लोकसभा चुनाव और उसमें इस तरह के डराने वाले भाषण याद आ सकते हैं। अब पता नहीं ट्रंप हमारी राह पर चले हैं या हम जब ट्रंप का प्रचार करने अमेरिका गए थे चार साल पहले तब उनसे सीख कर आए हैं। बहुत समानता है। ट्रंप भैंस छीन लेंगे की तरह यह भी कह रहे हैं कि तुम्हारा स्टोव छीन लेगी।चुनाव हैं पता नहीं क्या होता है! 5 नबंबर को वोटिंग हो जाएगी। कमला हैरिस ने बहुत टफ फाइट दी है। और इस चुनाव को अमेरिका के इतिहास का सबसे नजदीकी मुकाबला माना जा रहा है। जीत हार का अंतर बहुत कम रहने का अनुमान है। मतदान बैलट पेपर से होता है रिजल्ट आने में समय लगेगा। हालांकि गिनती वोटिंग खत्म होने के तत्काल बाद शुरु हो जाएगी। और 5 नवंबर की रात, 6 की सुबह तक ट्रेंड मालूम चल जाएगा।जो भी हो! लेकिन चुनाव में आखिरी आखिरी तक दिलचस्पी बरकरार है। वोटिंग से ठीक पहले कमला हैरिस ने अपनी मां का एक फोटो ट्वीटर पर डालकर लिखा है 19 साल की उम्र में अकेली अमेरिका आईं। उनकी मां श्यामला गोपालन। बस इतना ही। अमेरिकी भारतीयों को एक मैसेज कि कैसे भारत के लोग यहां आकर कामयाब बने। लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से एक मैसेज भारत भी आता है कि कैसे आजादी के बाद से भारत में स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में काम हुआ और यहां की अच्छी पढ़ाई से निकले छात्रों को बाहर विदेशों की यूनिवर्सिटी में जगह मिलीं। और साइंस सहित दूसरे क्षेत्रों में भारतीयों ने देश का नाम रोशन किया। कमला हैरिस की मां साइंटिस्ट थी। बायलोजी में काम था। 1958 में अमेरिका पहुंची थी। यहां कालेज पूरा करने के बाद।यह महत्वपूर्ण है। साइंस और शिक्षा सरकार के द्वारा देने की। आज दोनों चीजें खत्म की जा रही हैं। अंधविश्वास को बढ़वा देकर साइंस को कमजोर किया जा रहा है और प्राइवेट शिक्षा को बढ़ावा देकर मुफ्त और सस्ती मिलने वाली सरकारी शिक्षा को।

लेकिन भारत का नाम विश्व में ऊंचा करने वाले सब यहां से सरकारी शिक्षा प्राप्त करके और विज्ञान चाहे उच्च शिक्षा में नहीं लिया हो मगर वैज्ञानिक चेतना लेकर बाहर गए।नेहरू ने आजादी के बाद अपना पहला भाषण नियति से साक्षात्कार ट्रिस्ट विद डेस्टिनी साइंटिफिक टेंपर को मूल आधार बना कर ही दिया था। आज हमारे प्रधानमंत्री के भाषणों से भक्त और मीडिया बहुत खुश होता है। उनके भाषणों की संख्या भी सब से ज्यादा होगी। मगर नेहरू का वह भाषण दुनिया के बेहतरीन भाषणों में शुमार होता है। विश्व के बड़े नेताओं के बीच उनके ऐतिहासिक भाषणों में ट्रिस्ट विद डेस्टिनी रखा जाता है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर, विंस्टन चर्चिल, महात्मा गांधी, नेल्सन मंडेला जैसे विश्व प्रसिद्ध लोगों के ऐतिहासिक भाषणों में नेहरू का भाषण इसलिए जगह पाता है कि उसमें वे भारतीयों में साइंटिफिक टेंपर वैज्ञानिक मिज़ाज पैदा करने की बात करते हैं। आपको बता दें कि भाजपा संघ के लोग जो सबसे ज्यादा हमला नेहरू पर करते हैं वे इसीलिए करते हैं कि नेहरू भारत में वैज्ञानिक मिज़ाज पैदा करना चाहते थे। यही विज्ञान और वैज्ञानिक समझ अंधविश्वास, झूठ, नफरत, अफवाहों की राह में सबसे बड़ा रोड़ा है। वैज्ञानिक मिज़ाज के बाद नेहरू की जो दूसरी सबसे बड़ी बात संघ भाजपा को तकलीफ देती है वह है उनका यह कहना कि अफवाहें देश की सबसे बड़ी दुश्मन हैं। दक्षिणपंथी, प्रतिक्रियावादी, सांप्रदायिक इन्दिरा गांधी यही कहती थीं इन्हें कि सबसे बड़ा हथियार तो यह अफवाहें ही हैं। पहले जुबानी फैलाते थे। अब दस साल से व्हाट्सएप के जरिए और मीडिया के भी।तो भारत के लोग नेहरू के बनाए उच्च शिक्षा संस्थानों, एम्स, आईआईटी, आईआईएम में पढ़े और बाहर गए। आज तो कहा जा रहा है कि जो हुआ 2014 के बाद हुआ। मगर बाहर जाने वाले तो सब 2014 से पहले पढ़ कर निकले। आज तो विदेशों में तीसरी पीढ़ी है। मगर इन सच्चाइयों पर झूठ का आवरण डालने की कोशिश करते हुए कहा गया कि 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी।अब चाहे वह कमला हैरिस की मां हों या इंग्लैंड के प्रधानमंत्री रहे ऋषि सुनक के पूर्वज सब 2014 के पहले ही भारत में पैदा हुए। और उन्हें आशावाद, प्रगति का वह माहौल मिला कि वे और ज्यादा तरक्की करने के लिए बाहर निकले। और राजनीति के अलावा बहुत सारे दूसरे क्षेत्रों में तो हजारों लोगों ने उच्च स्तर पर काम किया। कर रहे हैं।तो अब अमेरिका में मतदान है। एक दिन है अभी शेष। भारतीय मूल का वोटर वहां दूसरा सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। उनके वोट पर दोनों उम्मीदवारों की निगाहें लगी हुई हैं। और प्रचार यह है कि मोदीजी वहां बहुत लोकप्रिय हैं। तो क्या कोई उनकी यह बात कहकर भारतीयों के वोट ले सकता है कि 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी? सिर्फ अमेरिका में ही नहीं किसी भी देश में रह रहा भारतीय यहां पैदा होना गर्व की बात मानता है। अब उसे उलटी पट्टी पढ़ाई जा रही है। मगर वह जो यहां नेहरू इन्दिरा के बनाए शिक्षण संस्थानों में पढ़कर गया है और उसी से उसने परदेस में अपनी पहचान बनाई है वह क्या इस बात को मानेगा कि जो है 2014 के बाद ही है?कमला हैरिस ने अपनी मां का उल्लेख करके बता दिया कि 47 में नेहरू ने कहा था साइंटिफिक टेंपर और प्राइमरी स्कूल में पढ़ रही उसकी मां उसके बाद साइंस पढ़कर ही 1958 में अकेली अमेरिका जा पहुंची। यह होती है साइंस की ताकत। व्यापक रूप से शिक्षा की ताकत।आज जब प्रधानमंत्री कहते हैं कि मैं उस तरह पैदा नहीं हुआ जैसे सब लोग हुए हैं। अवतरित हुआ हूं। नान बायलॉजिकल। कहते हैं नाले के गैस से चाय बना लो। और ऐसी ही बहुत सारी हवा हवाई। दस बीस तो सबको जबानी याद होंगी।और कोई जरा सा भी रिकार्ड देखकर लिखने लगे तो सौ से ऊपर। बादलों में से जहाज निकाल दो रडार नहीं पकड़ पाएगा। विषय नहीं बदला तो हमें भी याद आती चली जाएंगी। इसलिए कमला हैरिस के अपनी साइंस्टिस्ट मां के अकेले अमेरिका आने का इस समय उल्लेख करने से यह सब याद आया। मां श्यामला गोपालन की दूसरी पीढ़ी ने इतनी तरक्की कर ली अमेरिका में कि आज राष्ट्रपति बनने की दौड़ में हैं।पहली अश्वेत महिला, विदेशी मूल की। आज तक महिला नहीं बनीं अमेरिका में राष्ट्रपति। दुनिया का सबसे पुराना लोकतंत्र। और पहली बार कोई करीब है तो वह भारतीय मूल की लड़की। तो भारत के लिए इससे बड़ी गौरव की बात और क्या हो सकती है?प्राउड इंडिया। भारत जो नेहरू ने बनाया था। शिक्षा का जो ढांचा खड़ा किया था। वैज्ञानिक दृष्टिकोण दिया था। और लोगों में नफरत नहीं प्रेम भरा था। मंगलसूत्र लूट लेंगे, भैंस छीन लेंगे का डर नहीं आगे बढ़ने का हौसला भरा था उसी का परिणाम है .

संपादकीय

मोदी की गलतबयानी

किसी भी देश के लिये इससे अधिक शर्मनाक बात और कोई हो नहीं सकती कि उसका नेतृत्व करने वाले व्यक्ति पर मिथ्याभाषी होने का आरोप लगे। उस व्यक्ति के लिये भी यह उतना ही शर्मनाक होगा कि उसे अपनी कोई बात इसलिये वापस लेनी पड़े क्योंकि वह गलत साबित हो जाती है- चाहे वह किसी भी स्वरूप में क्यों न हो! दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में यह भी पहली बार हो रहा है कि प्रधानमंत्री पिछले 10 वर्षों से लगातार गलतबयानी कर रहे हैं, फिर चाहे वह संसद हो या सार्वजनिक सभाएं, चुनावी घोषणापत्र हो या प्रचार रैलियां- नरेन्द्र मोदी इस मामले में अपने उदाहरण स्वयं ही हैं। वे शायद भूल रहे हैं कि एक राष्ट्राध्यक्ष केवल कार्यपालिका प्रमुख नहीं होता वरन वह देश के मूल्यों, आदर्शों एवं नैतिकता का भी संरक्षक होता है। इस मोर्चे पर श्री मोदी ने इसलिये भारत को निराश किया है क्योंकि इस महादेश ने जिन मूल्यों पर चलकर आजादी पाई, यानी सत्य और अहिंसा, वे दोनों ही मटियामेट कर दिये गए हैं।

हिंसा के प्रश्रय के बारे में अनुकूल अवसर पर चर्चा की जा सकती है लेकिन फिलहाल यह प्रसंग इसलिये उठ खड़ा हुआ है क्योंकि नरेन्द्र मोदी के एक बड़े असत्य कथन से देश शर्मसार है। उनकी भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और कार्यकर्ता-समर्थक लज्जित हैं या नहीं- यह तो वे ही जानें। मामला है मोदी द्वारा अपने ही एक ट्वीट को डिलीट करना जो उन्होंने प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के एक भाषण को सन्दर्भ बनाकर पोस्ट किया था। हाल ही में खरगे ने सलाह दी थी कि सरकारों को वे ही वादे करने चाहिये जो वे पूरा कर सकें। हमले का अवसर मानकर अपने एक्स हैंडल पर तत्काल मोदी ने इस आशय का ट्वीट किया कि कांग्रेस की सरकारें झूठे वायदे करती है। उन्होंने कांग्रेस शासित राज्यों के हवाले से कहा कि कांग्रेस की गारंटियां झूठी हैं और इन राज्यों की हालत बहुत खराब है। यह ट्वीट कर मोदी ने मानो बर्र के छत्ते में हाथ डाल दिया। इसका प्रत्युत्तर कांग्रेस के नेताओं ने देकर मोदी को इतना मजबूर कर दिया कि उन्हें एक्स पर से वह ट्वीट हटाना पड़ा।कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मोदी पर तंज कसा कि वे फिर से चुनावी मोड में आ गये हैं। खेड़ा ने बताया कि कर्नाटक सरकार ने पांच की पांच गारंटियां लागू कर दी हैं जबकि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा किये गये 10 में से पांच वायदे पूरे हो चुके हैं। वहीं तेलंगाना सरकार अपना रिपोर्ट कार्ड स्वयं केन्द्र को भेज चुकी है। कांग्रेस नेता यहीं तक नहीं रूके। उन्होंने मोदी से पूछ लिया कि अब वे बतायें कि उनके द्वारा किये गये कितने वादे पूरे हुए हैं। खेड़ा ने व्यंग्य किया कि %लगता है मोदी अपने ट्रोल्स के फॉलोअर बन गये हैं परन्तु वे (ट्रोल्स) भी इतने खराब पोस्ट नहीं करते कि उन्हें अपने ट्वीट्स हटाने पड़ें।% मोदी को मशरूम छोड़कर बादाम खाने की सलाह देते हुए खेड़ा ने कहा कि इससे उन्हें अपने वादे याद आ जायेंगे। उन्होंने मोदी को 100 स्मार्ट सिटी, नमामि गंगा, महिला सुरक्षा, रुपये व पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों को लेकर किये गये वादों की याद भी दिलाई।कांग्रेस पर वादाखिलाफी का ट्वीट करने तथा उसे डिलीट करने को लेकर स्वयं खरगे ने मोदी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि %झूठ, छल, जालसाजी, लूट और प्रचार% मोदी एवं उनकी सरकार को परिभाषित करते हैं। खरगे ने कहा कि 100 दिन के भीतर वादे पूरा करना मोदी का जुमला साबित हुआ है। इसके साथ ही कांग्रेसाध्यक्ष ने कहा कि इसी वर्ष की 16 मई को मोदी ने कहा था कि 2047 के लिये रोडमैप हेतु 20 लाख लोगों से इनपुट लिये गये थे। प्रधानमंत्री कार्यालय से जब सूचना के अधिकार के तहत इस बाबत जानकारी मांगी गई तो मोदी की वह बात भी झूठ साबित हुई है।श्री मोदी ने सत्ता में आने के लिये अनेक ऐसी मनगढ़ंत बातें गढ़ी, जिन्होंने उन्हें गद्दी तक पहुंचाया। अब वे उसे बचाये रखने तथा लम्बे समय तक शासन करने के लिये अनेकानेक तरह के असत्यों का सहारा लेते हैं। खुद की छवि गढ़ने के लिये कभी वे खुद को चाय बेचने वाले गरीब बालक के रूप में प्रस्तुत करते हैं, तो कभी वे अपने को बहादुर बतलाने के लिये गांव के उस तालाब में तैरकर मंदिर का झंडा बदलने की बात करते है जो उस समय मगरमच्छों से भरा था।

दो में से क्या तुम्हें चाहिए मोहब्बत, या खौफ और नफरत

प्रसंगवश हमें राष्ट्रपिता याद आते हैं, जिन्होंने कहा था कि यदि कोई तुम्हें एक गाल पर तमाचा मारे तो तुम दूसरा गाल सामने कर दो। मैत्री और प्रेम गांधीजी की भारतीय राष्ट्रवाद की विचारधारा के दो अहम भाग थे लेकिन हिंदू राष्ट्रवाद हिंसा और नफरत भड़काकर इसके ठीक विपरीत दिशा में काम कर रहा है। मैत्री में कमी और नफरत में बढ़ोतरी की यह प्रक्रिया साम्प्रदायिक राष्ट्रवाद की राजनीति के समानांतर चलती रही है।

भारत के औपनिवेशिक विरोधी संघर्ष के दौरान कई तरह के सकारात्मक सामाजिक बदलाव आए. इनमें से एक था %हिन्दू-मुस्लिम एकता% और सभी धर्मों के लोगों की भारतीय के रूप में एक समग्र पहचान का उदय. औपनिवेशिकता-विरोधी राष्ट्रवादी विचारधारा ने इसे प्रोत्साहित किया और इसके सर्वोत्तम प्रतीक थे महात्मा गांधी, जिन्होंने इसकी खातिर अपने खुले सीने पर तीन गोलियों का वार झेला. उन्होंने लिखा था, %हमें केवल समझौता नहीं चाहिए, हमें चाहिए दिलों का मेल जो इस असंदिग्ध सोच पर आधारित हो कि भारत के हिन्दुओं और मुसलमानों के बीच अटूट एकता के बिना स्वराज कभी न हासिल हो सकने वाला एक सपना बना रहेगा। हिन्दुओं और मुसलमानों में केवल युद्धविराम से काम चलने वाला नहीं है। दोनों के बीच शांति, परस्पर समय पर आधारित नहीं होनी चाहिए. यह एक बराबर लोगों के बीच भागीदारी होनी चाहिए, जिसमें दोनों एक दूसरे के धर्मों का सम्मान करें%।

इसके ठीक विपरीत, धर्म के मुखौटा पहने राष्ट्रवादी होने का दावा करने वाली शक्तियां न केवल उपनिवेश विरोधी संघर्ष में शामिल नहीं हुईं वरन् उन्होंने घृणा और विभाजन के बीज बोए और उन्हें खाद-पानी दिया. आरएसएस के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर ने लिखा, %जर्मन नस्ल का गौरव आजकल चर्चा का विषय है। अपनी नस्ल की शुद्धता और संस्कृति कायम रखने के लिए जर्मनी ने दुनिया को चौंकाते हुए देश से यहूदियों का सफाया कर दिया। यहां अपनी नस्ल का आत्मगौरव की सर्वोच्च भावना प्रदर्शित की गई। जर्मनी ने हमें यह भी दिखाया कि कैसे मूलभूत मतभेदों वाली नस्लों और संस्कृतियों का मिलन लगभग असंभव होता है, यह हिंदुस्तान के लिए एक समझने वाली और इससे लाभान्वित होने वाली बात है% (व्ही, ऑर अवर नेशनहुड डिफाइंड, भारत पब्लिकेशन, नागपुर, 1939)। इसी सोच के चलते आरएसएस ने भारत में मुसलमानों और ईसाईयों के विरूद्ध घृणा फैलाने का अभियान चलाया।

यह अभियान कई दशकों तक अधिक जोर नहीं पकड़ सका लेकिन वर्तमान समय में यह आम सामाजिक सोच का अहम् हिस्सा बनकर उभरा है, जिसके नतीजे में मुस्लिम-विरोधी हिंसा, उन्हें डराने, उनकी लिंचिंग

करने और कई अन्य तरीकों से उन्हें सताने और नुकसान पहुंचाने का अंतहीन सिलसिला जारी है। इसके चलते समाज में वे अलग-थलग होकर सीमित दायरों में सिमट गए हैं और उनके दूसरे दर्जे का नागरिक बन जाने के हालात उत्पन्न हो गए हैं. यह प्रक्रिया अभी भी जारी है और भाजपा-आरएसएस के कई नेता नए-नए तरीके खोज कर घृणा को और गहरा करने में जुटे हुए हैं। वे जुबान पर आसानी से चढ़ने वाले नारों का इस्तेमाल कर मुसलमानों का दानवीकरण कर रहे हैं। %उन्हें उनके कपड़ों से पहचाना जा सकता है, श्मशान-कब्रिस्तान और विभिन्न प्रकार के जिहादों की बात- वोट जिहाद जिनमें सबसे ताजा है - आदि-आदि के एक लंबी सूची है। ऊपर से उसके दो शीर्षस्थ नेताओं ने वर्तमान दौर में इस प्रक्रिया को शिखर पर पहुंचा दिया है।इनमें से एक हैं- गिरिराज सिंह, जो नफरत फैलाने वाले गिरोह के प्रमुख नेताओं में से एक हैं. हाल में उन्होंने कहा, %यदि एक मुस्लिम/घुसपैठिया तुम्हें एक तमाचा मारे, तो सबको मिलकर उसे 100 तमाचे मारने चाहिए...घर में एक तलवार, एक भाला और एक त्रिशूल रखो, उसकी पूजा करो, और यदि कोई आए, तो उससे अपनी रक्षा के लिए इनका इस्तेमाल करो...प्रसंगवश हमें राष्ट्रपिता याद आते हैं, जिन्होंने कहा था कि यदि कोई तुम्हें एक गाल पर तमाचा मारे तो तुम दूसरा गाल सामने कर दो। मैत्री और प्रेम गांधीजी की भारतीय राष्ट्रवाद की विचारधारा के दो अहम भाग थे लेकिन हिंदू राष्ट्रवाद हिंसा और नफरत भड़काकर इसके ठीक विपरीत दिशा में काम कर रहा है। मैत्री में कमी और नफरत में बढ़ोतरी की यह प्रक्रिया साम्प्रदायिक राष्ट्रवाद की राजनीति के समानांतर चलती रही है, विशेषकर बाबरी मस्जिद के ढहाए जाने और उसके बाद चलाए गए कई विभाजक अभियानों के दौरान। केन्द्र में भाजपा के सत्ता में आने के बाद से आरएसएस से जुड़े विभिन्न संगठनों और विभाजक राष्ट्रवाद के मैदानी कार्यकताओं को यह लगने लगा कि वे बिना किसी डर के मनमानी कर सकते हैं।लगभग इसी समय समाज को विभाजित करने वाले एक और नेता योगी आदित्यनाथ, जो बुलडोजर (अ)न्याय के प्रणेता हैं, ने भी %बटेंगे तो कटेंगे% का नारा बुलंद किया है जिसका अर्थ है कि यदि हिंदू बंटे तो उनका कत्लेआम कर दिया जाएगा। इस नारे के कई आयाम हैं और हिंदू राष्ट्रवाद के शीर्षस्थ संगठन ने इसे अनुमोदित कर दिया है। %राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शनिवार (26 अक्टूबर, 2024) को उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विवादस्पद टिप्पणी - %बटेंगे तो कटेंगे% जिसके जरिए उन्होंने दावा किया कि यदि हिंदू बंटे तो मारे जाएंगे, का समर्थन कर दिया। आरएसएस के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि- हिंदुओं की एकता का आह्वान करने वाला यह नारा हमेशा से संघ का संकल्प रहा है।

इसके कई पहलू हैं। पहला यह कि आरएसएस के रणनीतिकार यह मानते हैं कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के कमजोर प्रदर्शन की वजह यह थी कि दलित मतदाताओं का झुकाव इंडिया गठबंधन की ओर हो गया था जो सामाजिक न्याय की अवधारणा के पक्ष में दृढ़ता से खड़ा था और जिसने जाति आधारित जनगणना का समर्थन किया था। लेकिन यदि दलित और अन्य पिछड़े वर्ग इंडिया गठबंधन के साथ हो लेते हैं तो हिंदुओं का कत्लेआम किसके द्वारा किया जाएगा? इस नारे के अनुसार ऐसा मुसलमान करेंगे। लेकिन, इसके विपरीत पिछले 75 सालों से तो उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। संघ परिवार यहां 2024 में हुए जनांदोलन के बाद बांग्लादेश में हुई हिंदुओं की दुदर्शा का अप्रासंगिक मुद्दा भी उठा सकता है। पाकिस्तान तो हिंदुओं की दुर्दशा का ढोल पीटने के लिए हमेशा से एक सदाबहार उदाहरण रहा ही है।सभी भारतीयों का एक होना स्वतंत्रता आंदोलन का मुख्य बिंदु था। उपनिवेश विरोधी संघर्ष में भारतीयता हमारी एकता का प्रमुख आधार थी जो हमारे संविधान में भी प्रतिबिंबित होता है। 20वीं सदी के महानतम हिंदू, गांधी ने कभी हिंदुओं की एकता की बात नहीं कही। न ही मौलाना आजाद और खान अब्दुल गफ्फार खान ने कभी मुसलमानों की एकता का आह्वान किया।भाजपा को %कतार में सबसे पीछे खड़े व्यक्ति% के भले की कोई चिंता नहीं है। उसकी विचारधारा, क्रियाकलाप और बातें सभी एकताबद्ध भारत के विपरीत हैं। वह राहुल गांधी (आरजी) की %मोहब्बत की दुकान% वाली बात का मखौल बनाती है और राहुल गांधी के आरएसएस के नेताओं से मुलाकात न करने पर सवाल उठाती है। पलटकर यह सवाल किया जा सकता है कि आरएसएस क्यों आरजी से मिलना चाहती है? आरएसएस जानता है कि उसकी राजनीति नफरत (मुसलमानों, ईसाईयों और हिंदू राष्ट्रवाद के विरोधियों के प्रति) पर आधारित है, वहीं आरजी भारत के प्रेम और मैत्री के राष्ट्रीय चरित्र में प्राण फूंकने का प्रयास कर रहे हैं, जिन पर हमारे संविधान में जोर दिया गया है।आखिर राहुल गांधी की उन विचारकों से मुलाकात करने में दिलचस्पी क्यों होगी जिनके विचारों के खिलाफ वे अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं?यदि आरएसएस चाहता है कि राहुल गांधी उनसे मिलें, तो उसे अपनी विभाजक विचारधारा में आमूलचूल बदलाव करना पड़ेगा और भारतीय संविधान के मूल्यों को अपनाना पड़ेगा, जिसके केन्द्रीय मूल्य हैं भारतीय के रूप में हमारी आपसी एकता और धर्म की सीमाओं के परे आपसी भाईचारा।

व्यस्त रहो खुश रहो

अगर आप कामकाजी हैं तो तय है कि आप पर काम का बोझ भी ज्यादा होगा। अपने काम के इस बोझ को खुद पर हावी न होने दें। अपने व्यवहार में हल्का-सा बदलाव लाकर न सिर्फ आप खुश रहकर ऑफिस में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकती हैं, बल्कि अपने रिश्तों को भी पहले की तुलना में बेहतर तरीके से सहेज और संवार सकती हैं।

कार्यस्थल हो या घर, यदि आप अपने काम से खुश नहीं हैं तो इसका प्रभाव आपके काम पर पड़ता है। यह संभव है कि आपके आसपास का माहौल तनाव और चिंता उत्पन्न करने वाला हो, पर यह भी सही है कि जटिल परिस्थितियों का सामना करने के लिए स्वस्थ मस्तिष्क और शरीर की जरूरत होती है। अस्वस्थ जीवनशैली और कार्यस्थल का तनाव आपके लिए गंभीर परिणाम देने वाला साबित हो सकता है। तन को स्वस्थ रखने के लिए जहां अच्छा खान-पान और स्वस्थ जीवनशैली होना जरूरी है, वहीं स्वस्थ मस्तिष्क और असरदार काम के लिए सकारात्मक सोच का होना जरूरी है।

व्यस्त रहना यानी संबंधों को मधुर बनाना

जर्नल ऑफ फैमिली साइकोलॉजी के अनुसार कार्यस्थल पर जिम्मेदारी वाले काम करते हुए व्यस्त रहने वाली महिलाएं अपनी शादी से अधिक खुश रहती हैं। चार साल तक किए गए इस अध्ययन में 169 जोडे शामिल किए गए। यह सर्वे उन महिलाओं के लिए हैरतभरा हो सकता है, जो निजी जीवन और काम की व्यस्तता के बीच खुद को हर समय तनावग्रस्त महसूस करती हैं। आमतौर पर माना भी यह जाता है कि कार्यस्थल पर व्यस्त रहने वाली महिलाओं की शादीशुदा जिंदगी में खुशियां कम होती जाती हैं। शोध में कार्यस्थल पर काम और पति के साथ संबंधों का अध्ययन किया गया है। इस नतीजे के संभावित कारण इस प्रकार हो सकते हैं..

करियर में सफल होना आत्मविश्वास को बढ़ाता है। कार्यस्थल पर व्यस्त रहने वाली महिलाएं अपने बारे में अच्छा महसूस करती हैं। संतुष्टि की यह भावना संबंधों पर भी सकारात्मक असर डालती है। पति-पत्नी दोनों का व्यस्त रहना दोनों के बीच समानता का संबंध उत्पन्न करता है, साथ ही घरेलू जिम्मेदारियों में आपसी सहयोग भी बढ़ाता है। एक-दूसरे के लिए समय कम मिलने की विवशता को समझते हुए पति-पत्नी, एक-दूसरे के साथ अधिक से अधिक क्वालिटी समय बिताने की कोशिश करते हैं।

कार्यस्थल पर यूं रह सकती हैं खुश

अच्छा चुनाव करें- करियर के संबंध में गलत फैसले बड़े महंगे साबित होते हैं। अत- कोई भी निर्णय सोच-समझकर लें। यदि काम आपकी रुचि और एटीट्यूड के मुताबिक है तो आप उसे कम समय में या चुनौतियों के बीच भी बेहतर तरीके से कर सकेंगी। ऐसे करियर में जाना आपको तरक्की की ओर ले जाता है।

अपने एटीटयूड को बदलें

जीवन की तरह करियर में भी काफी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। जब अच्छा हो रहा होता है, तो आपको अच्छा लगने लगता है। पर, जब चीजें विपरीत होती हैं तो निराशा और उदासीनता जन्म लेने लगती हैं। ऐसे में सकारात्मक दृष्टिकोण होना मददगार साबित होता है। ध्यान रखें कि आपके अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक एटीटयूड बेहद अहम है।

दूसरों को दोष न दें

ऑफिस में काम समय पर पूरा नहीं होना, कभी काम में अधिक गलतियां रहना, घर के सदस्यों और ऑफिस के सहकर्मियों के साथ मतभेद होना या तरक्की न मिलना, अपने साथ कुछ भी बुरा होने का कारण दूसरों को मानने लगना हमारे दुख को और बढ़ा देता है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि आप काम और तनाव की दोहरी जिम्मेदारियां संभाल रही हैं, ऐसे में कभी-कभार कामों के अव्यवस्थित होने की गुंजाइश भी रहती है। पर यदि आप ऐसे समय में अपनी प्रतिक्रिया पर नियंत्रण करके दूसरों को दोषी नहीं ठहरातीं तो आप खुद को बड़े तनाव से बचा सकती हैं। ऐसा करने से दूसरों के साथ संबंधों में खटास भी नहीं आएगी।

हर काम के लिए खुद को दोषी न ठहराएं

जितना दूसरों को दोषी न ठहराना खुश रहने के लिए जरूरी है, उतना ही जरूरी यह भी है कि आप अपने या दूसरों के साथ होने वाली हर बात के लिए खुद को दोषी न ठहराएं। दूसरों के लिए दुखी होना या उनके प्रति सहानुभूति होना आपकी संवेदनशीलता को दिखाता है, पर यदि आप हर बात के लिए खुद को दोषी मानती हैं तो इससे दूसरों के लिए आपको कटघरे में खड़ा करना आसान हो जाता है। लगातार ऐसा होना आपमें हीनता का भाव उत्पन्न करेगा और आप दूसरों के व्यवहार से दुखी भी रहेंगी। आपके आसपास जो भी हो रहा है, इसके लिए खुद को दोषी ना ठहराएं।

क्रोध से मुक्ति

जटिल परिस्थितियों में गुस्सा आना सबसे आसान प्रतिक्रिया होती है। आक्रोश में ना आते हुए अपनी बात सही व स्पष्ट शब्दों में पहुंचाना सही होता है, पर बिना जाहिर किए लंबे समय तक अपने गुस्से को बनाए रखना आपकी ऊर्जा और उत्साह को कम कर देता है। बेहतर है कि आप खुद को और दूसरों को क्षमा करना सीखें, साथ ही उन कारणों को भूलने का प्रयास करें, जिनके कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। आप तुरंत ऊर्जावान महसूस करेंगी और काम के प्रति आपको अच्छा लगने लगेगा।

खाना खजाना

स्वाद भरा बेसन ढोकला

सामग्री - बेसन -2 छोटी कटोरी, नींबू का रस - 2 चम्मच, नमक -स्वादानुसार, तेल - 3 छोटे चम्मच, फरूट साल्ट - 1 छोटा चम्मच, हल्दी -1 छोटे चम्मच, अदरक - 1 इंच कद्दूकस की हुई

गार्निश के लिए - राई - 1 छोटा चम्मच, हरी मिर्च - 2 से 3 लंबी कटी हुई, नमक - आधा छोटा चम्मच, चीनी - 1 छोटा चम्मच, तेल - 1 छोटा चम्मच, हरा धनिया - आधी छोटी कटोरी, एक नींबू - रस निकला हुआ

विधि - बेसन को एक बाऊल में डाल लें, उसमें नमक, नींबू का रस, तेल, अदरक का पेस्ट और हल्दी डाल कर पानी की मदद से अच्छी तरह मिला लीजिए। याद रहे गुठली नहीं पडनी चाहिए, अगर आप को पेस्ट गाढ़ा लगता है तो पानी और डालें। पेस्ट को उतना गाढ़ा रखें जितना इडली बनाने के लिए रखते हैं। अब बेसन के पेस्ट को 20 मिनट के लिए ढक कर रखें, ताकि बेसन फूल जाए। एक पतीले में 2 गिलास पानी डाल लें, उसके अन्दर एक जाली वाला स्टैंड रखिए और पतीले को अच्छी तरह ढक दीजिए, गैस को मद्धम आंच पर चलाएं। 20 मिनट बाद बेसन को चम्मच से अच्छी तरह मिला लें और उसमें फरूट साल्ट डाल लें। पेस्ट को चम्मच से मिला लीजिए, पेस्ट को ज्यादा देर तक मिलाना नही है क्योंकि ज्यादा मिलाने से फरूट साल्ट में से हवा निकल जाएगी। थाली में चारों तरफ तेल लगा लें, फिर पेस्ट को उसमें डाल दीजिए। उस थाली को पतीले में स्टैंड के ऊपर रख कर ढक दें। अब 15 से 20 मिनट तक आग पर पकने दीजिए। फिर चाकू को ढोकले के अंदर डाल कर देखिए कि चाकू पर चिपक तो नहीं रहा, अगर ढोकला चिपक रहा हो तो गैस को थोड़ा और चलने दीजिए। जब ढोकला चिपकना बन्द हो जाए तब गैस बन्द करें और ठंडा होने के बाद चाकू से चारों तरफ से ढोकले को निकाल लीजिए। ढोकले को आप एक प्लेट में निकाल लीजिए । उसके बाद ढोकले को किसी भी साइज में काट लें। इसे बर्फी या चौकोर शेप में काटा जाता है। अब पैन में एक चम्मच तेल डाल लें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें राई डाल दीजिए और राई के चटकने के बाद हरी मिर्च डालें। चम्मच से 2 से 3 बार चला लीजिए उस के बाद नमक और चीनी डालिए, उसमें एक कटोरी पानी डालें। उबाल आने तक पकने दें, उसके बाद गैस बंद करें और ठंडा होने के बाद ढोकले के ऊपर चम्मच की मदद से डाल दीजिए। इस तरह से डालिए ताकि पूरा पानी ढोकलों के ऊपर आ जाए। ढोकला बन कर तैयार है।

सब्जियों से सजा लाजवाब ब्रैड पिज्जा

सामग्री - ब्रैड - 4 पीस, प्याज - 1 बारीक कटा हुआ, टमाटर - 1 बारीक कटा, गाजर - 1 कद्दूकस की हुई, शिमला मिर्च - 1 बीज निकाल कर बारीक कटी हुई, हरी मिर्च कटी हुई - 1 छोटा चम्मच, धनिया - थोड़ा-सा बारीक कटा हुआ, चिली सॉस - आधा छोटा चम्मच, सूजी - एक चौथाई कप, मलाई - एक-चौथाई कप, नमक - स्वादानुसार, तेल - 1 छोटा चम्मच

विधि - ब्रैड स्लाइस तिकोने काट लीजिए, बाकी सामग्री अच्छी तरह मिला लीजिए और उसे 5 मिनट के लिए रख दीजिए। ब्रैड के टुकड़ों पर एक तरफ सारी सामग्री फैला दें। एक नॉन स्टिक तवे पर तेल डालें, जब तेल गर्म हो जाए तब उसमें ब्रैड के टुकड़े रख दीजिए और उन्हें हल्की आंच पर भूरा होने तक दोनों तरफ से सेंक लें। ब्रैड पिज्जा बन कर तैयार है, टमाटर की चटनी के साथ गर्मा-गर्म परोसें।

काजू चिक्की

सामग्री - 250 ग्राम काजू, 250 ग्राम चीनी या गुड़, 2 छोटे चम्मच घी

विधि - काजू को 2 टुकड़ों में काट लीजिए। कड़ाही में एक छोटा चम्मच घी डाल कर गर्म कीजिए, घी में चीनी डालिए और मिला दीजिए। तेज या मध्यम आग पर चीनी को पिघलने दीजिए। चीनी को चम्मच से लगातार चलाते रहिए, चीनी तले में लगनी नहीं चाहिए।जैसे ही चीनी पूरी तरह पिघल जाए, आग बन्द कर दीजिए, कटे हुए काजू डाल कर अच्छी तरह मिलाइए। चिकनी की गई थाली या समतल जगह को चिकना करके, काजू मिश्रण को उसके ऊपर रखिए, बेलन को घी लगाकर चिकना कीजिए, चिक्की के मिश्रण को इच्छानुसार पतला या मोटा बेल लें। चिक्की के गर्म ही रहने तक जिस आकार में आप चिक्की के टुकड़े करना चाहते हैं यदि चाकू से निशान डाल दें, तो टुकड़े उसी आकार में तोड़े जा सकते हैं। ठंडा होने पर चिक्की के टुकड़े चाकू से नहीं, हाथ से ही अपने पसन्द अनुसार कर लीजिए। तैयार काजू की चिक्की को एयर टाइट कंटेनर में भर कर रख लीजिए।

केसरिया लड्डू

सामग्री - बेसन तीन कटोरी (दरदरा पिसा हुआ), चीनी दो कटोरी, - इलायची पाऊडर एक छोटा चम्मच, एक-चौथाई कटोरी काजू अथवा बादाम, केसर 5-6 लच्छे, चुटकी भर मीठा पीला रंग, देसी घी तलने के लिए, एक-चौथाई कप दूध

विधि - बेसन को छान कर उसमें चुटकी भर मीठा पीला रंग मिलाएं और पानी से घोल तैयार कर लें। अब एक पतीले में पानी एवं शक्कर मिला कर एक तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी में थोड़ा-सा पीला रंग और केसर हाथ से मसल कर डाल दें। साथ ही पिसी इलायची भी डाल दें। एक कड़ाही में घी गर्म करके छेद वाली स्टील की छलनी या झारे की सहायता से थोड़ी-थोड़ी करके सारे घोल की बूंदी बनाती जाएं और चाशनी में डालती रहें। जब बूंदी पूरी तरह से चाशनी पी ले, तब हाथ पर हल्का-सा घी या पानी लगा कर हल्के से दबाते हुए सभी बूंदी के लड्डू तैयार कर लें। लड्डू बनाते समय सभी पर एक-एक काजू अथवा बादाम रख कर हाथ से दबा दें। अब गणपति बप्पा को घर पर तैयार किए गए इन खास लड्डुओं का भोग लगाएं।

ऑनलाइन डेटिंग
जोड़ियां बनाने का नया तरीका

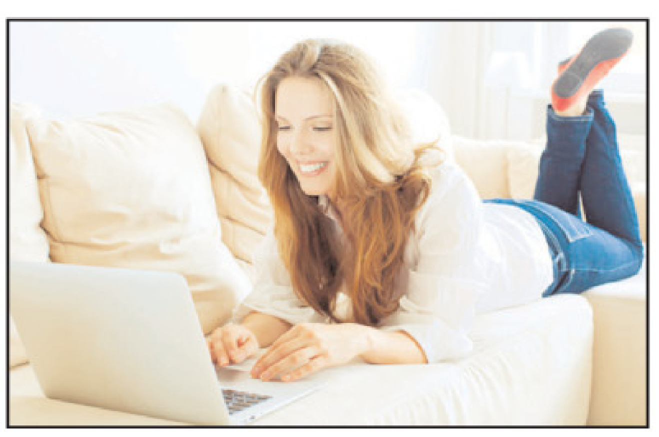

इंटरनैट की मदद से जीवन साथी की तलाश अब कोई नया मुद्दा नहीं रह गया बल्कि अधिकांश युवा एवं प्रौढ़ अकेले रह रहे लोग अपने लिए साथी की तलाश हेतु सोशल नैटवर्किंग की मदद लेने लगे हैं। चैटिंग के माध्यम से एक-दूसरे को जानने के बाद वे लोग पर्सनली मिलना चाहते हैं ताकि इस संबंध को एक प्रैक्टीकल शेप दी जा सके। अगर आप भी इंटरनैट के माध्यम से अपने प्यार की तलाश कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें...

सावधानी जरूरी

- यदि ऑनलाइन साथी की तलाश कर रही हैं तो विभिन्न सर्च इंजन की सहायता लें, साथ ही ऑनलाइन फ्रैंड से रियल लाइफ में मिलने का निर्णय लें तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपकी पहली मुलाकात के लिए वह जगह पब्लिक प्लेस हो।
- इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि ऑनलाइन डेटिंग के बारे में थोड़ी-सी भी लापरवाही आपके लिए खतरा बन सकती है।
- भले ही विदेशों में यह सब काफी कॉमन हो परंतु अब अपने देश में भी ऑनलाइन डेटिंग का क्रेज कम नहीं है। बेशक ऑनलाइन डेटिंग से मनचाहा साथी भी मिल जाता है लेकिन इस आभासी दुनिया में छल करने वालों की भी कमी नहीं है।

साइट्स की पहचान

कुछ साइट्स हैं जो यह निर्णय करती है कि आप किससे मिलें जबकि कुछ साइट्स आपको आवश्यक डेट के बारे में सलाह देती हैं। सबसे जरूरी बात आप इन साइट्स की कीमत को जरूर जांच लें, छोटी और क्षेत्रीय साइट्स को भी नजरअंदाज न करें।

ईमानदारी से बनाएं प्रोफाइल

यह सही है कि ऑनलाइन प्रोफाइल बनाते समय अपनी उम्र, बैकग्राऊंड या आदतों के बारे में झूठी जानकारी देने से बचना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि अपने बारे में बहुत अधिक जानकारी भी न दें और सीक्रेट्स तो बिल्कुल भी शेयर न करें, भले ही आप सामने वाले व्यक्ति को पहचानती ही क्यों न हों।

थोड़ी बेईमानी की उम्मीद

- विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑन लाइन डेटिंग रिलेशन बनाने की अपेक्षा एक तरह से विज्ञापन होता है। यह ऐसा विज्ञापन है जो अतिश्योक्तिपूर्ण कथन और झूठ से भरा होता है।
- दोस्ती करने वाले को यह उम्मीद होती है कि सामने वाला व्यक्ति अपनी बैस्ट फोटो अपलोड करेगा जबकि वह अपनी कम उम्र की फोटो के साथ ही अपने वजन को भी कई किलो छिपा जाता है।
- ये बातें भले ही बहुत छोटी-छोटी नजर आती हैं, फिर भी इसी बात से अंदाजा लगा कर चलें कि वह और भी कई बातों में झूठ बोल रहा होगा, अत- हर बात को स्वयं परखना बहुत जरूरी है।

फ्रॉड से बचें

किसी भी नई तकनीक के समान ही ऑनलाइन डेटिंग के भी कुछ नकारात्मक पहलू हैं। इनमें से सबसे बड़ी बात फ्रॉड की है। बड़ी संख्या में अंतर्राष्ट्रीय सहायता संघ भी वजूद में हैं जो ऑनलाइन डेटिंग साइट्स पर भी मौजूद हैं और अक्सर इस तरह के मैसेज भेज कर दावा करते हैं कि कुछ लोग हैं जो मुसीबत में हैं और उनके पास पैसे नहीं हैं। अगर कोई व्यक्ति विशेषत- जो दूसरे देश से हो तो उससे तुरंत नाता तोड़ लें।

जासूस बनना बुरा नहीं

- जिससे ऑनलाइन मिली हैं और फिर उस व्यक्ति से वास्तव में मिलने जा रही हैं तो उनके बारे में थोड़ी जांच-पड़ताल भी करें।
- इसके लिए मल्टीपल सर्च इंजन का सहारा लें। आपराधिक बैकग्राऊंड की भी जांच करें। इस बात को सुनिश्चित कर लें कि उसके अनुसार जो वह है वह सच है।

बच्चों की शिक्षा में
माँ-बाप की भागीदारी जरूरी

बच्चे के सहज और स्वाभाविक विकास के लिए स्कूल एक महत्वपूर्ण स्थान है। बच्चा स्कूल के माहौल में ही अपने दूसरे साथियों के साथ तालमेल बिठाना सीखता है। उसकी स्वयं की छवि भी स्कूल में जाकर ही बनती है। वहीं पर उसे अपनी कार्यक्षमता का अहसास भी होता है। बच्चे के लिए घर से बाहर की पहली दुनिया स्कूल ही होती है।

आमतौर पर होता यह है कि बच्चे को स्कूल भेजने के बाद कई बच्चों के माता-पिता स्वयं को तमाम जिम्मेदारियों से मुक्त मान लेते हैं। उन्हें लगता है कि बच्चा अब सिर्फ स्कूल की जिम्मेदारी बन गया है। कई बार देखने में आता है कि बच्चों की शिक्षा में माता-पिता जितनी रूचि लेते हैं उसका खासा असर बच्चों की शिक्षा पर पड़ता है। जिन बच्चों के माता-पिता बच्चों के स्कूल से लौट कर आने के बाद उनकी डायरी देखते हैं, समय-समय पर उनका होमवर्क करवाते हैं वे बच्चे पढ़ाई में अपेक्षाकृत ज्यादा अच्छे निकलते हैं।

बच्चे के स्कूल से लौट कर घर आने के बाद मां की जिम्मेदारी बनती है कि वह बच्चे के गुजरे छोटे से छोटे अनुभव के साथ अपनी साझेदारी करे ताकि बच्चा उस माहौल में ढल सके। आमतौर पर देखने में आता है कि बच्चा स्कूल से घर लौट कर आने के बाद गंदे हाथों से ही कुछ भी खा पी कर अपने दूसरे भाई-बहनों के साथ खेलने में लग जाता है और दूसरे दिन जब स्कूल जाने का समय होता है तो उसे अपने अधूरे होमवर्क और गंदी यूनीफार्म में ही बेमन से स्कूल जाना पड़ता है।

बच्चा जब स्कूल से लौट कर आए तो मां को इसके लिए पहले से ही पूरी तैयारी रखनी चाहिए। बच्चे के आने के बाद उसके हाथ-मुंह धुला कर, उसकी यूनीफार्म बदल कर उसे दोपहर का खाना खिलाना चाहिए। बच्चा स्कूल से लौट कर आने के बाद सबसे महत्वपूर्ण स्वयं को ही समझता है। बच्चे के खाना खाने के दौरान ही उसके स्कूल में उसके साथ क्या कुछ गुजरा, विषय पर उससे पूछा जा सकता है।

कामकाजी माता-पिता के बच्चे अकसर स्कूल से लौटने के बाद या तो क्रैच में जाते हैं या फिर घर में आने के बाद घरेलू नौकरों या दादा-दादी के संरक्षण में रहते हैं। ऐसे बच्चों के माता-पिता भले ही दोपहर में न सही लेकिन शाम को आफिस से लौटने के बाद या फिर रात के खाने के समय उसके स्कूल के अनुभवों के बारे में पूछ सकते हैं।

अकसर स्कूल में शिक्षकों की शिकायत रहती कि कामकाजी महिलाएं अपने बच्चों का पूरा ध्यान नहीं रखतीं जिससे ऐसी माताओं को अपराधबोध महसूस होता है। उन्हें इस अपराधबोध से थोड़ा उबरना पड़ेगा। ऐसी महिलाओं को चाहिए कि वह चाहे जहां कहीं भी हों लेकिन बच्चे के स्कूल से आते ही कम से कम उससे फोन पर तो बात कर ही लें।

ध्यान रखें कि आप जो भी समय बच्चे को दे रहे हैं उसकी उपयोगिता हो। यह जरूरी नहीं है कि बच्चे के सामने हर समय मौजूद रहें। लेकिन आपके बच्चे के मन में आपकी मौजूदगी सदा बनी रहे, इसके लिए प्रयास जरूर करें।

जानकारी

घर पर करें 30 सेकंड में ये 3 टेस्ट, आपको पता चल जाएगा स्वस्थ हैं या बीमार

हम किसी न किसी कारण के नियमित रूप से अपनी स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते तो हम आपको ऐसे टेस्ट के बारे में बता रहे हैं, जिनके जरिए आप आसानी से पता लगा सकते हैं कि आप बीमार हैं या स्वस्थ। अधिकतर लोग या कहें हम लोग जब तक बीमार नहीं पड़ते, तब तक किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य जांच नहीं कराते। दरअसल जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है ठीक वैसे हमारी इम्युनिटी कमजोर होने लगती है और हम मौसम बदलने पर बीमार होने लगते हैं। बीमार होने के बाद हम मंहगे-मंहगे टेस्ट कराते हैं तब जाकर बीमारी का पता लगा पाते हैं। डॉक्टर हर दो साल में लोगों को फिजिकल चेकअप कराने की सलाह देते हैं, लेकिन हम सलाह कम मानते हैं और देते ज्यादा हैं। ऐसा करने वाले लोग वर्षों तक अपना मेडिकल टेस्ट नहीं कराते और उनका शरीर रोगों का घर बन जाता है।

अगर आप भी उन लोगों में से हैं, जो किसी न किसी कारण के नियमित रूप से अपनी स्वास्थ्य जांच नहीं करा पाते तो हम आपको ऐसे टेस्ट के बारे में बता रहे हैं, जिनके जरिए आप आसानी से पता लगा सकते हैं कि आप बीमार हैं या स्वस्थ। इन टेस्ट को करने में सिर्फ आपको 30 सेकंड ही लगेंगे, लेकिन ध्यान रखें कि सटीक रिपोर्ट के लिए आप मेडिकल जांच ही कराएं।

हाथों की उंगलियों से जानें स्वास्थ्य

नाखून की जड़ को दबाएं: इस टेस्ट को करने के लिए सबसे पहले आप अपने दाहिने अंगूठे और तर्जनी उंगली से अपने किसी भी नाखून की जड़ को दबाएं। ऐसा करते वक्त आप अपने बाएं हाथ की उंगलियों के ऊपरी हिस्से पर दबाव डालें। ऐसा अपने बाए हाथ के अंगूठे से शुरू करें। अंगूठे को 3 से 5 सेकंड तक पकड़कर रखें। अंगूठे के बाद सभी उंगलियों के साथ इस प्रक्रिया को दोहराएं। इस प्रक्रिया को होने के बाद हाथ को देखें। अगर दबाव के बाद आपकी उंगली का ऊपरी हिस्सा दो सेकंड में सफेद से लाल नहीं हुआ तो समझ लीजिए कि आपके शरीर में रक्त प्रवाह पर्याप्त नहीं हो रहा है।

उंगली के हिसाब से जानें समस्या

अंगूठा: अगर आपको अंगूठे का नाखून दबाने से दर्द हो रहा है, तो यह इस बात का संकेत है कि आपको फेफड़ों की समस्या हो सकती है।

तर्जनी: तर्जनी उंगली आपकी बड़ी आंत से जुड़ी होती है। अगर आपको इस उंगली को दबाने से दर्द होता है तो यह बड़ी आंत में दिक्कत की ओर संकेत करता है। इसके कारण आपको कब्ज की शिकायत हो सकती है।

बीच वाली उंगली और अनामिका: बीच वाली उंगली और अनामिका में दर्द ह्रदय संबंधी समस्याओं की ओर इशारा करता है।

छोटी उंगली: आपके हाथ की सबसे छोटी उंगली में दर्द आपकी छोटी आंत की परेशानी की ओर संकेत करता है।

मुट्ठी बनाकर देखें नसें स्वस्थ हैं या नहीं

इस दूसरे टेस्ट को करने के लिए सबसे पहले आप मुट्ठी बना लें। मुट्ठी को 30 सेकंड के बाद खोलें। हाथ खोलने पर आपको आपकी मुट्ठी सफेद दिखाई देगी। हाथ खोलने के तुरंत बाद अगर आपके हाथ का रंग सफेद से लाल होना शुरू हो जाए तो इसका मतलब ये है कि आपकी रक्त वाहिकाएं सही काम कर रही हैं और आप पूरी तरह से स्वस्थ हैं, लेकिन अगर ऐसा होने में वक्त लग रहा है तो आपकी धमनियों में कुछ परेशानी है। दरअसल मुट्ठी बनाने से रक्त वाहिकाओं पर दबाव पड़ता है और रक्त प्रवाह रुक जाता है और जैसी ही आप हाथ खोलते हैं तो आपका रक्त प्रवाह फिर लौटना शुरू हो जाता है।

अगर हम किसी फुटबॉल खिलाड़ी या किसी भी खिलाड़ी को देखते हैं, तो उसकी हृष्ट-पुष्ट जांघ उसके शरीर की मजबूती का प्रतीक मानी जाती है। यह सच है कि मजबूत जांघ, मजबूत और स्वस्थ शरीर का प्रतीक होती है। हम भी योगासनों से जांघों को हृष्ट-पुष्ट बना सकते हैं, किंतु यह प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में होना चाहिए। आइए जानते हैं पांच योगासनों के बारे में जो जांघ मजबूत करते हैं-

जांघ मजबूत करने के लिए उपयोगी हैं ये आसन

एक बहुत आसान पोज, जो आपकी कमर को राहत देकर आपके कूल्हों और पैरों को वर्कआउट के लिए वार्मअप करता है। इसे ऐसे करें-

- चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं।
- प्रत्येक पैर को जांघ के बाहर की ओर से पकड़ें।
- पैरों को बीच में पकड़ें, जहां आर्क है, ज्यादातर लोगों के लिए ज्यादा सुविधाजनक होता है।
- अपने चेहरे की मांसपेशियों को ढीला छोड़ें और लंबी सांस लेकर इस पोज में एक मिनट तक रहें।

सुप्त बद्ध कोणासन

यह कूल्हों को गतिशील करने के लिए अच्छा पोज है। इस पोज से भी जांघ की अंदरुनी मांसपेशियां मजबूत होती हैं। एक सावधानी बरतें कि लंबी सांस पर ध्यान केंद्रित करें और आप पाएंगे कि आप पैर ज्यादा खोल पाते हैं और ज्यादा देर तक उस पोज में भी रह सकते हैं।

- चटाई पर पीठ के बल लेट जाएं। अपनी बांहों को बगल में शरीर से 45 डिग्री के कोण पर रखें।
- पैरों को घुटने के पास मोड़ें और पैर के तलुओं को नमस्ते के अंदाज में जोड़ने की कोशिश करें।
- अपनी एड़ियों को ग्रोइन के ज्यादा से ज्यादा पास लाने की कोशिश करें, इस दौरान चेहरे या शरीर में तनाव नहीं होना चाहिए।
- ध्यान रखें आपका सिर सीधा होना चाहिए। आंखों को बंद रखें, यह आपको सुस्ताने में मदद करेगा।
- इस पोज में एक मिनट तक रहें और लंबी गहरी सांसें लेना न भूलें।

उपविष्ठ कोणासन

बैठने वाली पोजिशन पैर की कुछ मांसपेशियों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। यह खड़े होकर की जाने वाली पोजिशन के लिए भी अच्छी शुरुआत की तरह होती हैं, जिसमें मजबूती, लचीलेपन और संतुलन की दरकार होती है।

- चटाई पर बैठकर पैरों को तीन से चार फीट चौड़ाई तक फैला लें।
- अब अपने हाथों को चटाई पर रखें। अपने हाथों से जितना हो सके आगे जाएं।
- अपने सिर, गर्दन को पीठ की सीध में रखें।
- इस पोज में लंबी सांस लें। आराम से धीरे-धीरे हर सांस के साथ जमीन की ओर झुकते रहें।
- इस पोज में जितनी देर आराम से रह सके रहें, लेकिन एक मिनट से ज्यादा नहीं।
- पोज से बाहर निकलने के लिए हाथों को धीरे-धीरे वापस लाएं।

परिघासन

- आपकी कमर को बेहतरीन खिंचाव देने के अलावा यह पोज जांघों और ग्रोइन की मांसपेशियों को खोलकर उनका लचीलापन बढ़ाती है।
- चटाई पर घुटनों के बल बैठिए। अपनी एड़ियों को साथ रखें। पैरों की अंगुलियां जमीन पर और पीठ सीधी।
- दाएं पैर को अपनी दाईं ओर जितना हो सके स्ट्रेच करें। घुटना छत की ओर होना चाहिए।
- दाएं पैर के तलुए को जमीन पर रखें।
- अब अपनी दोनों बांहों को सिर के ऊपर ऊठाएं और सीधा रखें।
- धड़ और दाई बांह को लंबे किए हुए दाएं पैर की तरह झुकाएं।
- दाएं हाथ को दाएं पैर पर रखें। (संभव हो तो दाई कलाई को दाई एड़ी पर रखें)
- अपनी हथेली का मुंह छत की तरफ करें।
- अब अपनी बाई बांह को सिर के ऊपर से दाई ओर लाएं, जो लोग लंबी अवधि से योगा करते आ रहे हों, वह अपनी बाई हथेली को दाई हथेली पर रखने की कोशिश कर सकते हैं। इस पोज में आपका बायां कान आपकी बाई बांह के ऊपरी हिस्से को छूना चाहिए और दायां कान दाई बांह के ऊपरी हिस्से को।
- इस पोज में कुछ सांसों तक बने रहिए। (तकरीबन 45 सेकंड तक) उसके बाद शुरुआती पोज में आ जाइए।
- आराम कीजिए और समूची प्रक्रिया को बाई ओर से दोहराइए।

उत्थित त्रिकोणासन

- अंत में एक खड़े होकर किया जाने वाला आसन जो पैर की छोटी मांसपेशियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। यह शरीर के संतुलन को भी सुधारता है।
- चटाई पर पैर चौड़े करके खड़े हो जाएं।
- दाएं पैर को दाई तरफ की दीवार की तरफ मोड़ें।
- संतुलन के लिए बाएं पैर को थोड़ा सा दाई तरफ मोड़ें।
- बांहों को उठाएं। कंधे की ऊंचाई पर लाएं, जब तक कि वह जमीन के समानांतर न हो जाए।
- कमर से दाईं ओर झुकें और दाईं हथेली को पैर पर या जमीन पर (जो भी सुविधाजनक हो) रख दें।
- बाईं बांह को सिर के ऊपर उठाकर सिर को धीरे से बाएं हाथ की ओर मोड़ें।
- इस पोज में 30 से 45 सैकंड तक रहें।
- पैरों को वापस लाते हुए शुरुआती स्थिति में आ जाएं।
- अब इसे दूसरी ओर दोहराएं।
- हर बार सारे आसनों की समाप्ति के बाद पांच मिनट के लिए शवासन करना चाहिए। पीठ के बल लेट जाइए, आंखें बंद कीजिए, शरीर को ढीला छोड़ दें। सिर सीधा रखें। हर मांसपेशी से तनाव को मुक्त कर दें। पैर से लेकर बांह, कंधे, गर्दन और सिर तक। आंखों को बंद रखें। अब करवट लेकर उठकर बैठ जाएं। हथेलियों को रगड़कर गर्म करें। फिर उन्हें आंखों पर रख दें। हथेलियों को हटाए बगैर आंखों को धीरे-धीरे खोलें। हाथ नीचे करें और दिन की शुरुआत सकारात्मक ऊर्जा के साथ करें।

सेहत

ज्यादा नमक खाने से पड़ता है दिमाग पर बुरा असर

याददाश्त ही नहीं बुद्धि भी होती है कमजोर

क्या आप जानते हैं कि अधिक नमक का सेवन करने से दिमाग में खून का प्रवाह 25 फीसदी तक कम हो जाता है? हाल ही में हुए एक शोध में पता चला है कि ज्यादा नमक युक्त आहार का सेवन करने से बुद्धिमत्ता में कमी आ सकती है। एक हालिया शोध में यह दावा किया गया है। दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ने से याददाश्त कमजोर होती है और बुद्धिमत्ता में कमी आ सकती है।

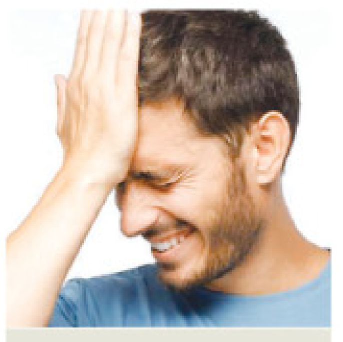

अल्जाइमर का कारण होता है टाउ प्रोटीन

शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने व्यवहारात्मक, सेरिब्रोवस्कुलर और मोलिक्युलर स्तर पर परीक्षण किया। इसमें पाया गया कि ज्यादा नमक का सेवन करने वाले चूहों में नाइट्रिक ऑक्साइड की मात्रा कम थी जिससे दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा ब? गई थी। टाउ का अधिक स्तर अल्जाइमर का कारण माना जाता है।

डिमेंशिया का सबसे प्रमुख कारण है नमक

न्यूयॉर्क स्थित फिल फैमिली ब्रेन एंड माइंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर डॉक्टर गिउसेप्पे फरको इस शोध के प्रमुख शोधकर्ता हैं। इस शोध को जर्नल नेचर न्यूरोसाइंस ट्रस्टेड सोर्सेज में प्रकाशित किया गया है। डॉक्टर फरको ने कहा कि ज्यादा नमक के सेवन और खराब दिमाग की कार्यक्षमता के बीच हमेशा से ही संबंध रहा है और ज्यादा नमक का सेवन करना डिमेंशिया का सबसे प्रमुख कारण है।

चूहों पर किया गया अध्ययन

पूर्व में शोधों में शोधकर्ताओं को पता चला कि ज्यादा नमक के सेवन से चूहों में डिमेंशिया के लक्षण दिखने लगे। नमक ऐसे अणुओं का तेजी से उत्पादन करता है, जिससे शरीर में सूजन आती है। इंटरल्यूकिन-17 अणु दिमाग की कोशिकाएं नाइट्रिक ऑक्साइड बनाना कम कर देती हैं। नाइट्रिक ऑक्साइड रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करता है और रक्त के प्रवाह में मदद करता है। हालांकि, नाइट्रिक ऑक्साइड की कमी से रक्त का प्रवाह कम हो सकता है।

चूहों पर किए गए अध्ययन में देखा गया कि ज्यादा नमक वाले आहार का सेवन करने से उनमें आईएल-17 का स्तर बढ़ गया और नाइट्रिक ऑक्साइड का स्तर कम हो गया, जिससे दिमाग में खून का प्रवाह 25 फीसदी तक कम हो गया।

सोडियम की ज्यादा मात्रा नुकसानदायक

शोधकर्ता फरको और उनकी टीम का मानना था कि सोडियम की ज्यादा मात्रा दिमाग में हो रहे रक्त प्रवाह को बाधित कर डिमेंशिया के खतरे को बढ़ाती है, लेकिन, शोध के बाद पता चला कि रक्त के प्रवाह की कमी नहीं, बल्कि टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ने के कारण याददाश्त में कमी आती है।

शोधकर्ताओं ने आठ हफ्ते के चूहों में से कुछ को सामान्य आहार दिया और कुछ को ज्यादा सोडियम वाला आहार दिया। चार से 36 हफ्तों तक चूहों को आहार दिया गया। इसके बाद वैज्ञानिकों के परीक्षण में पाया गया कि ज्यादा नमक का सेवन करने वाले चूहों में नाइट्रिक ऑक्साइड की मात्रा कम थी, जिससे दिमाग में टाउ प्रोटीन की मात्रा बढ़ गई थी। 04 से 36 हफ्तों तक चूहों को सामान्य और सोडियम वाला आहार दिया गया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2638

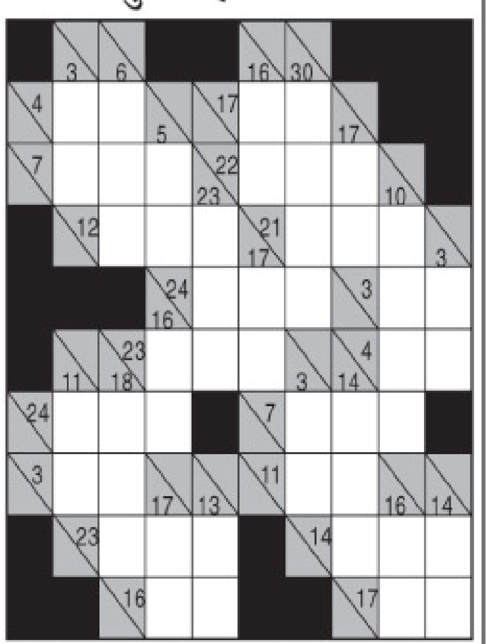

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

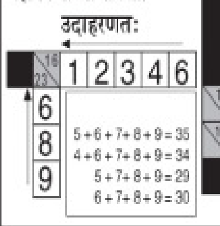

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2637 का हल

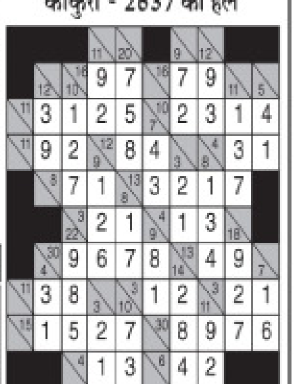

हंसी के फूव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था,'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे........'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी,'वह शक्ति आप में तो है.'

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

बीवी ने मियाँ से पूछा,'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं ?'

मियाँ डरते-डरते,'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2638

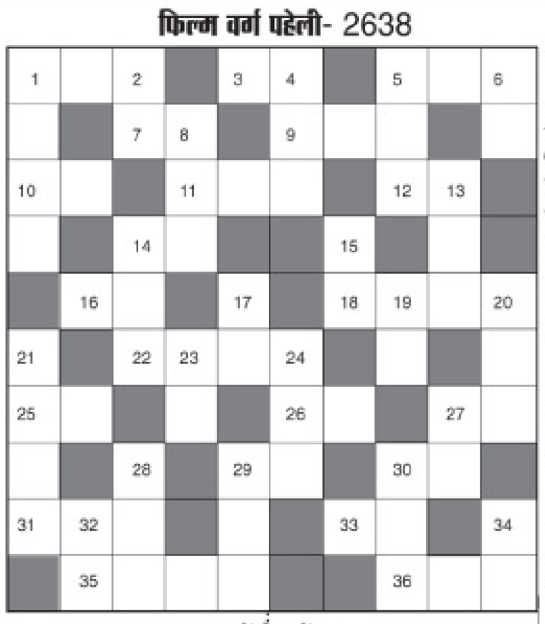

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक ?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका ?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका ?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2637

सूडोकु -2638

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2637 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 2638

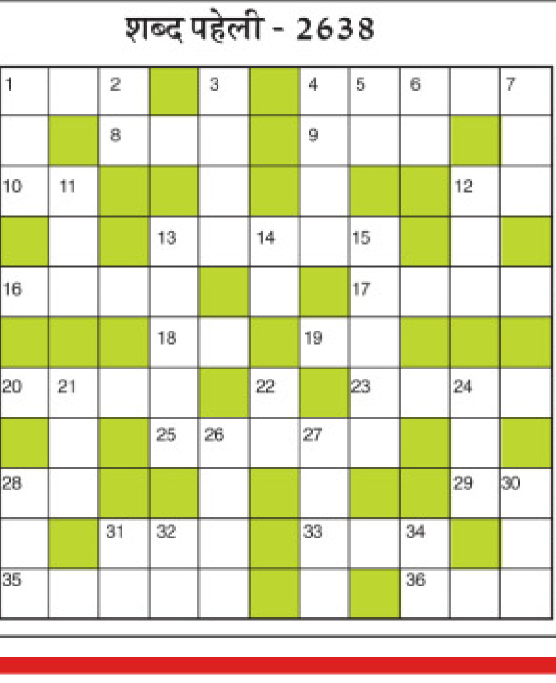

बाएं से दाएं

1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरूरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे

1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली -2637 का हल

गंगा करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र और हमारी संस्कृति है : सी आर पाटिल

एजेंसी

हरिद्वार। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने कहा कि पूरी दुनिया के लिए गंगा सिर्फ नदी है, लेकिन भारत के लिए गंगा पूजनीय है। हमारे जन्म पूजन से लेकर मृत्यु पर्यन्त तक सभी कार्य नदी से जुड़े हैं। इसलिए हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए गंगा को साफ एवं स्वच्छ रखना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ गंगा के सपने को पूरा करने के लिए हम सब प्रयासरत हैं और गंगा के साथ ही अन्य नदियों को साफ रखने के लिए जल शक्ति मंत्रालय की प्राथमिकता है। पाटिल ने लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि हम अपनी आने वाले पीढ़ी के लिए स्वच्छ जल संचित करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री पाटिल हरिद्वार के चंडी घाट पर आयोजित गंगा उत्सव का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। नमामि गंगे घाट पर आयोजित आठवां गंगा उत्सव में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री के अलावा सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत तथा प्रदेश की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य सहित तमाम नमामि गंगे से जुड़े अधिकारी शामिल हुये। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने बीएसएफ की महिलाओं द्वारा देवप्रयाग से गंगासागर तक निकले गंगा यात्रा अभियान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गंगा को स्वच्छ व निर्मल रखने का अभियान चलाया जा रहा है।

बाबा केदारनाथ की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली पहुंची विश्वनाथ मंदिर

गुप्तकाशी। भगवान केदारनाथ की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली सोमवार पूर्वाह्न रामपुर से प्रस्थान कर आज सायं अपने द्वितीय पड़ाव श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी पहुंची। डोली के गुप्तकाशी पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने पूरे यात्रा मार्ग पर स्वागत किया। मंगलवार को बाबा की पंचमुखी डोली शीतकालीन गद्दीस्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर उखीमठ पहुंचेगी। इस दौरान आर्मी की मधुर धुन और स्थानीय कीर्तन मंडली के श्रीमुख से बाबा के जयकारों के बीच बाबा की पंचमुखी उत्सव डोली ने मुख्य मंदिर की तीन परिक्रमाएं पूर्ण कीं। इसके बाद इस डोली को पुनः गर्भ गृह में रखा गया। इस दौरान स्थानीय भक्तों द्वारा शिव भजन भी गाए गए। इसके बाद बाबा केदारनाथ के कपाट बंद होने के बाद बाबा की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली अपने प्रथम पड़ाव रामपुर से अपने अग्रिम पड़ाव के लिए प्रस्थान किया। इस दौरान बाबा बड़ासु, फाटा , मैखंडा, नारायण कोटि मस्ता, नाला आदि गांव के श्रद्धालुओं ने डोली का भव्य स्वागत किया। कल बाबा केदारनाथ की चाल विग्रह उत्सव डोली अपने अंतिम पड़ाव और शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचेगी। यहां पर डोली से पंचमुखी भोग मूर्तियों को उतारकर अगले 6 माह के लिए गर्भ गृह में स्थापित की जाएगी। केदारनाथ बाबा की आगामी छह माह शीतकालीन पूजन अर्चन ओंकारेश्वर मंदिर में संपन्न की जाएगी। इस दौरान मुख्य पुजारी शिव शंकर लिंग, नवीन देवशाली, मुकेश अंथवाल, नवीन सहित हजारों की तादाद में श्रद्धालु मौजूद रहे।

केदारनाथ धाम यात्रा : हेली कंपनियों ने एक अरब दस करोड़ का किया व्यवसाय

एजेंसी

रुद्रप्रयाग/केदारनाथ। इस बार उत्तराखंड में बाबा केदारनाथ धाम की यात्रा ऐतिहासिक रही है। आपदा के बावजूद भक्तों की आस्था कम नहीं हुई। पैदल मार्ग से लेकर धाम तक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने से तीर्थयात्रियों को भी राहत मिली। हेली कंपनियों ने एक अरब दस करोड़ और घोड़े-खच्चरों से एक अरब 31 करोड़ का व्यवसाय किया गया। इस वर्ष 16 लाख 52 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने केदारनाथ धाम की यात्रा को सुव्यवस्थित ढंग से संपादित कराने पर यात्रा व्यवस्थाओं में लगे अधिकारी-कार्मिकों, सुरक्षा बलों, तीर्थ पुरोहितों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष यात्रा में कई चुनौतियां सामने आईं। 31 जुलाई को आई भारी आपदा के कारण केदारनाथ धाम एवं यात्रा मार्ग में फंसे पन्द्रह हजार से अधिक यात्रियों को सकुशल निकाला गया और क्षतिग्रस्त यात्रा मार्ग को तत्परता से कार्य करते हुए एक माह से कम समय में सुचारु किया गया। उन्होंने कहा कि इस कठिन परिस्थितियों के बावजूद भी केदारनाथ बाबा के भक्तों के उत्साह एवं श्रद्धा में कोई कमी नहीं आई और बड़ी संख्या में भक्तों ने बाबा केदारनाथ के दर्शन किए। उन्होंने यात्रा में लगे सभी नोडल अधिकारी-कार्मिकों, सुरक्षाबलों, पुलिस, सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, आईटीबीपी, स्वास्थ्य विभाग की टीम, तीर्थ पुरोहितों, मंदिर समिति सहित मीडिया बंधुओं का भी केदारनाथ यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर प्रमुखता से खबरों का प्रकाशन के लिए आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस को हमेशा झूठे वादे करने की आदत : प्रकाश जावड़ेकर

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने मुंबई में कहा कि चुनाव के समय कांग्रेस को झूठे वादे करने की आदत है। उन्होंने राज्य के मतदाताओं से अपील की है कि किसी ने भी महाविकास आघाड़ी पर विश्वास न करने की अपील की है। प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि कांग्रेस ने उन राज्यों में अपने घोषणापत्र के किसी भी वादे को पूरा नहीं किया है, जहां वह सत्ता में है। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में मुफ्त बिजली का वादा किया। वहां आज बिजली का कोई ठिकाना नहीं है। एक लाख बेरोजगारों को नौकरी देने का भी वादा किया था। वहां राज्य सरकार की नौकरियों में भर्ती बंद कर दी गई है। पुरानी पेंशन का वादा किया गया था और आज के कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। कर्नाटक में भी यही स्थिति है। जब दूध पर सब्सिडी देने को कहा गया तो उल्टा दूध के दाम बढ़ा दिये गये।

मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव से हो रहे युवाओं के सपने साकार, बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्विति हो सुनिश्चित : मुख्यमंत्री

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पांच वर्षों में निजी क्षेत्र में 6 लाख एवं सरकारी क्षेत्र में 4 लाख सहित कुल 10 लाख रोजगार अवसरों के सृजन की निरंतरता में कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। दिसंबर माह में आयोजित होने वाला तीसरा मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव युवाओं के रोजगार के सपने को पूरा करने की दृष्टि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और 'सुराज संकल्प' की दिशा में अहम कदम साबित होगा। शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय पर आगामी मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव की तैयारियों के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरणा लेते हुए प्रदेश में नियमित रूप से मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। विगत दो रोजगार उत्सवों में 28 हजार 200 युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दे चुकी है। अब दिसंबर माह में प्रस्तावित तीसरे मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव में भी हजारों युवाओं को नियुक्तियां दी जाएगी। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार

देने के संकल्प पत्र के वादे को पूरा करने के लिए पारदर्शी एवं समयबद्ध भर्ती परीक्षाओं का आयोजन सुनिश्चित भी कर रही है।

मुख्यमंत्री ने स्थानीय निकाय विभाग को सफाईकर्मियों की भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शीघ्र निस्तारित करते हुए इसे पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपादित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 48 हजार 593 चतुर्थ श्रेणी एवं समकक्ष पदों तथा 3 हजार 170 वाहन चालकों की भर्ती प्रक्रिया भी शीघ्र शुरू करेगी।

मार्च 2025 की स्थिति में रिक्तियों के लिए निकाले भर्ती

उन्होंने विभिन्न विभागों को निर्देशित किया कि वे भर्तियों के संबंध में अभ्यर्थना मार्च 2025 की स्थिति में भिजवाएं, जिससे ज्यादा से ज्यादा पदों पर भर्तियां हो और युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर मिल सके। इस कार्य में कोताही बरतने पर संबंधित विभाग के अधिकारी पर जिम्मेदारी तय की जाएगी।शर्मा ने परिवर्तित बजट 2024-25 की घोषणाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जिला स्तर पर लंबित विकास कार्यों के लिए कलक्टर्स जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर जमीन आवंटन सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने विभिन्न विभागों के उच्च अधिकारियों को महत्वपूर्ण परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों की सतत् मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी प्रदान किए। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता कुलदीप रांका, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास श्रेया गुहा, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख शासन सचिव एवं सचिव उपस्थित रहे।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हाथियों की सतत मॉनीटरिंग के लिए 6 विशेष दल गठित

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्र में गत दिनों हुई 10 हाथियों की मौत के बाद सभी पहलुओं के मद्देनजर सतत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। अपर मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि टाइगर रिजर्व में 6 विशेष दल बनाकर स्वस्थ हाथियों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। खितौली रेंज के बगदरा बीट में रेस्क्यू किये गये हाथी की वन्य-प्राणी चिकित्सकों द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि मानव-हाथी द्वंद एवं वन्य-प्राणी प्रबंधन के लिये हाथियों के मूवमेंट क्षेत्रों से लगे गांवों में मुनादी करायी जा रही है। साथ ही प्रबंधन को मजबूत करने के लिये बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मुख्य वन संरक्षक शहडोल द्वारा 35 स्टॉफ की ड्यूटी लगाई गई है। अपर मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव कृष्णमूर्ति ने बताया कि सोमवार तक सभी मृत हाथियों के बिसरा एवं पानी के नमूने आईबीआरआई जबलपुर, एसडब्ल्यूएफएच जबलपुर और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला सागर भेजे जा चुके हैं। मिट्टी और हाथियों द्वारा खाई गई फसल के नमूने भी लिये गये हैं, जो विश्लेषण के लिये जेएनकेवीवी जबलपुर भेजे गये हैं। विस्तृत लैब परीक्षण रिपोर्ट आने के बाद ही हाथियों की मृत्यु के कारणों का पता लग सकेगा। शासन के निर्णय अनुसार एसआईटी और एसटीएसएफ की टीमें हाथियों की मृत्यु के मामले के सभी संभावित पहलुओं पर लगातार जाँच कर रही है।

कमला हैरिस की जीत के लिए तमिलनाडु में उनके पैतृक गांव में पूजा-अर्चना, गरीबों को मुफ्त भोजन कराने की तैयारी

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु में कमला हैरिस के पैतृक गांव में उनकी जीत के लिए आज पूजा-अर्चना के साथ विशेष प्रार्थना की गई। दक्षिण भारत का यह अपेक्षाकृत अनजान गांव तब चर्चा में आया जब अमेरिका में बाइडेन ने 2020 के चुनाव से पहले हैरिस को अपना उपराष्ट्रपति घोषित किया। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के तमिलनाडु स्थित पैतृक गांव थुलसेंड्रापुरम के निवासियों में उत्साह है। पूरे गांव में उनके चेहरे वाले बड़े बैनर लगाए और पोस्टर चिपकाए गए हैं। गांव के मंदिरों में उनकी जीत के लिए अनुष्ठान का आयोजन किया गया। 20 अक्टूबर 1964 को जन्मीं कमला देवी हैरिस अमेरिकी राजनेत्री और वकील हैं। वह 2021 से संयुक्त राज्य अमेरिका की 49वीं और वर्तमान उपराष्ट्रपति हैं। वे संयुक्त राज्य की पहली महिला उपराष्ट्रपति हैं।

कमला जनवरी 2021 में उपराष्ट्रपति बनीं। वह पहली अफ्रीकी-अमेरिकी उपराष्ट्रपति और

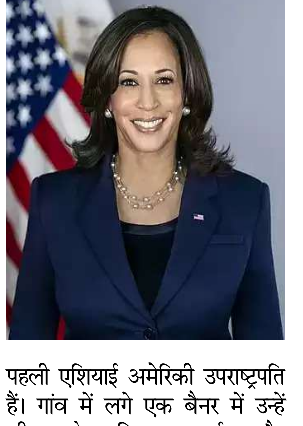

पहली एशियाई अमेरिकी उपराष्ट्रपति हैं। गांव में लगे एक बैनर में उन्हें जीत के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी गई हैं। ग्रामीणों ने उन्हें पत्र भेजकर उनकी जीत की कामना की है यह गांव चेन्नई से करीब 100 किलोमीटर और वाशिंगटन से करीब 14,000 किलोमीटर दूर है। गांव के मुख्य मंदिर धर्मस्था में कमला की जीत के लिए विशेष पूजा की गई है। पूर्व पार्षद अरुलमोझी सुधाकर ने कहा, हम उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए कल सुबह विशेष पूजा करेंगे।उनकी जड़ें भारतीय हैं। हमारे गांव में उनके पूर्वजों का घर है और वह एक ऐसी महिला हैं जो दुनिया के सबसे शक्तिशाली देशों में से एक में इतने बड़े पद के लिए लड़ रही हैं। इससे हमें गर्व है और हम चाहते हैं कि वह जीतें। उन्होंने कहा कि अगर हैरिस जीतती हैं तो तिरुवरुर जिले के पैंगानाडु में अन्नदानम का आयोजन कर गरीबों को मुफ्त भोजन कराया जाएगा।

धूमधाम से निकली भगवान महाकाल की सवारी, मनमहेश रूप में दिए श्रद्धालुओं को दर्शन

एजेंसी

उज्जैन। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल की कार्तिक-अगहन मास में निकलने वाली सवारियों के क्रम में सोमवार शाम को बाबा महाकाल की कार्तिक मास की पहली सवारी धूमधाम से निकाली गई। इस दौरान अवंतिकानाथ ने चांदी की पालकी में सवार होकर नगर का भ्रमण किया और अपनी प्रजा का हाल जाना। सवारी में भगवान महाकाल ने मनमहेश स्वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन दिए। महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि श्रावण-भाद्रपद माह की तरह महाकाल की कार्तिक-अगहन माह में भी सवारियां निकालने की परंपरा है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर सोमवार शाम चार ?बजे मंदिर के सभामंडप में भगवान महाकाल के मनमहेश स्वरूप का पूजन शासकीय पुजारी पं. घनश्याम शर्मा ने किया। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, एसपी प्रदीप मिश्रा, मंदिर समिति के प्रशासक गणेश कुमार धाकड़, सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल

और मंदिर के पुजारी-पुरोहित पूजन में शामिल हुए। विधिवत पूजन-अर्चन के बाद सभामडप से भगवान महाकाल की सवारी राजसी ठाट-बाट के साथ रवाना हुई। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस जवानों ने राजाधिराज को सलामी दी। इसके बाद सवारी नगर की ओर बढ़ी। सवारी गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी होते हुए शाम करीब छह बजे रामघाट पहुंची, जहां जीवनदयिनी मां शिप्रा के जल से भगवान महाकाल का अभिषेक- पूजन किया गया। पूजन-अर्चन के पश्चात भगवान महाकाल की सवारी रामघाट से गणगौर दरवाजा, मोड की धर्मशाला, कार्तिक चौक, खाती का मंदिर, सत?यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौराहा, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार, गुदरी बाजार होते हुए पुनः महाकाल मंदिर पहुंची। कार्तिक एवं अगहन (मार्गशीर्ष) माह में निकाली जाने वाली महाकाल की सवारियों के क्रम में दूसरी सवारी 11 नवंबर,? तीसरी सवारी 18 नवंबर और प्रमुख राजसी सवारी 25 नवंबर 2024 को? निकाली जाएगी। हरिहर मिलन की सवारी रविवार 14 नवंबर को निकाली ?जाएगी। यह रात 12 बजे श्री द्वारकाधीश गोपाल मंदिर पहुंचेगी। ?

भारत तभी उन्नत राष्ट्र बनेगा जब हम वंचित वर्गों को साथ लेकर चलेंगे : रामदत्त

एजेंसी

ग्वालियर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त ने कहा कि भारत तभी उन्नत राष्ट्र बन सकता है जब हम कड़ी से कड़ी मिलाकर समाज के वंचित वर्गों को साथ में लेकर चलेंगे। साथ ही उनकी वेदना को समझते हुए सेवा भाव से कार्य करेंगे। सेवा भारती संगठन इसी भाव के साथ समाज के कमजोर, पिछड़े और बेसहारा लोगों की सहायता कर रहा है।

संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त सोमवार शाम को ग्वालियर में एसएएफ मार्ग कम्पू पर कस्तूरबा गाँधी विश्रांति भवन न्यास द्वारा निर्मित एवं सेवाभारती द्वारा संचालित शिशु कल्याण केन्द्र ÷मातृछाया÷ भवन के लोकार्पण समारोह को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित कर रहे थे। क्षेत्रीय सांसद भारत सिंह कुशवाह के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ग्वालियर के विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी ने की। इस अवसर पर कलेक्टर रुचिका चौहान व एनएचके स्प्रिंग्स संस्था गुरुग्राम के वाइस प्रेसीडेंट संजय बंसल विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन थे।

इस अवसर पर बताया गया कि कस्तूरबा गांधी विश्रांति भवन मातृ छाया शिशु कल्याण केन्द्र का संचालन सेवाभारती द्वारा 2015 से किया जा रहा है। न्यास द्वारा इसे अधिक सुविधाजनक बनाने मातृ छाया के नवीन भवन का निर्माण कराया गया है। यहां परित्यक्त और बेसहारा शिशुओं को मातृ छाया का सहारा मिलेगा। ऐसे नवजात व छोटे बच्चे जो अपने माता-पिता से बिछड़ चुके है या जिन्हें त्याग दिया गया है, उन बच्चों की देखभाल मातृ छाया में की जाती है। साथ ही उन्हें परिवार तक पहुंचाया जाता है। संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा भारती संस्था आर्थिक रूप से कमजोर लोगों, जनजातियों, अनाथ बच्चों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं। सेवा भारती विशेष रूप से समाज के वंचित वर्गों के सशक्तिकरण पर जोर देती है, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें।सांसद भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि आज का कार्यक्रम बहुत ही प्रेरणादायी है। सेवा भारती संस्था द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की भावना के अनुरूप लोगों की सेवा की जा रही है। आज ऐसे भवन का लोकार्पण किया गया हैं, जो बच्चों को ममतामयी छाया देने का कार्य करेगा। सेवाभावी संस्था ग्वालियर के साथ-साथ मध्य प्रदेश में 10 स्थानों पर बेसहारा लोगों की मदद के लिये मातृ छाया केन्द्र संचालित कर रही है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रह्लाद सबनानी ने कहा कि समाज को साथ में लेकर सेवा का कार्य करना सेवा भारती संस्था का मुख्य उद्देश्य है। निराश्रित छोटे-छोटे बच्चों की सेवाभाव के साथ देखभाल की जाती है। खुशी की बात है कि यहाँ आश्रय पाने वाले कुछ बच्चे आज विदेश में बड़ी कंपनियों में कार्यरत हैं।

महाराष्ट्र विस चुनावः 983 उम्मीदवारों ने नामांकन वापस लिया, 8272 उम्मीदवार मैदान में

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में हो रहे विधानसभा चुनाव में 983 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। इससे अब महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए 8272 उम्मीदवार मैदान में हैं। महाराष्ट्र के प्रमुख हर राजनीतिक दलों को अपने ही बागियों का सामना करना पड़ रहा है। सूबे में 20 नवंबर को मतदान होगा और 23 नवंबर को मतगणना होने वाली है। जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए 15 अक्टूबर को अधिसूचना जारी की गई थी। चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर थी। उस दिन तक विधानसभा की 288 सीटों के लिए कुल 10,900 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन भरा था। इन नामांकनों की जांच के दौरान कुल 1654 नामांकन विभिन्न गलतियों की वजह से रद्द कर दिए गए थे। बचे हुए उम्मीदवारों के नामांकनों में आज 983 उम्मीदवारों ने अपना नामांकन वापस ले लिया है। इस तरह बचे हुए उम्मीदवारों के तकदीर का फैसला 20 नवंबर को ईवीएम में बंद हो जाएगा। आज नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख थी। बोरीवली से पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने भाजपा से नाराज होकर नामांकन भरा था लेकिन आज गोपाल शेट्टी ने अपना नामांकन वापल ले लिया है। इसी तरह भायखला से कांग्रेस के पूर्व विधायक मधुकर चव्हाण ने नामांकन भरा था, उन्होंने भी नाम वापस ले लिया है। प्रमुख पार्टियों में बगावत का आलम यह है कि एनडीए गठबंधन के सहयोगी दल शिवसेना शिंदे समूह और राकांपा अजीत पवार के अधिकृत उम्मीदवारों को खुद उनके ही पार्टी के बागी उम्मीदवारों का सामना करना पड़ेगा। इसी तरह की स्थिति सभी प्रमुख दलों की है और सभी दल बागियों से परेशान हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में मप्र और छत्तीसगढ़ साझी संस्कृति को सहेजते हुए विकास के पथ पर अग्रसर : डॉ. मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सांझी संस्कृति को सहेजते हुए विकास के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश दोनों राज्य सगे भाई है। दोनो राज्यों की साझा संस्कृति है, साथ ही साझा विचार और साझा राष्ट्रवादी भाव है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार शाम को रायपुर में छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस समारोह राज्योत्सव को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री और भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में ही छत्तीसगढ़ राज्य का उदय हुआ। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के विकास की असीम संभावनाओं का आंकलन कर निर्णय लिया। आज वनांचल और माइनिंग के साथ-साथ सभी क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ अग्रणी राज्य है। पूरे प्रदेश में विकास के नए आयाम रचे जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब डबल इंजन की सरकार तेजगति से विकास के पथ पर आगे बढ़ रही है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पावन भूमि का संबंध भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से रहा है। मां कौशल्या और माँ शबरी ने भी इस भूमि का उद्धार किया है। माता शबरी के झूठे बेर भगवान श्रीराम के द्वारा खाने का गौरवशाली प्रसंग जनजातीय संस्कृति को गौरवान्वित करता है। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, राजस्थान और गुजरात ये सभी राज्य भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के आध्यात्मिक प्रसंगों को अपने में समेटे हुए है। इस गौरवशाली अतीत को भावी पीढ़ी के सामने लाने के लिए हमारी सरकार मिलकर काम करेगी। भगवान श्रीराम के पदचिन्हों पर बनने वाले श्रीराम वन-गमन पथ के साथ साथ भगवान श्रीकृष्ण के प्रसंग स्थलों को चिन्हित करते हुए धार्मिक तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छत्तीसगढ़ राज्योत्सव का दीप प्रज्ज्वलित और देव नगाड़ा बजाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और अरूण साव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह एवं सांसद ब्रजमोहन अग्रवाल सहित अन्य जन-प्रतिनिधि, समाजसेवी, कलाकार और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

रायपुर में 8 से 11 नवंबर तक होगा भारतीय सड़क कांग्रेस अधिवेशन का आयोजन, गडकरी करेंगे शुभारंभ

एजेंसी

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 08 से 11 नवंबर तक भारतीय सड़क कांग्रेस अ के 83वें वार्षिक अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है। अधिवेशन का शुभारंभ सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी 08 नवंबर को करेंगे। इस अधिवेशन में श्रीलंका, बांग्लादेश, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और सिंगापुर के निर्माण विशेषज्ञ और वैज्ञानिक भाग लेंगे। इस अधिवेशन में सड़क निर्माण के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों, नीतियों और प्रक्रियाओं की जानकारी विशेषज्ञ देंगे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि देशभर से 3000 प्रतिनिधि इस अधिवेशन में शामिल होने रायपुर आ रहे हैं। दुनिया में निर्माण के क्षेत्र में जो नई टेक्नोलॉजी आ रही है, उन सबकी चर्चा यहां पर होगी। हमने निर्धारित किया है कि छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति सभ्यता से पूरे देश के लोगों को परिचित करा सकें। छत्तीसगढ़ की संस्कृति, खनिज, पर्यटन, वन की ताकत को भी हम वहां प्रदर्शित करने वाले हैं। स्थानीय प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार चार दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम में, यह तय किया जाएगा कि विभिन्न राज्यों में किस प्रकार की तकनीकें अपनाई जाएं, जिससे सड़कें अधिक मजबूत, टिकाऊ और सुरक्षित बनाई जा सकें। साइंस कॉलेज मैदान में अधिवेशन के लिए 129 स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों के लिए विशेष रूप से बड़े डोम बनाए जा रहे हैं, जहां सड़क, पाथ-वे, और डिवाइडर के डिजाइन के साथ विभिन्न उपकरण प्रदर्शित किए जाएंगे। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य लोगों को सड़क निर्माण की नवीनतम तकनीकों और प्रगति से अवगत कराना है। उपस्थित लोग इन स्टालों पर जाकर विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और सड़क निर्माण के क्षेत्र में हो रहे बदलावों का अनुभव कर सकेंगे।

एकल पट्टा मामले में क्लीनचिट देकर सरकार का यू-टर्न : पूर्व मंत्री धारीवाल, जीएस संधू, दिवाकर समेत तीन अधिकारियों के खिलाफ दायर किया एफिडेविट

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान सरकार ने एकल पट्टा प्रकरण में अपने रुख में चौंकाने वाला यू-टर्न लेते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक नया एफिडेविट पेश किया है, जिसमें कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल सहित तीन अन्य अधिकारियों पर मामले की स्थिति को फिर से परिभाषित किया गया है। यह मामला 2011 में जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा गणपति कंस्ट्रक्शन के प्रोपराइटर शैलेंद्र गर्ग को जारी एकल पट्टे से जुड़ा है, जिसके खिलाफ 2013 में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में शिकायत दर्ज की गई थी। इस मामले में तत्कालीन एसीएस जीएस संधू, डिप्टी सचिव निष्काम दिवाकर, जोन उपायुक्त ओंकारमल सैनी, शैलेंद्र गर्ग और दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी।

पहले दी गई क्लीन चिट, फिर बदला फैसला

छह महीने पहले, जब सरकार ने सभी आरोपियों को क्लीन चिट दी थी, तब यह कहा गया था कि एकल पट्टा प्रकरण में कोई मामला नहीं बनता है। लेकिन अब, सरकारी पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में स्पष्ट किया है कि एसीबी की पहले की क्लोजर रिपोर्टों में सभी तथ्यों को शामिल नहीं किया गया था, और उन्होंने यह भी दावा किया कि वरिष्ठ अधिकारियों से सलाह नहीं ली गई थी।

एसीबी ने इस प्रकरण में 2014 से ही जांच शुरू की थी, और 2013 में तत्कालीन एसीएस जीएस संधू,

डिप्टी सचिव निष्काम दिवाकर, और जोन उपायुक्त ओंकारमल सैनी जैसे अधिकारियों की गिरफ्तारी की गई थी। फिर भी, सरकार की ओर से उन्हें क्लीन चिट दिए जाने के बाद, इस मामले की गंभीरता को फिर से नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

अदालती निर्णयों का असर

हाईकोर्ट ने पहले एसीबी की दो क्लोजर रिपोर्टों को खारिज कर दिया था, और राज्य सरकार के अधिकारियों के खिलाफ केस वापस लेने की कार्रवाई को सही ठहराया। लेकिन इस बार सुप्रीम कोर्ट में मामला तूल पकड़ रहा है। परिवादी रामशरण सिंह की मृत्यु के बाद, उनके बेटे सुरेंद्र सिंह ने भी केस वापस लेने की सहमति दी थी, लेकिन यह स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार का यह मामला सिर्फ व्यक्तिगत स्तर पर नहीं बल्कि सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

जनहित बनाम राजनीतिक लाभ

भ्रष्टाचार के खिलाफ यह लड़ाई केवल शिकायतकर्ताओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आरटीआई एक्टिविस्ट अशोक पाठक ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई एसएलपी में सही ही कहा है कि राज्य सरकार की ओर से आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के केस को वापस लेना जनहित में नहीं है। इससे यह संदेश जाएगा कि भ्रष्टाचार को नजरअंदाज किया जा सकता है, जो समाज में गलत संकेत भेजता है।

इस प्रकरण से स्पष्ट है कि राजनीतिक आकाओं के दखल से भ्रष्टाचार के मामलों की जांच प्रभावित हो रही है।

एकल पट्टा प्रकरण केवल एक उदाहरण है, जहां भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी हैं और इसे खत्म करने की आवश्यकता है। अगर सरकार सच में ईमानदारी से काम करना चाहती है, तो उसे न केवल मामले की गहराई में जाना होगा, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को भी निभाना होगा। क्या राजस्थान सरकार इस बार सच में बदलाव लाएगी, या यह सिर्फ एक और राजनीतिक ड्रामा है? समय बताएगा।

सलमान खान को फिर मिली जान से मारने की धमकीः 5 करोड़ दो या मंदिर में जाकर माफी मांगो

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। मुंबई पुलिस के सूत्रों के अनुसार, अभिनेता को यह धमकी एक ईमेल के जरिए भेजी गई, जिसमें धमकी देने वाले ने 5 करोड़ रुपये की मांग की है। धमकी में कहा गया है कि अगर सलमान इस राशि का भुगतान नहीं करते, तो उन्हें विश्नोई समाज के मंदिर में जाकर माफी मांगनी होगी। पुलिस ने इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पिछले कुछ समय से सलमान को लगातार ऐसी धमकियां मिल रही हैं। हाल ही में उन्हें सुरक्षा कारणों से सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाने से बचने की सलाह दी गई थी।मामला पहली बार नहीं है कि सलमान खान को इस तरह की धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले भी उन्हें गैंगस्टरों से कई बार धमकियां मिल चुकी हैं, और पुलिस ने इनकी जांच भी की है। मुंबई पुलिस इस धमकी के स्रोत का पता लगाने के लिए विभिन्न एंगल से जांच कर रही है।

क्योंकि हर बच्चा अलग है

बच्चों को लेकर माता-पिता का फिक्र करना स्वाभाविक है, पर इस बात को लेकर बहुत अधिक परेशान होना भी ठीक नहीं है। माना कि बच्चों की परवरिश बड़ी जिम्मेदारी है और आप इस कसौटी पर खरा उतरना चाहती हैं, पर बहुत अधिक फिक्र और बात-बात में टोकने की आदत बच्चों को आपसे दूर कर सकती है, इसलिए इस मामले में बहुत अधिक कॉन्शस होने के बजाय कुछ बातों का खास ध्यान रखें

याद रखें, अगर कोई तरीका आपकी दोस्त के बच्चों की परवरिश में कारगर साबित हुआ है तो इसका यह अर्थ नहीं कि आपके बच्चे के मामले में भी वह सही ही साबित होगा। माता-पिता हमेशा कहते हैं कि हमारा बच्चा दूसरे बच्चों से अलग है। जब ऐसा है तो जाहिर है कि उसकी परवरिश में वे नियम लागू नहीं हो सकते, जो दूसरे अभिभावक अपने बच्चों के साथ अपनाते हैं, इसलिए बच्चों की परवरिश के मामले में किसी की नकल करने से पहले उसके सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के बारे में भली प्रकार से सोच-विचार कर लें। इसके बाद अपनी जरूरत के हिसाब से फैसला करें।

सही बात पर हो फोकस

हम सभी जिंदगी में छोटी-छो टी बातों को लेकर परेशान होते हैं, पर इस चक्कर में उन बातों को भूल जाते हैं जिन पर वास्तव में ध्यान दे ना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को लगातार टोकते रहना ठीक नहीं। बच्चों से थोड़ी- बहुत गलतियां होना स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, सामान को करीने से रखने के बजाय वे उसे इधर- उधर रख देते हैं। हो सकता है कि आप उनसे कोई काम करने को कहें और वे उसे पूरा करने के चक्कर में काम औ र बढ़ा दें। इसके लिए उन्हें बुरी तरह डांटना ठीक नहीं है। इससे कोई फायदा होने वाला नहीं है। उत्तेजित होने से काम नहीं चलेगा, धैर्य रखते हुए बच्चों को अनुशासन सिखाएं। उन्हें बतायें कि किसी काम को करने का सही तरीका क्या है।

अनावश्यक बोझ ठीक नहीं

आप चाहेंगी कि आपका बच्चा सबसे काबिल बने, पर इसकी खातिर उस पर किसी काम का अनावश्यक बोझ लादना ठीक नहीं। विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को एक्टिव रखने के लिए उन्हें विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखना जरूरी है। कई बार इस चक्कर में अभिभावक बच्चों पर जरूरत से ज्यादा बोझ लाद देते हैं। एक मां होने के नाते आपको मालूम होना चाहिए कि बच्चे की क्षमताएं क्या हैं। उसके अनुरूप ही बच्चे के लिए हॉबी क्लासेज या ट्यूशन आदि निर्धारित करें।

जासूसी करना ठीक नहीं

बच्चों की हर बात को अविास की नजर से देखना ठीक नहीं है। कुछ मां-बाप की यह आदत होती है कि वे बच्चों की बातों पर आसानी से विास नहीं करते। बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखना और उनकी जासूसी करने में अंतर है। असंगत बातों को लेकर परेशान होने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। अभिभावक होने के नाते बच्चों को सही-गलत की जानकारी देना आपका फर्ज है, लेकिन उनकी हर बात पर संदेह करना और उनकी जासूसी करना गलत है। अपनी परवरिश पर भरो सा करें। आपको इस बात का यकीन होना चाहिए कि आपने बच्चे को सही-गलत का फर्क भली-भांति समझाया गया है और वे सही फैसला लेने के काबिल हैं।

अपनी अपेक्षाओं पर लगाम कसें

अक्सर मां-बाप बच्चों से कुछ ज्यादा अपेक्षाएं करने लगते हैं, इससे बच्चे तनाव में आ जाते हैं और उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित होता है। अगर किसी मामले में बच्चा निर्धारित लक्ष्य पूरा नहीं कर पाता तो वह बात उसे परेशान करती रहती है। बच्चे के सामने ऊंचे मानक रखकर उसे तनाव में डालने की गलती न करें। इसके बजाय अच्छे प्रदर्शन के लिए उसे प्रेरित करने और उसका उत्साह बढ़ाने की कोशिश करनी चाहिए। उससे हमेशा यह कहें कि कोशिश करने पर सफलता मिलती ही है। ये बातें भले ही छोटी और सामान्य लगें, पर इनका असर सचमुच बड़ा है।

दुष्टों की एकता

एक वन में मदोत्कट नामक एक सिंह रहता था, उसके तीन सेवक थे-बाघ, गीदड़ और कौवा। एक दिन सिंह ने एक ऊंट को देखा, वह अपने काफिले से बिछुड़ गया था। सिंह ने अपने सेवकों को आदेश दिया कि वे यह पता लगाएं कि यह कौन सा जानवर है और जंगली है या पालतू।

कुछ देर बाद कौवे ने बताया, यह गांव में रहने वाला एक पशु है, इसका नाम ऊंट है। यह आपका भोजन है, आप इसे मार डालिए। सिंह ने कहा, यह हमारा अतिथि है। इसे मारना उचित नहीं है। तुम इसे आदर के साथ मेरे पास ले आओ।

कौवा ऊंट को ले आया। ऊंट ने सिंह को प्रणाम किया और अपने साथियों से बिछुड़ने का किस्सा सुनाया। ऊंट की दर्द भरी कहानी सुनकर सिंह को दया आ गई। उसने अपने जंगल में ऊंट को घूमने और घास खाने की इजाजत दे दी।

सिंह की यह उदारता बाघ, गीदड़ और कौवे को अच्छी नहीं लगी, लेकिन वे विवश थे, इसलिए चुप रहे और उपयुक्त अवसर का इंतजार करने लगे।

एक दिन सिंह मदमस्त हाथी से भिड़कर घायल हो गया। उसके लिए चलना फिरना भी मुश्किल हो गया था, फिर वह शिकार कैसे करता। इसलिए भूखों मरने की नौबत आ गई। सिंह ने बातों ही बातों में अपने सेवकों से ऐसे प्राणी की खोज करने के लिए कहा, जिसे आसानी से मारकर अपनी भूख मिटाई जा सके।

सिंह के आदेश पर बाघ, गीदड़, कौवा और ऊंट शिकार की तलाश में निकल गए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में कौवे और गीदड़ ने मिलकर ऊंट को ही शिकार बनाने की योजना बनाई, लेकिन समस्या यह थी कि सिंह से यह बात किस प्रकार मनवाई जाए। फिर भी दोनों ने सिंह के सामने यह प्रस्ताव रख ही दिया।

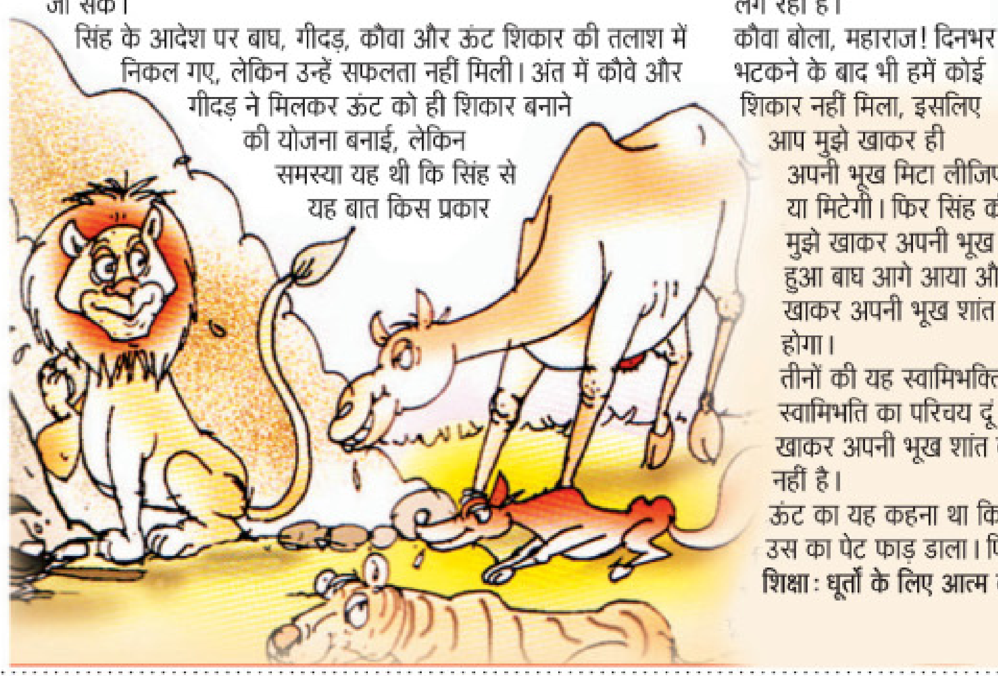

प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आपको कोई आपि । नहीं होनी चाहिए, गीदड़ ने विनम्रतापूर्वक कहा।

जो तुम्हारी इच्छा हो वही करो। सिंह ने लाचारी से कहा।

इसके बाद गीदड़, कौवा और बाघ तीनों ऊंट के पास पहुंचे और बोले, मित्र! हमारे स्वामी की तबीयत खराब है। यह तो आप जानते ही हैं कि हम लोग सारा दिन भटकने के बाद भी उनके लिए शिकार नहीं जुटा पाए हैं। भूख के कारण स्वामी के प्राण निकले जा रहे हैं। ऐसे समय में अपने प्राण त्याग कर स्वामी के प्राणों की रक्षा करना सेवक का धर्म है। क्यों न हम लोग इस धर्म का पालन करें।

इस प्रकार ऊंट को झांसा देकर तीनों धूर्त ऊंट को सिंह के पास ले आए और ऊंट के साथ सिंह को प्रणाम करके बैठ गए।

सिंह ने पूछा, या तुम लोग मेरे खाने का कोई इंतजाम कर सके? मुझे बहुत तेज भूख लग रही है।

कौवा बोला, महाराज! दिनभर भटकने के बाद भी हमें कोई शिकार नहीं मिला, इसलिए आप मुझे खाकर ही अपनी भूख मिटा लीजिए। तभी गीदड़ बोला, तुझे खाकर स्वामी की भूख या मिटेगी। फिर सिंह की ओर देखते हुए गीदड़ ने कहा, महाराज! आप मुझे खाकर अपनी भूख मिटा सकते हैं। अब गीदड़ को पीछे धकेलता हुआ बाघ आगे आया और बोला, महराज! मेरी विनती है कि आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत कीजिए। इससे आपका ही नहीं मेरा भी कल्याण होगा।

तीनों की यह स्वामिभक्ति देखकर ऊंट ने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी स्वामिभति का परिचय दूं। फिर वह सिंह से बोला, स्वामी! आप मुझे खाकर अपनी भूख शांत करें, क्योंकि ये तीनों तो आपके खाने के लायक नहीं है।

ऊंट का यह कहना था कि सिंह की आज्ञा पर गीदड़ और बाघ ने मिलकर उस का पेट फाड़ डाला। फिर चारों ने मिलकर भरपेट भोजन किया।

शिक्षा : धूर्तों के लिए आत्म बलिदान का कोई महत्व नहीं है।

ऊंट को भोजन बनाने का प्रस्ताव सुनते ही सिंह आगबबूला हो गया। उसने कहा, जिसे मैंने शरण दे रखी है, तुम उसे ही मारने का सुझाव दे रहे हो। मैं यह अधर्म कैसे कर सकता हूं। स्वामी, अधर्म तो तब होगा जब आप उसे अपने हाथों से मारें। अगर ऊंट खुद ही अपने आपको भोजन के रूप में पेश कर दे, तब तो आप को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए...

बिंदु मिलाकर चित्र बनाओ

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी -रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार की घोषणा सुनी तो अपना भाग्य आजमाने की सोची

कहानी

क्रोनोमीटर की

क्रोनोमीटर समुद्र में चलने वाले जहाजों को दिशा के बारे में जानकारी देने वाला एक यंत्र है। समुद्री जहाजों के लिए क्रोनोमीटर बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर समुद्री यात्रा के समय दिशा का ज्ञान न हो तो जहाज भटक सकते हैं। क्रोनोमीटर का आविष्कार हो जाने से अब समुद्री जहाजों के लिए यात्रा में दिशा- भ्रम की समस्या नहीं रहती है।

आज से लगभग तीन सौ साल पहले समुद्री जहाजों के सामने प्रमुख समस्या समुद्र में स्थान जानने की रहा करती थी। तब यात्रा के दौरान दिशा-ज्ञान के अभाव में अधिकतर जहाज रास्ते में ही भटक जाते थे, उनमें से कुछ तो तूफान में फंसकर नष्ट भी हो जाया करते थे। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव ब्रिटिश नौसेना पर पड़ता था, क्योंकि सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी में ब्रिटिश नौसेना विश्व में सबसे बड़ी थी।

ब्रिटिश सरकार ने समुद्री यात्रा में दिशा-भ्रम की समस्या के निदान हेतु कई असफल उपाय किये। अंत में, ब्रिटिश सरकार ने सारे संसार में यह घोषणा की कि जो कोई भी ऐसे यंत्र का आविष्कार करेगा, जिससे जहाजों को समुद्र में दिशा और स्थान का सही-सही ज्ञान हो सके, तो उसे बीस हजार पौंड का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इतनी बड़ी धनराशि के पुरस्कार की घोषणा से न केवल, इंग्लैंड, बल्कि संपूर्ण यूरोप में हलचल सी मच गई, क्योंकि इससे पहले इतनी बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा कभी नहीं हुई थी।

बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि सुनकर इसकी प्राप्ति हेतु अनेक व्यक्तियों ने समुद्र में जहाजों को दिशा और स्थान का ज्ञान कराने वाले यंत्र के निर्माण का भरसक प्रयास किया, किन्तु उन्हें सफलता नहीं मिली। अंत में, उत्तरी इंग्लैंड के निवासी जॉन हैरिसन को इसमें सफलता मिली और उसने एक ऐसे यंत्र का आविष्कार किया, जिससे समुद्री यात्रा के समय जहाज चालकों को दिशा का सही ज्ञान हो सके। जॉन हैरिसन द्वारा बनाये गये इस यंत्र को ही 'क्रोनोमीटर' कहा जाता है । क्रोनोमीटर के जन्म की कहानी भी अत्यंत रोचक है।

जॉन हैरिसन एक अनपढ़ साधारण व्यक्ति था और बढ़ईगिरी से अपनी रोजी-रोटी चलाता था। परंतु जब उसने ब्रिटिश सरकार द्वारा बीस हजार पौंड के पुरस्कार दिये जाने की घोषणा सुनी तो उसने अपना भाग्य आजमाने की सोची। उसे पता था कि भूगोलवेत्ताओं ने पृथ्वी पर कुछ काल्पनिक रेखाएं मान रखी हैं। इन रेखाओं में जो पृथ्वी के चारों ओर छल्ले की तरह जाती हैं, उन्हें 'अक्षांश' कहते हैं तथा जो उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव तकखिंची मानी गई हैं, उन्हें देशांतर कहते हैं। इन दोनों प्रकार की रेखाओं द्वारा नाविकों को समुद्री यात्रा में अपनी स्थिति का सही-सही ज्ञान हो सकता था, बशत्रे कि उन्हें बंदरगाह से चलने के बाद से लगातार ठीक-ठीक समय मालूम हो। हालांकि घड़ियों से भी सही समय को जाना जा सकता था और उस समय घड़ियों का आविष्कार भी हो चुका था। परंतु घड़ियां समुद्री यात्रा के समय काम नहीं करती थीं, क्योंकि किसी घड़ी पर तापमान का असर होता था, तो किसी पर आर्द्रता का। समुद्री हवाओं के कारण घड़ियों के कलपुर्ज़े भी गल जाते थे।

जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बनाने की ओर अपना पूरा ध्यान केन्द्रित किया जिस पर न तो तापमान का असर हो, न समुद्र की नमकीन और नम हवा की आर्द्रता का। हालांकि आरंभ में उसे अपने कई प्रयासों में असफल भी होना पड़ा। परन्तु उसने हिम्मत न हारी। वह लगातार प्रयास करता रहा। अंत में उसने एक ऐसा पेंडुलम बनाया, जिसकी सहायता से घड़ियों के गर्मियों में तेज चलने के दोष को ठीक किया जा सकता था। इस प्रकार का पेंडुलम बनाने के बाद उसने ऐसी घड़ी भी बनाई, परंतु उस घड़ी में वह गुणवत्ता नहीं आई, जिसके लिए वह प्रयत्नशील था। तब भी उसने हिम्मत नहीं हारी और इस दिशा में और सुधार करने के अपने प्रयास को जारी रखा।

अंततः जॉन हैरिसन ने ऐसी घड़ी बना ही ली, जो पूर्ण रूप से समुद्री यात्रा के लिए उपयुक्त थी। तापमान, आर्द्रता एवं समुद्री हवाओं का इस घड़ी पर कोई असर नहीं होता था। इस घड़ी से नाविक बंदरगाह से चलते समय हिसाब से अक्षांश और देशांतर रेखाओं की गणना कर समुद्र में अपनी स्थिति का पता लगा लेते थे। जॉन हैरिसन द्वारा आविष्कृत रोचक इस घड़ी को ब्रिटिश सरकार ने भी स्वीकार कर लिया, जिससे वह ब्रिटिश सरकार द्वारा घोषित बीस हजार पौंड की पुरस्कार राशि पाने का हकदार हो गया।

नामीबिया

बेहद निष्ठुर लेकिन वन्य जीव से समृद्ध

पिछले 15 वर्षो से चीता मैन के नाम से चर्चित ओलिवर हॉलेट अफ्रीका में सबसे बड़ी बिल्ली के साथ नामीबिया में रह रहे हैं। आजकल ओलिवर, पूर्ण स्वच्छंदता के साथ वास करने वाले अंतिम बचे जानवरों की तलाश कर रहे हैं

नामिब मरुस्थल में उन्मुक्त जंगली जानवरों और पौधों की ढेर सारी असमान्य प्रजातियां पायी जाती हैं। हालांकि यह मरुस्थल में व्यापक तौर पर निर्जन है, लेकिन जानवरों ने क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु के अनुकूल खुद को ढाल लिया है।

नामिब मरुस्थल एक तटीय रेगिस्तान है, जो संभवतः दुनिया का सबसे पुराना मरुस्थल है। मरुभूमि की रेत ने यहां समुद्र तटों के किनारे कई बड़े बालू के टीलों का निर्माण किया है। यह उन कुछ गिने-चुने मरुस्थलों में से एक है, जो बड़े जानवरों की कई प्रजातियों का परिवास है -

यहां तक कि हाथी भी यहां वास करते हैं। करीब 130 मिलियन साल पुराना नामिब दुनिया का जाना-माना और सबसे प्राचीन मरुस्थल होने के साथ ही साथ यह सबसे खूबसूरत मरुस्थलों में से एक है। इस मरुस्थल की लंबाई 1200 मील है लेकिन चौड़ाई में यह औसतन महज 70 मील तक ही फैला है। यहां दुनिया के सबसे ऊंचे रेत के टीले पाए जाते हैं। यह नारंगी रंगों की रेत की अनंत और अलग परिदृश्य वाली एक पट्टी की तरह नजर आता है और इसके दूर तक फैले खुले तटों के किनारे चमकीले सफेद नमक की परत से लेकर जहाजों के भग्नावशेष बिखरे पड़े हैं। नामिब-नाउक्लुफ्ट नेशनल पार्क नामिब मरुस्थल के काफी बड़े हिस्से में फैला हुआ है। यह अफ्रीका का सबसे बड़ा और दुनिया के सबसे बड़े गेम रिजर्व में से एक है, जो मरुस्थलीय शेरों और विलुप्तप्राय नामिब हाथियों को प्राकृतिक परिवास भी है।

विशेषतौर पर अपने शुष्क वातावरण के अनुकूलित, ये विशालकाय जानवर पानी के लिए खुदाई कर सकते हैं और अपने घुटनों के बल रेत के टीलों पर भी चढ़ सकते हैं। वन्यजीवों के साथ ही इस मरुस्थल में आदिम जनजातियां, जैसे-हिंबा भी गर्व से रहते हैं। इनके लिए अपना पहनावा, केश-सज्जा (हेयरस्टाइल) और आभूषण का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व होता है। हिंबा महिलाएं रोज सुबह घंटों सजने-संवरने में व्यतीत करती हैं। माना जाता है कि ये जनजातियां बदलाव का विरोध करती हैं और आधुनिक रहन-सहन के दौर में भी अपनी अनोखी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रख रही हैं।

हाथियों ने इस क्षेत्र की विपरीत परिस्थितियों के अनुकूल खुद को बेहतर तरीके से ढाल लिया है। पानी वाली जगह से भोजन की तलाश में यह 70 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकते हैं और कई किलोमीटर दूर से ही पानी की मौजूदगी को सूंघने में सक्षम हैं जबकि चार दिनों तक बिना पानी पिए वे रह सकते हैं। यह देश दक्षिणी अफ्रीकी चीता का सबसे आबादी वाला इलाका है और नेशनल पाकरे में वह शामिल नहीं है। यहां हिरण की 12 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें सबसे बड़े इलैंड (दक्षिणी अफ्रीका का सबसे बड़ा मृग) से लेकर सबसे छोटा डमाराडिक-डिक शामिल हैं। नामीबिया में बहुतायत में छोटे स्तनधारी भी रहते हैं, जिनमें नेवले, सियार के साथ बहुत कम पाए जाने वाले चींटीखोर भालू (आंट-बीयर), बिज्जू भी पाए जाते हैं, जो एकांत और उभरचर दोनों हैं। वन्यजीव रोमांचकारी यात्री ओलिवर हॉलेट के साथ नामिबिया में उन्मुक्त जानवरों की तलाश में शामिल हों।

आईपीएल 2025 : रियाद में 24, 25 नवंबर को हो सकती है मेगा नीलामी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के रियाद में होने की उम्मीद है। हालाँकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक आधिकारिक तौर पर स्थान या तारीखों की पुष्टि नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार अंतिम व्यवस्थाएँ प्रगति पर हैं और जल्द ही घोषणा की जा सकती है।पिछली नीलामी एक दिवसीय थी, जो दुबई में आयोजित की गई थी। जिसमें दो महत्वपूर्ण सुर्खियाँ मिशेल स्टार्क को कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा 24.75 करोड़ रुपये में और पैट कमिंस को सनराइजर्स हैदराबाद द्वारा 20.50 करोड़ रुपये में खरीदना था।2022 की पिछली मेगा नीलामी में, ईशान किशन पर सबसे अधिक बोली लगाई गई थी, जिसमें मुंबई इंडियंस ने उन्हें 15.25 करोड़ रुपये में हासिल किया था।

फज़ल अत्राचली ने की रेडर मनिंदर की तारीफ, कहा-उनका समर्पण उन्हें अलग बनाता है

हैदराबाद। बंगाल वॉरियर्स के कप्तान फज़ल अत्राचली ने रविवार, 3 नवंबर को हरियाणा स्टीलर्स पर 40-38 से मिली शानदार जीत के बाद अपने साथी और स्टार रेडर मनिंदर सिंह की जमकर तारीफ की। मनिंदर ने हरियाणा के खिलाफ 12 अंक बनाए और अपनी टीम के आक्रमण का नेतृत्व किया। मैच के बाद अत्राचली ने कहा, मनिंदर को जो चीज़ अलग बनाती है, वह है उनकी प्रतिबद्धता। अपने दशक भर के अनुभव में, मैंने कई अनुभवी खिलाड़ियों को अभ्यास छोड़ने की कोशिश करते देखा है, लेकिन उन्हें नहीं। वह किसी और की तुलना में अधिक प्रयास करते हैं, और हमेशा जिम, प्रशिक्षण और मैचों में अपना 100त्न देते हैं।ईरानी डिफेंडर ने इस बात पर भी जोर दिया कि खिलाड़ियों को इतनी लंबी अवधि तक खेलते देखना कितना दुर्लभ है। उन्होंने कहा, हम कई युवा खिलाड़ियों को देखते हैं, यहाँ तक कि 20 साल के खिलाड़ी भी, जो एक या दो साल के लिए आते हैं और फिर गायब हो जाते हैं। लेकिन मनिंदर की निरंतरता उनकी अथक मेहनत और फिटनेस का परिणाम है। अत्राचली ने टीम के हालिया प्रदर्शन पर कहा, हमारा संयोजन प्रत्येक मैच के साथ बेहतर होता जा रहा है। हमारे पास मनिंदर, सुशील (काम्ब्रेकर) और नितिन जैसे कई मजबूत खिलाड़ी हैं, और हर कोई अलग-अलग खेलों में योगदान देता है - यही बात हमें एक इकाई के रूप में प्रभावी बनाती है।

सदर्न डार्बी में बेंगलुरू बुल्स ने तमिल थलाइवाज को तीन अंक से हराया

हैदराबाद। बेंगलुरू बुल्स ने खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के रोमांचक सदर्न डार्बी में तमिल थलाइवाज को 36-32 से हरा दिया। सात मैचों में बुल्स की यह दूसरी जीत है जबकि थलाइवाज को छह मैचों में दूसरी हार मिली है। आज यहां गाचीबोवली के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में बेंगलुरु बुल्स को मिली इस जीत में डिफेंस का अहम योगदान रहा। बुल्स ने डिफेंस में 16 अंक लिए जबकि रेड में भी उसे इतने ही अंक मिले। उसके लिए सुरेंदर ने हाई-5 लगाया जबकि नितिन ने चार अंक लिए। रेड में अक्षित और अजिंक्य ने 6-6 अंक निकाले। थलाइवाज नरेंदर (6) सबसे सफल रेडर रहे। डिफेंस में साहिल गुलिया और आमिरहुसैन बस्तानी में चार-चार अंक निकाले। बुल्स ने अच्छी शुरुआत करते हुए चार मिनट में 5-2 की बढ़त ले ली। थलाइवाज के लिए सुपर टैकल आन था। डिफेंस ने एक बेहतरीन टैकल के साथ दो अंक हासिल किए औऱ स्कोर 4-5 कर दिया। फिर डिफेंस ने एक अंक लेकर स्कोर बराबर कर दिया। आज बुल्स का रक्षात्मक प्रदर्शन अच्छा कर रहा था। विशाल के डू ओर डाई रेड पर हालांकि उसने प्वाइंट लीक कर दिया। अजिंक्य ने हालांकि अपनी डू ओर डाई रेड पर बोनस लेकर 10 मिनट के खेल के बाद स्कोर 7-7 कर दिया। 12वें मिनट में विशाल के सेल्फ आउट होने के कारण बुल्स को 8-7 की लीड मिल गई। हालांकि पंकज को डू ओर डाई रेड पर आउट आफ बाउंड होने से स्कोर फिर बराबर हो गया। इसी बीच सचिन के डू ओर डाई रेड पर बुल्स का एक डिफेंस आउट आफ बाउंड हुआ और बुल्स सुपर टैकल सिचुएशन में आ गए।

बाढ़ प्रभावित वेलेंसिया में फुटबॉल मैच स्थगित होना चाहिए: एंसेलोटी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड के कोच कार्लो एंसेलोटी ने कहा है कि बाढ़ प्रभावित वेलेंसिया में होने वाले फुटबॉल मैच स्थगित किया जाना चाहिए। एसी मिलान को भी कोचिंग देने वाले एंसेलोटी ने सोमवार को एक संवाददाता सम्मेलन में वेलेंसिया बाढ़ के बारे में बात करते हुए कहा कि वह मंगलवार के मैच को भी स्थगित करना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा, फुटबॉल एक उत्सव है और जब आपका परिवार ठीक हो, सब कुछ ठीक हो तो आप जश्न मना सकते हैं और पार्टी कर सकते हैं। जब लोग ठीक नहीं होते हैं, तो आपको जश्न नहीं मनाना चाहिए। उन्होंने कहा, फुटबॉल वहां मैच नहीं हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हालांकि एक कहावत है, 'शो चलता रहना चाहिए' लेकिन ऐसा नहीं है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले वेलेंसिया में होने वाला मैच बाढ़ के कारण स्थगित कर दिया गया था।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में विकेटकीपिंग करेंगे फिल साल्ट

एजेंसी

लंदन। जोस बटलर की इंगलिश टीम में वापसी के बावजूद फिल साल्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में विकेटकीपिंग करेंगे। सफेद गेंद के कप्तान बटलर ने अपने पिछले 108 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 106 में विकेटकीपिंग किया है, और केवल दो मैचों में क्षेत्ररक्षण किया है जो दिसंबर 2023 में इंग्लैंड के पिछले कैरेबियाई दौरे के दौरान त्रिनिदाद में हुए थे। साल्ट ने तीसरे वनडे से पहले बारबाडोस में कहा, मैंने हाल ही में इंग्लैंड के लिए बहुत ज़्यादा कुछ नहीं किया है, लेकिन मुझे विकेटकीपिंग करना अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि मैं टीम को सबसे ज़्यादा योगदान दे सकता हूँ। साल्ट ने इंग्लैंड के लिए सभी फ़ॉर्मेट में खेले गए 59 मैचों में से 13 में विकेटकीपिंग की है और उन्हें मौजूदा वनडे सीरीज़ में जॉर्डन कॉक्स से आगे विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दी गई है, जो न्यूज़ीलैंड में होने वाली आगामी सीरीज़ में टेस्ट विकेटकीपर जेमी स्मिथ की जगह लेंगे। बटलर पिछले कई महीनों से पिंडली में खिंचाव के कारण बाहर हैं।

अगर वह सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने के लिए फिट होते, तो साल्ट विकेटकीपिंग करते, क्योंकि बटलर मैदान पर अलग-अलग पोजीशन से कप्तानी करने के लिए प्रयोग करने के लिए उत्सुक हैं। बटलर रविवार को कैरेबियाई पहुंचे और केंसिंग्टन ओवल में ट्रेनिंग की। वह बुधवार को होने वाले निर्णायक वनडे के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं और शनिवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे, जो जून में टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड की हार के बाद उनकी पहली उपस्थिति होगी। एसेक्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज माइकल पेपर, जिन्हें मूल रूप से केवल वनडे टीम के लिए चुना गया था, को टी20 टीम में शामिल किया गया है और वे दौरे के बाकी समय के लिए ग्रुप के साथ रहेंगे।

इस बारे में कि क्या टीम में बनाए रखने का उनका फैसला दीर्घकालिक है, साल्ट ने कहा, हमने आगे बढ़ने के बारे में कोई बातचीत नहीं की है। मैं इस समय ऐसा करके खुश हूं। साल्ट ने पहले दो वनडे में 18 और 59 रन बनाए, जिसमें उनके अर्धशतक ने इंग्लैंड को दूसरे एदकिदनी मैच में 329 रन के लक्ष्य का पीछा करने में मदद की। पहले मैच में इंग्लैंड के 209 रन पर आउट होने के बाद, कप्तान लियाम लिविंगस्टोन ने प्रदर्शन की आलोचना करते हुए कहा था कि टीम को अधिक समझदारी से बल्लेबाजी करने की जरूरत है।सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ वनडे सीरीज़ साल्ट के लिए पिछले साल दिसंबर में कैरेबियाई दौरे के बाद 50 ओवर के क्रिकेट का पहला अनुभव था।

पैराग्लाइडिंग विश्व कप दूसरा दिन: अमेरिका के ऑस्टिन कॉकस सबसे आगे, कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर दूसरे स्थान पर रहे

एजेंसी

धर्मशाला। विश्वविख्यात पैराग्लाइडिंग साइट बीड़-बिलिंग में आयोजित किए जा रहे पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप प्रतियोगिता के दूसरे दिन अमेरिका के ऑस्टिन कॉकस 1496 अंक लेकर पहले स्थान पर चल रहे हैं। वहीं कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर 1410 अंक दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। प्रतियोगिता के दौरान पिछले कल रविवार को दूसरे स्थान पर चल रहे पोलैंड के डोमिनिक कैपिका का 1408 अंक लेकर तीसरे स्थान पर चल रहे हैं। उधर महिला वर्ग में पोलैंड की जोना कोक 1202 अंक लेकर पहले स्थान पर चल रही है जबकि ब्राजील की मरीना ओएलएक्सइना 649 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रिया की पोलिना पिर्च 567 अंक लेकर तीसरे स्थान पर चल रही है। प्रतिभागियों को 65 किलोमीटर का लक्ष्य दिया गया था जिसे पूरा करने के बाद सभी प्रतिभागियों ने सुरक्षित लैंडिंग की। दूसरे दिन 23 देशों के 71 प्रतिभागियों ने भरी उड़ान बिलिंग पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन के प्रवक्ता अंकित सूद ने बताया कि प्रतिभागियों को एरियल डिस्टेंस के हिसाब से 66 किलोमीटर और लोकेशन के हिसाब से 93 किलोमीटर का डिस्टेंस दिया गया था। प्रतिभागियों को बिलिंग से चौंतड़ा तक 5 किलोमीटर का चौंतड़ा से फुल्लधार तक का 12 किलोमीटर, फुल्लधार से बिलिंग का 16 किलोमीटर, बिलिंग से बंदला का 15 किलोमीटर, बंदला से हनुमानगढ़ 15 किलोमीटर और हनुमानगढ़ से लैंडिंग स्थल बीड़ का 2 किलोमीटर का लक्ष्य दिया गया था। प्रतियोगिता के दूसरे दिन 23 देशों के 71 प्रतिभागियों ने उड़ान भरी।

वालेंसिया में बाढ़ के बाद फुटबॉल बंद हो जाना चाहिए : रियल मैड्रिड कोच एंसेलोटी

एजेंसी

मैड्रिड। रियल मैड्रिड ने चैंपियंस लीग में एसी मिलान के खिलाफ ताजा मुकाबले में जीत दर्ज की। बाढ़ के कारण वालेंसिया के खिलाफ उनका सप्ताहांत का मैच स्थगित हो गया था। वालेंसिया क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हालांकि कोच कार्लो एंसेलोटी ने स्वीकार किया कि वह मंगलवार के मैच को भी स्थगित देखना चाहते हैं।

अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में, एंसेलोटी, जिन्होंने एसी मिलान को भी कोचिंग दी है, ने वालेंसिया बाढ़ के बारे में बात की और संकेत दिया कि वह मंगलवार के मैच को भी स्थगित करना पसंद करेंगे। एंसेलोटी ने कहा, फुटबॉल एक उत्सव है, और जब सब कुछ ठीक हो, जब आपका परिवार ठीक हो और सब कुछ ठीक हो, तो आप जश्न मना सकते हैं और पार्टी कर सकते हैं। जब लोग ठीक नहीं हैं, तो आपको जश्न नहीं मनाना चाहिए। रियल मैड्रिड को पिछले सप्ताह खेले गए कोपा डेल रे नॉकआउट प्रतियोगिता के पहले दौर से भी छूट दी गई है, इसका मतलब

है कि यह कार्लो एंसेलोटी की टीम का 26 अक्टूबर को क्लासिको में एफसी बार्सिलोना से घरेलू मैदान पर 4-0 की हार के बाद पहला गेम होगा। यह क्लब द्वारा बैलन डीओर के समारोह का बहिष्कार करने के बाद पहला मैच भी है, क्योंकि उसे पता चला था कि विनीसियस जूनियर को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार नहीं मिलने वाला है, बल्कि यह पुरस्कार मैनचेस्टर सिटी के रोड्रिगो हर्नांडेज़ को मिलने वाला है। एंसेलोटी पिछले सप्ताह अपने खिलाड़ियों के साथ काम करने में सफल रहे हैं और वर्तमान में केवल लंबे समय से चोटिल डेविड अलाबा और दानी कार्वाजल ही उपलब्ध नहीं हैं।

मैनचेस्टर यूनाइटेड में जाने से पहले एमोरिम ने कहा- गार्डियोला दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कोच

एजेंसी

लिस्बन। स्पोर्टिंग लिस्बन के कोच रूबेन एमोरिम, जो अगले सप्ताह मैनचेस्टर यूनाइटेड का कार्यभार संभालेंगे, ने मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला को विश्व का सर्वश्रेष्ठ कोच बताया। पुर्तगाली खिताब धारक मंगलवार को चैंपियंस लीग में मैनचेस्टर सिटी का सामना करेंगे, जो स्पोर्टिंग के प्रभारी एमोरिम के अंतिम मैच से पहले होगा। एमोरिम ने स्पोर्ट टीवी से कहा, मैनचेस्टर सिटी के पास दुनिया की सबसे अच्छी टीम और दुनिया का सबसे अच्छा कोच है। मैनचेस्टर सिटी ने 2022 में प्रतियोगिता के अंतिम 16 में स्पोर्टिंग को कुल मिलाकर 5-0 से हराया और एमोरिम ने कहा कि तब से एक कोच के रूप में सुधार के बावजूद, उनके और गार्डियोला के बीच अभी भी एक अंतर है। एमोरिम ने कहा, मुझे लगता है कि मैं अब एक बेहतर कोच हूं, दुर्भाग्य से मुझे लगता है कि पेप गार्डियोला भी एक बेहतर कोच बन गए हैं, इसलिए अंतर

बना हुआ है। पेप गार्डियोला हम में से कई कोचों के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणास्रोत थे।सिटी ने लगातार चार सीज़न प्रीमियर लीग जीती है, रिकॉर्ड 20 बार के इंग्लिश चैंपियन मैनचेस्टर यूनाइटेड ने आखिरी बार 2013 में इसे जीता था, जब मैनेजरियल महान एलेक्स फर्ग्यूसन शीर्ष पर थे। गार्डियोला ने 2023 में सिटी के साथ चैंपियंस लीग जीती और यूनाइटेड के प्रतिद्वंद्वियों को छह लीग जीत दिलाई। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने स्पोर्टिंग को 11 मिलियन यूरो (12 मिलियन डॉलर) का भुगतान किया ताकि यूरोपीय फुटबॉल में सबसे रोमांचक और उच्च श्रेणी के युवा कोचों में से एक को सुरक्षित किया जा सके।

प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में शमी की वापसी का इंतजार बढ़ा, अगले दो रणजी मैचों के लिए बंगाल टीम में नहीं चुना गया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी का इंतजार और बढ़ गया है। उन्हें कर्नाटक और मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के अगले दो राउंड के लिए बंगाल टीम में शामिल नहीं किया गया है। बंगाल एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कर्नाटक से भिड़ेगा, उसके बाद 13 नवंबर को इंदौर में मध्यप्रदेश से भिड़ेगा। शमी से उम्मीद थी कि वह कर्नाटक के खिलाफ मैच खेलकर अपनी फिटनेस को वास्तविक मैच की स्थिति में परखेंगे, क्योंकि उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के हालिया टेस्ट मैच के बाद नेट पर पूरी ताकत से गेंदबाजी की थी, हालांकि उनके पैर पर पट्टी बंधी हुई थी। उस अवसर पर, भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने भी उनकी निगरानी की थी। बाद में शमी ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि वह नेट पर 100त्न महसूस कर रहे थे। उनहोंने कहा था, मैं आधे रन-अप के साथ गेंदबाजी कर रहा था क्योंकि मैं अपने शरीर पर बहुत अधिक दबाव नहीं डाल सकता। इसलिए, हमने फैसला किया कि मैं ठीक से गेंदबाजी करूंगा, और मैंने अपना 100त्न दिया। यह बहुत अच्छा लगा, और परिणाम अच्छे हैं। उम्मीद है कि मैं जल्द ही ट्रैक पर वापस आ जाऊंगा। शमी के अलावा बंगाल को सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन, विकेटकीपर बल्लेबाज अभिषेक पोरेल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की भी कमी खलेगी, जो ऑस्ट्रेलिया में इंडिया ए टीम के साथ हैं।

डब्ल्यूटीए फाइनल्स : शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका सेमीफाइनल में पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली,। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने चौथी वरीयता प्राप्त इतालवी खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी को 6-3, 7-5 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ही वह पर्पल राउंड-रॉबिन ग्रुप में अपराजित रहीं। 26 वर्षीय खिलाड़ी साल के अंत में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने के कगार पर है। बुधवार को अंतिम ग्रुप मैच में एलेना रयबाकिना पर जीत या अपनी प्रतिद्वंद्वी पोलैंड की इगा स्वियाटेक से हार, बेलारूसी खिलाड़ी के लिए साल के अंत में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर देगी। सबालेंका की जीत और चीनी खिलाड़ी झेंग किनवेन की रयबाकिना पर पहले 7-6(4), 3-6, 6-1 की जीत ने सुनिश्चित किया कि शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बुधवार को अपने अंतिम परिणाम के बावजूद अपने

समूह में पहले स्थान पर रहेगी, जिससे वह अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएंगी। ऑस्ट्रेलियन ओपन और यू.एस. ओपन चैंपियन सबालेंका ने रियाद में सातवीं वरीयता प्राप्त झेंग के खिलाफ अपना पहला मैच भी जीता। चीनी खिलाड़ी और पाओलिनी, जिनका रिकॉर्ड 1-1 है, दोनों सेमीफाइनल के लिए दावेदारी में हैं और बुधवार को उनका आमना-सामना होगा। स्वियाटेक एकमात्र खिलाड़ी हैं जो सबालेंका से आगे निकल सकती हैं। मंगलवार को कोको गॉफ से खेलने वाली 23 वर्षीय खिलाड़ी को अपना खिताब बनाए रखना होगा और उम्मीद करनी होगी कि सबालेंका अपने शेष मैच हार जाएं, ताकि साल के अंत में नंबर एक स्थान हासिल कर सकें। सबालेंका ने अपनी जीत के बाद कहा, मुझे खुद पर गर्व है। सिर्फ़ खुद पर नहीं, बल्कि मेरी टीम पर भी। हम कई चीज़ों पर काबू पाने में सफल रहे। इतना बढ़िया टेनिस दिखाने और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनना, टीम वर्क है। यह सिर्फ़ मैं ही नहीं कर सकती। कोई भी पर्दे के पीछे के काम को नहीं देखता। लेकिन वे मेरे लिए बहुत कुछ करते हैं। वे मेरे लिए जो कुछ भी करते हैं, उसके लिए मैं उनकी सराहना करती हूं। यह मेरे लिए इस कोर्ट पर जीतते रहने की प्रेरणा है।

उप्र,कर्नाटक,चंडीगढ़, मणिपुर, मप्र और एचयूटीएन ने जीते अपने मुकाबले

चेन्नई। 14वीं सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के पहले दिन उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, चंडीगढ़, मणिपुर, मध्य प्रदेश और हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु (एचयूटीएन) टीमों ने अपने लीग अभियान की शुरुआत शानदार जीत की।यहां मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में शुरू हुई चैंपियनशिप में गोलों की बारिश देखने को मिली। पूल एफ के शुरुआती मुकाबले में उत्तर प्रदेश हॉकी ने केरल हॉकी को 6-0 से हराया। उत्तर प्रदेश के लिए अरुण साहनी ने (तीसरे और 52वें मिनट) में दो गोल किये। चंदन सिंह ने (21वें मिनट)में , कप्तान ललित कुमार उपाध्याय ने (32वें मिनट) में, शिबम आनंद ने (55वें मिनट) और फराज मोहम्मद ने (57वें मिनट) में गोल करके टीम को जीत दिलाई।

शाकिब अल हसन की गेंदबाजी पर उठे सवाल, संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए किया गया रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। अपने करियर के अंतिम दौर में चल रहे बांग्लादेशी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन मुसीबतों में फंसते नजर आ रहे हैं और इस बार अपनी गेंदबाजी के कारण। काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए एकमात्र मैच के दौरान शाकिब की संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए अंपायरों द्वारा रिपोर्ट की गई है।शाकिब को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा अपने गेंदबाजी एक्शन का विश्लेषण करवाने के लिए कहा गया था।

शाकिब ने सितंबर में टॉन्टन में समरसेट के खिलाफ एक रोमांचक चैंपियनशिप मुकाबले में सरे के लिए ने 63 से ज़्यादा ओवर फेंके और नौ विकेट चटकाए। अब पता चला है कि ऑन-फील्ड अंपायर स्टीव ओशॉघनेसी और डेविड मिल्न्स ने बाद में उनके गेंदबाजी एक्शन को संदिग्ध माना। 2010-11 में वॉर्सेस्टरशायर के साथ एक संक्षिप्त

कार्यकाल के बाद शाकिब की यह प्रतियोगिता में पहली उपस्थिति थी, उन्होंने इंग्लैंड की ड्यूटी पर आठ खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के कारण कुछ समय के लिए सरे के लिए खेलने का फैसला किया था। यह समझा जाता है कि शाकिब को खेलने से निलंबित नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें अगले कुछ हफ़्तों के भीतर एक स्वीकृत स्थान पर आगे के परीक्षणों से गुजरना होगा। यह शाकिब के लिए एक बड़ा आश्चर्य है, जिनकी गेंदबाजी उनके 17 साल से अधिक के करियर के दौरान कभी भी जांच के दायरे में नहीं आई, जिसमें उन्होंने 447 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 712 विकेट लिए। जब इस मामले पर बीसीबी के एक अधिकारी का ध्यान आकर्षित किया गया तो उन्होंने कहा, इस मामले (शाकिब के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन) का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट या अन्य देशों में घरेलू क्रिकेट से कोई संबंध नहीं है। यह मामला ईसीबी के अधिकार क्षेत्र में है और आईसीसी या अन्य बोर्ड से संबंधित नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर शाकिब इंग्लैंड में घरेलू क्रिकेट खेलना चाहते हैं तो उन्हें टेस्ट खेलना होगा। शाकिब को अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें ठीक होने के लिए कुछ और समय चाहिए क्योंकि उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना विदाई टेस्ट खेलने के लिए घर नहीं लौटने के लिए कहा गया था, जिसकी उन्होंने अपने संन्यास की घोषणा करते समय इच्छा जताई थी।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बिहार पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम

एजेंसी

राजगीर। भारतीय महिला हॉकी टीम गया पहुंच गई है, जिसके साथ ही राज्य में आयोजित पहली अंतरराष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता की शुरुआत हो गई है। बिहार महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी राजगीर 2024, 11 से 20 नवंबर तक आयोजित की जाएगी, जिसमें गत चैंपियन भारत के साथ पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन, साथ ही जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड शामिल होंगे। कप्तान सलीमा टेटे और उप-कप्तान नवनीत कौर के नेतृत्व में, भारत 11 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, उसके बाद 12 नवंबर को कोरिया के खिलाफ मैच होगा। एक दिन के आराम के बाद, भारत 14 नवंबर को थाईलैंड का सामना करेगा। 16 नवंबर को, भारत पेरिस ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन को चुनौती देगा और 17 नवंबर को जापान के खिलाफ मैच के साथ पूल चरण का समापन करेगा।बिहार पहुंचने पर कप्तान सलीमा टेटे ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, ÷हम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए साई बेंगलुरु में कठोर प्रशिक्षण ले रहे थे। पिछले मैचों में, हमें पिच के अंतिम तीसरे हिस्से में चुनौतियों का सामना करना पड़ा, इसलिए हमने उस क्षेत्र में सुधार करने पर काफी ध्यान केंद्रित किया है। हम मैच दर मैच आगे बढ़ेंगे और प्रत्येक में अच्छा प्रदर्शन करने का लक्ष्य रखेंगे; प्रत्येक टीम एक अलग चुनौती पेश करती है, और हम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं लेंगे। यह पहली बार है जब हम बिहार में अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेल रहे हैं, और हमें उम्मीद है कि हम अपने प्रदर्शन से क्षेत्र की सभी लड़कियों को प्रेरित करेंगे। हमने अच्छी तैयारी की है, और हमें विश्वास है कि हमारी मेहनत मैदान पर दिखेगी। भारत को 19 नवंबर को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए छह टीमों में से शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। इसके बाद विजेता टीमें 20 नवंबर को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगी। यह टूर्नामेंट मुख्य कोच हरेंद्र सिंह, (जिसमें इस साल की शुरुआत में कार्यभार संभाला था) के नेतृत्व में भारतीय महिला हॉकी टीम की पहली एशियाई प्रतियोगिता है। मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, आगामी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में पहली बार बिहार में अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित किए जाएंगे। मैं बिहार सरकार, हॉकी इंडिया और सभी हॉकी प्रशंसकों को राज्य में अंतरराष्ट्रीय मैच लाने में मदद करने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। प्रत्येक टीम ट्रॉफी जीतने के लक्ष्य के साथ आएगी और हमने पिछले पांच महीने एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी को ध्यान में रखते हुए तैयारी में बिताए हैं।

आईसीसी ने की महिला एफटीपी 2025-29 की घोषणा, भारत करेगा इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, जिम्बाब्वे की मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला 2025-2029 फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (एफटीपी) की घोषणा की, जिसके तहत भारत इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे की मेज़बानी करेगा। भारत इसी अवधि में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ़्रीका, वेस्टइंडीज और आयरलैंड में अपने मैच खेलेगा। दूसरा महिला एफटीपी मई 2025 से अप्रैल 2029 तक चलेगा। इस एफटीपी में प्रत्येक वर्ष एक आईसीसी महिला इवेंट खेला जाएगा, जिसमें 2027 में छह टीमों की पहली चैंपियंस ट्रॉफी आयोजित की जाएगी। इस अवधि के दौरान होने वाले अन्य आयोजनों में 2025 में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप (भारत), 2026 में महिला टी20 विश्व कप (यूनाइटेड किंगडम) और 2028 में महिला टी20 विश्व कप का एक और संस्करण (मेजबान की घोषणा अभी बाकी है) शामिल है। इस बार आईसीसी महिला चैंपियनशिप में भाग लेने वाली टीमों की संख्या 11 होगी, जिम्बाब्वे को पहली बार चैंपियनशिप में जोड़ा गया है। कुल मिलाकर, तीन-तीन मैचों की 44 श्रृंखलाओं में 132 वनडे खेले जाएंगे, जो 2029 में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के लिए योग्यता मार्ग के रूप में संदर्भ प्रदान करते हैं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 से पहले, इंग्लैंड त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारत और न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा, जबकि आयरलैंड पाकिस्तान और वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा। श्रीलंका और वेस्टइंडीज अन्य सदस्यों में से हैं, जिन्हें क्रमशः 2027 और 2028 में टी-20आई त्रिकोणीय श्रृंखला की मेजबानी करनी है। आईसीसी क्रिकेट के महाप्रबंधक वसीम खान ने कहा, हमें खुशी है कि आईडब्ल्यूसी के नए संस्करण का विस्तार किया गया है और इसमें ग्यारहवीं टीम के रूप में जिम्बाब्वे को शामिल किया जाएगा। यह उत्साहजनक है कि सदस्य बोर्ड सभी प्रारूपों में खेलने के लिए उत्सुक हैं, और साथ ही उन्होंने आईसीसी आयोजनों की तैयारी के लिए त्रिकोणीय श्रृंखला की योजना बनाई है। सदस्यों द्वारा संतुलित और प्रासंगिक कैलेंडर प्रदान करने के लिए किए गए प्रयास महिलाओं के खेल को और आगे बढ़ाएंगे। हम सदस्य बोर्डों को एफटीपी को अंतिम रूप देने में उनकी प्रतिबद्धता और सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं। इस एफटीपी में टेस्ट मैचों के लिए अधिक गुंजाइश है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज सभी बहु-प्रारूप श्रृंखला खेलने के लिए सहमत हैं जिसमें एकदिनी और टी-20 आई शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड, भारत और दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध दो-दो और वेस्टइंडीज के विरुद्ध श्रृंखलाएँ खेलेगा। 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए एक विंडो है, जो उस वर्ष जुलाई में आयोजित किया जाएगा, इसके अलावा डब्ल्यूबीबीएल (नवंबर), द हंड्रेड (अगस्त) और महिला प्रीमियर लीग (जनवरी-फरवरी में डब्ल्यूपीएल) के लिए समर्पित वार्षिक विंडो भी है। 2026 से, डब्ल्यूपीएल जनवरी-फरवरी विंडो में खेला जाएगा। इसका मतलब यह भी है कि भारत की ऑस्ट्रेलिया की बहु-प्रारूप यात्रा, जिसमें एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी-20 शामिल हैं, अब डब्ल्यूपीएल के बाद फरवरी-मार्च 2026 में आयोजित की जाएगी। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से सीए के परिचालन और शेड्यूलिंग प्रमुख पीटर रोच ने कहा, यह पहली महिला एफटीपी है जिसमें डब्ल्यूपीएल शुरू से ही लागू है। डब्ल्यूपीएल को कैलेंडर वर्ष में पहले स्थानांतरित करने के बीसीसीआई के निर्णय ने हमें इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए अपने पसंदीदा समय को देखने की अनुमति दी।

Munjya फेम शरवरी वाघ के हाथ लगा 360 करोड़ का प्रोजेक्ट, इस एक्ट्रेस का भी लगा जैकपॉट

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान इंडस्ट्री का नामी चेहरा हैं और उन्हें बॉलीवुड के नवाब के तौर पर जाना जाता है. वे कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं और पिछले कुछ समय से वे अलग-अलग कैरेक्टर्स को एक्सप्लोर कर रहे हैं. सैफ ने यूं तो कई हिट फिल्मों में काम किया है लेकिन अब तक उनके करियर की अगर सबसे सक्सेसफुल फिल्म की बात करें तो वो रेस ही है. रेस एक सफल फ्रेंचाइज है. फिल्म का पहला पार्ट बहुत पसंद किया गया था. इसके दूसरे पार्ट ने भी अच्छा कलेक्शन किया था. वहीं रेस 3 में सलमान खान उस मैजिक को दोहरा नहीं पाए थे लेकिन फिल्म मुनाफा कमा ले गई थी. अब अपने करियर की सबसे बड़ी फ्रेंचाइज में सैफ वापसी कर रहे हैं और वे इसमें सलमान खान जैसे सुपरस्टार को रिप्लेस कर रहे हैं. इस फिल्म में लीड एक्ट्रेस कौन होगी इसको लेकर भी नया अपडेट आया है.मौजूदा समय में अगर किन्हीं दो एक्ट्रेस को सबसे ज्यादा फिल्में मिल रही हैं तो वो हैं तृप्ति डिमरी और शरवरी वाघ. अब मुंज्या फिल्म की एक्ट्रेस शरवरी वाघ को एक और फिल्म मिल गई है. अब वे सैफ अली खान के साथ बड़ी फ्रेंचाइज का हिस्सा बन गई हैं. रिपोर्ट में ऐसा सामने आया है लेकिन अभी इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है. दोनों ही एक्ट्रेस काफी टैलेंटेड हैं और मेकर्स इन्हें रेस 4 टीम का हिस्सा बनाने को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. बात फाइनल स्टेज पर पहुंच गई है और अब कभी भी इस फिल्म की कास्ट को लेकर कन्फर्मेशन आ सकता है.

रेस फिल्म फ्रेंचाइज का बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड कैसा रहा है?

रेस फिल्म की बात करें तो ये फिल्म साल 2008 में आई थी और इसने 103 करोड़ रुपये की कमाई की थी. ये एक रिकॉर्ड था. उस समय किसी भी फिल्म के लिए 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई करना बड़ी बात मानी जाती थी. फिल्म में अक्षय खन्ना भी थे. इसके बाद फिल्म का दूसरा पार्ट आया. ये भी फैंस ने काफी पसंद किया. दूसरा पार्ट 2013 में आया था और इस फिल्म ने 180 करोड़ रुपये की कमाई की थी. ये आंकड़े भी शानदार थे और फिल्म को अपने पहले इंस्टालमेंट की सक्सेस का फायदा मिला था.

अमिताभ बच्चन की वो बात जो वरुण धवन जिंदगी भर याद रखेंगे

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन अपनी आने वाली सीरीज Citadel:Honey Bunny को लेकर सुर्खियों में हैं. वरुण के साथ इस सीरीज में समांथा रुथ प्रभु भी नजर आने वाली हैं. सीरीज का एक्शन पैक्ड ट्रेलर सामने आने के बाद से लोगों को इसका काफी इंतजार है. सीरीज के ट्रेलर में वरुण और समांथा दमदार एक्शन करते नजर आ रहे हैं. सीरीज को राज और डीके ने डायरेक्ट किया है. अब सिटाडेल-हनी बनी के प्रमोशन के लिए वरुण अमिताभ बच्चन के शो केबीसी पर पहुंचे.

कौन बनेगा करोड़पति के 16वें सीजन को लोग काफी पसंद कर रहे हैं. सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सोनी टीवी पर टेलिकास्ट होने वाले इस शो में कई सेलिब्रिटी आए हैं. आने वाला एपिसोड दिवाली स्पेशल होने वाला है ऐसे में इस बार एपिसोड में वरुण धवन, निर्देशक राज और डीके के साथ केबीसी के मंच पर दिवाली मनाते नजर आएं गे. साथ ही वरुण ने अमिताभ से कुछ पेरेंटिंग टिप्स भी लिए.

सामने आया एपिसोड का प्रोमो

सोनी चैनल के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रोमो ने पहले ही दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता पैदा कर दी है. इस एपिसोड में वरुण धवन और अमिताभ बच्चन जमकर मस्ती करते नजर आ रहे हैं. इस दौरान वरुण, बिग बी से अपने निजी जीवन और पिता बनने की खुशियों के बारे में दिलचस्प बातचीत करते नजर आएंगे. वरुण और उनकी पत्नी नताशा अभी कुछ महीनो पहले ही एक बेटी के माता-पिता बने हैं, ऐसे में वरुण ने बिग बी से अच्छी पेरेंटिंग टिप्स लीं.

अमिताभ से वरुण की बातचीत

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमिताभ, वरुण धवन से उनकी बेटी के बारे में पूछते हैं. वो पूछते हैं, ये दिवाली आपके लिए बेहद खास है क्योंकि देवी लक्ष्मी खुद आपके घर आई हैं. क्या आपने उसका नाम सोचा है? वरुण मुस्कुराते हुए जवाब देते हैं, हां, हमने सोचा है, हालांकि हमने अभी तक इसे शेयर नहीं किया है. मैं अभी भी उससे जुड़ना सीख रहा हूं- यह वैसा ही है जैसा आपने कहा कि जब एक बच्चा घर आता है, तो सब कुछ बदल जाता है.

अमिताभ ने दिए खास टिप्स

इसके बाद वरुण ने बिग बी से उनके पहली बार पिता बनने के अनुभव के बारे में पूछा. वरुण ने पूछा कि क्या वो उस समय पूरी नींद ले पाते थे या नहीं? वरुण के जवाब में बिग बी ने कहा कि हम सोने में कामयाब रहे, लेकिन हमेशा थोड़ी चिंता बनी रहती थी कि सब ठीक तो है ना. उस समय, एक नया गैजेट आया था, आप इसे बिस्तर के पास रखते थे, और अगर बच्चा थोड़ी सी भी आवाज करता, तो यह हमें बता देता था्र तो ये गैजेट काम आया! आगे बिग बी ने कहा, यहां एक गोल्डन रूल है कि अपनी पत्नी को खुश रखें. अगर वह खुश हैं, तो बाकी सब ठीक हो जाएगा, और जब वह खुश होंगी, तो आपकी बेटी भी खुश रहेगी.

दिलजीत दोसांझ पर भद्दे कमेंट करने वाले इस इन्फ्लुएंसर को अदनान सामी ने धो डाला

हाल ही में पंजाबी एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ अपने कॉन्सर्ट के लिए दिल्ली आए थे. उनका कॉन्सर्ट 'दी-लूमिनाती' लोगों को काफी पसंद आया था. जो-जो कॉन्सर्ट में गए्र जमकर नाचे. इतना नाचे की अगले दिन जेएलएन स्टेडियम जहां ये कॉन्सर्ट हुआ था, वहां का नजारा देखने लायक था. कई कुर्सियां टूटी पड़ी थीं, कई जगह सड़ा हुआ खाना पड़ा था. हालत इतनी खराबह थी कि कॉन्सर्ट दिलजीत के लिए कम और कॉन्सर्ट के बाद के हालातों के चक्कर में ज्यादा याद रखा जाएगा. खैर्र ब्रिटिश-अमेरिकी इन्फ्लुएंसर एंड्रयू टेट ने एक रेसिस्ट कमेंट किया.ब्रिटिश-अमेरिकी इन्फ्लुएंसर एंड्रयू टेट ने एक रेसिस्ट कमेंट किया. दिलजीत के इस कॉन्सर्ट के बाद कई तरह के विवाद खड़े हो गए हैं. ऐसा ही एक विवाद सोशल मीडिया पर सामने आया.सिंगर दिलजीत के कॉन्सर्ट में आए लोग उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब थे, लेकिन एक कपल ऐसा था जिसको केवल दिलजीत की झलक ही नहीं बल्कि उनकी जैकेट भी मिल गई. कॉन्सर्ट में शामिल सबके लिए ये रात बेहद खास थी क्योंकि उनके सामने उनका फेवरेट सिंगर परफॉर्म कर रहा था, पर एक महिला के लिए ये रात सबसे स्पेशल साबित हुई क्योंकि दिलजीत ने परफॉर्म करते हुए अपनी जैकेट उस महिला को गिफ्ट कर दी. दिलजीत के इस जेस्चर से जितना खुश वो महिला नहीं हुई, उससे कहीं ज्यादा उनके पति हो गए.

एंड्रयू टेट का रेसिस्ट कमेंट

दिलजीत की जैकेट पाकर महिला का पति फूट-फूटकर रोने लगा. ये क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गई. क्लिप वायरल हुई तो लोग बाते करने लगे. लोगों ने कहा कि शायद कॉन्सर्ट के सारे पैसे वापस मिल गए, इन्हीं कमेंट के बीच एक ऐसा कमेंट था जिसने हर किसी को चौंका दिया. दिलजीत के इस वीडियो पर ब्रिटिश-अमेरिकी इन्फ्लुएंसर एंड्रयू टेट ने एक रेसिस्ट कमेंट किया. उनके इस तरह के कमेंट पर सिंगर अदनान सामी ने उन्हें करारा जवाब दिया है.

अदनान सामी का करारा जवाब

टेट ने अपने कमेंट में लिखा, 'मैं शर्त लगा सकता हूं कि इस जैकेट से करी की बदबू आ रही होगी'. वो यहीं नहीं रुके, आगे उन्होंने तंज भरे अंदाज में लिखा 'ऑडियंस में कोई भी रेपिस्ट तो नहीं?' उनके इस भद्दे कमेंट पर सिंगर अदनान सामी ने उनको तगड़ा जवाब दिया. अदनान ने कहा, 'गलत्र इस जैकेट से केवल प्यार कि खुशबू आती है और सबसे अच्छी बात ये है कि ऑडियंस में से कोई भी आपकी तरह रेपिस्ट और चाइल्ड ट्रैफिकिंग का आरोपी नहीं है या फिर अपराधी नहीं है जो वाकई एक खराब बात है'. बात करें एंड्रयू टेट कि तो एंड्रयू ब्रिटिश-अमेरिकी इन्फ्लुएंसर हैं जिनपर बलात्कार, मानव तस्करी और महिलाओं का यौन शोषण करने के लिए ऑर्गनाइज्ड क्राइम ग्रुप बनाने का आरोप है.

8 स्टार्स वाली 'सिंघम अगेन' कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' को मात नहीं दे पाई, विदेशी कमाई ने उड़ाए होश

'भूल भुलैया 3' और 'सिंघम अगेन' के बीच क्लैश का बज़ लंबे वक्त से बना हुआ था. ज्यादातर ट्रेड पंडितों का मानना था कि 'सिंघम अगेन' 'भूल भुलैया 3' पर भारी पड़ेगी. घरेलू बॉक्स ऑफिस पर तो 8 स्टार्स वाली अजय देवगन की फिल्म ने कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' से कुछ करोड़ ज्यादा का कारोबार करने में कामयाबी हासिल कर ली, लेकिन विदेशों में ऐसा नहीं हो पाया है.सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक ओवरसीज बॉक्स ऑफिस पर 'सिंघम अगेन' और 'भूल भुलैया 3', दोनों ने ही लगभग एक जैसा कारोबार किया है. दोनों ही फिल्मों ने करीब 30 करोड़ रुपये का बिज़नेस किया है. पर ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं, क्योंकि 'सिंघम अगेन' में जिस तरह की स्टारकास्ट है, उससे साफ था कि घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ-साथ ओवरसीज़ में भी अजय की फिल्म कार्तिक की पिक्चर से आगे रहेगी. पर ऐसा हो नहीं सका है.

'सिंघम अगेन' और 'भूल भुलैया 3' वर्ल्डवाइड कलेक्शन

'सिंघम अगेन' ने पहले वीकेंड पर दुनियाभर में 176.10 करोड़ रुपये (ग्रॉस) का कारोबार किया है. वहीं 'भूल भुलैया 3' 157.20 करोड़ रुपये (ग्रॉस) का बिज़नेस करने में कामयाब रही है. कुल मिलाकर इन दो फिल्मों ने तीन दिनों में वर्ल्डवाइड 325 करोड़ रुपये बटोरे हैं.

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर किसने कितने कमाए

रोहित शेट्टी की 'सिंघम अगेन' ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर पहले वीकेंड में 121.75 करोड़ रुपये (नेट) का कारोबार किया है. वहीं अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी हॉरर-कॉमेडी 'भूल भुलैया 3' ने 106 करोड़ (नेट) कमाए हैं.सिंघम अगेन में सितारों की भरमार है. इसमें अजय देवगन के अलावा अक्षय कुमार, रणवीर सिंह, करीना कपूर खान, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ और जैसी श्रॉफ जैसे स्टार्स हैं. फिल्म में अर्जुन कपूर विलेन के रोल में हैं. वहीं 'भूल भुलैया 3' में कार्तिक आर्यन के अलावा विद्या बालन, माधुरी दीक्षित, तृप्ति डिमरी, राजपाल यादव, संजय मिश्रा और विजय राज जैसे सितारे दिखाई दिए हैं.